● वर्ष-3
● अंक-17
रायपुर, मंगलवार
29 अगस्त 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

सीएम गंगाजल लेकर कहें, धान का पैसा नहीं देती केन्द्र

बघेल की चिट्ठी ने ही खोल दी झूठी दुकान की पोलः ओपी चौधरी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को चुनौती देते हुए कहा कि धान खरीदी पर वे जो झूठ की दुकान खोलकर बैठे हैं, उसकी सच्चाई यह है कि मोदी जी ने केंद्रीय पूल के चावल का कोटा इतना बढ़ा दिया है कि छत्तीसगढ़ के किसानों से प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदी संभव है। अब तक मुख्यमंत्री कह रहे थे कि सारी खरीदी वे ही करते हैं। अब राज्य के नुकसान की बात कर रहे हैं। सत्य यह है कि केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ के किसानों की पूरी धान खरीदी के लिए कोटा बढ़ाया है। राज्य के बजट में तो धान खरीदी के लिए कोई विशेष व्यवस्था ही नहीं है। उन्होंने आंकड़े जारी करते हुए कहा कि हम भूपेश बघेल को गंगाजल भेजेंगे। वे मंदिर में खड़े होकर गंगाजल हाथ में लेकर कहें कि यह झूठ है।

भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में श्री चौधरी ने कहा कि भूपेश बघेल सरकार जेब में हाथ डाले बिना अरबों खरबों की सौदेबाजी करने में माहिर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राज्य सरकार द्वारा धान खरीदी के बारे में झूठ बोलने का सबसे बड़ा प्रमाण तो राज्य का बजट है। अगर राज्य अपनी योजना से धान खरीदेगी तो उसके बजट में पैसे का प्रावधान करना पड़ेगा। धान खरीदी खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग करता है, 2022-23 के लिए इस विभाग का कुल बजट 5158 करोड़ रुपए है, ऐसे में धान खरीदने के 21 हजार 828 करोड़ रुपए कहां से आयेंगे? यहां तक की तीन अनुपूरक बजट को मिलाकर भी इतनी बड़ी राशि नहीं होती। श्री चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश

बघेल ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नाम एक पत्र लिख कर 6000 करोड़ रुपए बकाया राशि देने की मांग की है। यह पैसा किस काम का बकाया है? इसका कोई उल्लेख चिट्ठी में नहीं है। प्रधानमंत्री को जब मुख्यमंत्री पत्र लिखे तो विषय स्पष्ट होना चाहिए।

भूपेश बघेल जी के चार लाइन के पत्र में कुछ समझ नहीं आ रहा कि 6000 करोड़ रुपए प्रदेश को केंद्र से किस बात के लिए लेने है। ऐसा इसलिए है कि मुख्यमंत्री को विषय से कोई लेना देना नहीं है, उन्हें तो जनता को उलझाना है, मोदी जी की सरकार को बदनाम करना है, झूठे आरोप लगाना है।

इस पत्र में कुछ नहीं लिखते हुए भी श्री बघेल ने अपने झूठ की पोल खोल दी है। कहते हैं न सत्यमेव जयते, ईश्वर सत्य के रूप में कैसे प्रकट होते हैं, इसका सुंदर उदाहरण मुख्यमंत्री की चिट्ठी है।

श्री चौधरी ने कहा कि इस पत्र में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लिखा है कि वर्तमान स्थिति में भारत सरकार/भारतीय खाद्य निगम के स्तर पर राज्य की एजेन्सियों की लम्बित देनदारियां लगभग 6,000 करोड़ रुपये की हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा है कि केंद्रीय पूल में राज्य सरकार की ओर से जमा चावल के बाद बचे शेष धान के निराकरण में भी राज्य सरकार को बड़ी हानि उठानी पड़ती है, जिसकी भरपाई भारत सरकार द्वारा नहीं की जाती है। इससे राज्य सरकार को अतिरिक्त आर्थिक भार वहन करना पड़ता है।

प्रदेश भाजपा महामंत्री श्री चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री इस चिट्ठी में खुद स्वीकार कर रहे हैं कि धान की खरीदी की राशि की भरपाई भारत सरकार और उसकी एजेंसी भारतीय खाद्य निगम करता है। जितना धान से चावल बनाकर एफसीआई सेंट्रल पूल से लेता है, उतने की भरपाई भारत सरकार करती है, पत्र के अनुसार उससे अधिक खरीदे गए धान पर राज्य सरकार को नुकसान उठाना पड़ता है।

श्री चौधरी ने कहा कि एक मजेदार बात यह भी है कि जो चावल केंद्र सेंट्रल पूल के जरिए लेती है, उसे पीडीएस के माध्यम से गरीबों को देती है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत मोदी सरकार ने कोरोना काल से अब तक 5 किलो प्रति व्यक्ति अतिरिक्त चावल भिजवाए थे, जिसे इस भ्रष्ट सरकार ने गरीबों तक पहुंचने नहीं दिया। गरीबों का चावल खा गए।

धान उपार्जन की व्यवस्था और प्रक्रिया

भारतीय खाद्य निगम की वेबसाइट में जा कर देखेंगे तो धान उपार्जन की व्यवस्था और प्रक्रिया का विवरण है। स्पष्ट लिखा है कि भारतीय खाद्य निगम जो कि भारत सरकार की एजेंसी है, वह अन्य राज्य एजेंसियों के साथ मिलकर समर्थन मूल्य योजना के तहत गेंहू और धान का उपार्जन करता है। छत्तीसगढ़ में यह उपार्जन विकेंद्रीकृत प्रणाली से की जाती है। कांग्रेस सरकार इस बात को छुपाती है, जनता को ऊल जुलूल कुतर्क से भरमाने का प्रयास करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा था कि धान खरीदने का पैसा केंद्र सरकार देती है। इसका मतलब राज्य में धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य 2040 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 107 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी में कुल 21828 करोड़ रुपए खर्च हुए, उसमें से केंद्रीय पूल के लिए 90 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी से चावल बनाने और एफसीआई के गोदाम तक पहुंचने का एक एक पैसा भारत सरकार देती है।

श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश में धान के पैदावार में अन्य राज्यों की तुलना में 8 वें, 9वें स्थान पर है। इसके बावजूद मोदी सरकार छत्तीसगढ़ से पंजाब और तेलंगाना के बाद सर्वाधिक धान सेंट्रल पूल में ले रही है, यह बताता है कि केंद्र की मोदी जी छत्तीसगढ़ के किसानों के प्रति कितना ध्यान रखते हैं। इसके बावजूद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल उनके खिलाफ बोलने, उन्हें बदनाम करने की बार बार कोशिश करते हैं।

इन दिनों

फिर सक्रिय हैं एंटी इंडिया लॉबी

भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में हिन्द का डंका बज रहा है। चंद्रयान चांद के साउथ पोल पर पहुंच गया। लेकिन एंटी इंडिया लॉबी और मोदी सरकार से घृणा करने वाले लोग फिर बेचैन हो उठे हैं। भारत के माथे पर चिंता की लकीरें खींचने वाली एक खबर सामने आई। खबर ये है कि हिन्दुस्तान के फाइनेंशियल सेक्टर पर दूसरा सर्जिकल स्ट्राइक होने वाला है। हिंडनबर्ग जैसी फिर कोई रिपोर्ट आने वाली है, जिससे स्टॉक मार्केट से लेकर कॉरपोरेट हाहाकार मच सकता है। ये रिपोर्ट कहां से आ रही है और कौन इसे ला रहा है तफ्सील से आपको इस रिपोर्ट में बताएंगे। एक नाम जो पिछले कुछ समय पहले चर्चा में खूब रहा, वो नाम जॉर्ज सोरोस का है। आपमें से कई लोगों ने तो इनका नाम इससे पहले तक ज्यादा नहीं सुना होगा। ये अमेरिका के ऐसे बिजनेसमैन हैं जो पारंपरिक रूप से मोदी सरकार के विरोधी हैं। यानी उनका काम मोदी का विरोध करना है। अब खबर है कि भारत के खिलाफ ये साजिश 82 साल के बूढ़े जॉर्ज सोरोस द्वारा रचा जा रहा है। लोकसभा चुनाव में अब कुछ ही महीने शेष रह गए हैं। वहीं जी20 समिट और विदेशी मेहमानों के आगमन में करीब हफ्ते भर का समय शेष है। ऐसे में अब जॉर्ज सोरोस द्वारा समर्थित समूह एक और रिपोर्ट जारी करने की योजना बना रहा है जिसे %हिंडनबर्ग 2.0% कहा जा रहा है। आर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी-संगठित अपराध और भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट) देश के कुछ औद्योगिक घरानों के बारे में 'कुछ खुलासा' कर सकता है। इस संगठन को जॉर्ज सोरोस और रॉकफेलर ब्रदर्स फंड जैसी इकाइयां वित्तपोषित करती हैं। मामले की जानकारी रखने वाले तीन सूत्रों ने कहा कि स्वयं को एक खोजी रिपोर्टिंग मंच कहने वाला ओसीसीआरपी औद्योगिक घराने के बारे में रिपोर्ट या लेखों की एक श्रृंखला प्रकाशित कर सकता है। इसका गठन यूरोप, अफ्रीका, एशिया और लातिनी अमेरिका में फैले 24 गैर-लाभकारी जांच केंद्रों ने किया है। हिंडनबर्ग रिसर्च की इस साल 24 जनवरी की रिपोर्ट में अडाणी समूह पर ऑडिट में धोखाधड़ी, शेयर मूल्य में गड़बड़ी करने और कर चोरों के पनाहगाह क्षेत्रों के अनुचित उपयोग का आरोप लगाया गया था। इससे समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। हालांकि अडाणी समूह ने सभी आरोपों को आधारहीन बताते हुए उसे सिरे से खारिज कर दिया था। सेबी 29 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट को अपनी रिपोर्ट सौंप दे। मई में सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त छह सदस्यीय विशेष समिति ने कहा था कि अडानी ग्रुप के शेयरों पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट के जारी होने से संदिग्ध ट्रेडिंग हुई थी।

नूंह में कड़ी सुरक्षा, साधु-संतों ने किया जलाभिषेक

चंडीगढ़। 'सर्व जातीय हिंदू महापंचायत' के 'शोभा यात्रा' के आह्वान के मद्देनजर किले में तब्दील नूंह के जिला प्रशासन ने कुछ साधु-संतों और हिंदू संगठनों के नेताओं को हरियाणा के इस जिले के नल्हड़ इलाके में स्थित शिव मंदिर में पूजा करने की अनुमति दे दी। इस समूह में विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार भी शामिल थे। हम आपको यह भी बता दें कि प्रशासन ने 31 जुलाई को हुई सांप्रदायिक हिंसा के मद्देनजर आज यात्रा की अनुमति नहीं दी थी, लेकिन स्थानीय लोगों को श्रावण महीने के आखिरी सोमवार को अपने पास के मंदिरों में पूजा-अर्चना करने की अनुमति दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यात्रा के आह्वान के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं और नूंह आ रहे कुछ साधु-संतों को गुरुग्राम में रोक दिया गया। अधिकारियों

के अनुसार, अयोध्या के हिंदू संत जगदुरु परमहंस आचार्य के वाहन को सोहना के पास गमरोज टोल प्लाजा पर रोक दिया गया। आचार्य ने संवाददाताओं से कहा कि वह और उनके अनुयायी नल्हड़ मंदिर में जलाभिषेक के लिए सरयू नदी का जल और अयोध्या की मिट्टी ले जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके विरोध में वह टोल प्लाजा के पास भूख हड़ताल पर बैठ गए। वहीं, विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने नूंह में जाने से रोके जाने पर एतराज जताते हुए कहा कि हमें हमारे धार्मिक कार्यों के पालन से नहीं रोका जा सकता। आखिरकार बाद में सभी प्रमुख लोगों को मंदिर जाकर जलाभिषेक करने की अनुमति दी गयी।

दूसरी ओर, नूंह के उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि लगभग 15 साधु-संतों और कुछ हिंदूवादी संगठनों के नेताओं को नल्हड़ स्थित शिव मंदिर जाने की अनुमति दी गई है और वे वहां 'जलाभिषेक' करेंगे। महामंडलेश्वर स्वामी धर्म देव और स्वामी परमानंद उस समूह में शामिल हैं, जिन्हें मंदिर में जाने की अनुमति दी गई। नल्हड़ मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद यह समूह कुछ स्थानीय लोगों के साथ फिरोजपुर झिरका के झिर मंदिर के लिए रवाना हुआ। इस बीच, बजरंग दल के गुरुग्राम जिला संयोजक प्रवीण हिंदुस्तानी ने बताया कि सीमित संख्या में लोगों ने 'यात्रा' में हिस्सा लिया और वे अब कड़ी सुरक्षा के बीच बस से झिर मंदिर के लिए रवाना हो गए हैं।

नूंह में एडीजी कानून व्यवस्था ममता सिंह ने कहा कि इलाके में स्थिति सामान्य है, शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए इलाके में बल की तैनाती की गई है। उन्होंने कहा कि इलाके में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं और इलाके में सब कुछ सामान्य होने पर हम सभी प्रतिबंध हटा देंगे। हम आपको यह भी बता दें कि सोहना से नूंह तक का इलाका पूरी तरह सुनसान रहा। इस पूरे इलाके में एक भी दुकान नहीं खुली थी और सड़कों पर स्थानीय लोग नजर नहीं आए। नूंह में रहने वाले 30 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपना नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा, ''यहां कोई समस्या नहीं है। लोग यहां शांति से रहते हैं और हमने एहतियात के तौर पर अपनी दुकानें बंद कर दी हैं।

भारत का पहला सूर्य मिशन, आदित्य- एल-1, 2 सितंबर को होगा लॉन्च

अंतरिक्ष एजेंसी ने नागरिकों को श्रीहरिकोटा में लॉन्च व्यू गैलरी से लॉन्च देखने के लिए भी आमंत्रित किया। इसरो ने कहा कि सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली अंतरिक्ष-आधारित भारतीय वेधशाला, आदित्य-एल 1 का प्रक्षेपण 2 सितंबर, 2023 को 11: 50 बजे आईएसटी श्रीहरिकोटा से निर्धारित है।

प्रमुख समाचार

दावाः दिसंबर में लोकसभा चुनाव करा सकती है बीजेपी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी इस साल दिसंबर में 2024 का लोकसभा चुनाव करा सकती है, उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी ने चुनाव प्रचार के लिए सभी हेलीकॉप्टर बुक कर लिए हैं।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने यह भी चेतावनी दी कि भाजपा के लिए तीसरा कार्यकाल यह सुनिश्चित करेगा कि देश को निरंकुश शासन का सामना करना पड़े। उन्होंने कहा, अगर बीजेपी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटती है, तो देश को निरंकुश शासन का सामना करना पड़ेगा। मुझे आशंका है कि वे (बीजेपी) दिसंबर 2023 में ही लोकसभा चुनाव करा सकते हैं। टीएमसी युवा विंग की रैली में बोलते हुए ममता ने कहा कि भगवा पार्टी ने पहले ही हमारे देश को समुदायों के बीच दुश्मनी के देश में बदल दिया है। अगर वे सत्ता में लौटते हैं, तो यह हमारे देश को नफरत का देश बना देगा। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने दावा किया कि भगवा पार्टी ने लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए पहले से ही सभी हेलीकॉप्टर बुक कर लिए हैं, ताकि कोई अन्य राजनीतिक दल प्रचार के लिए उनका उपयोग न कर सके।

बढ़ी तेजस्वी यादव की मुश्किलें, कोर्ट ने जारी किया समन

अहमदाबाद। मेट्रोपोलिटन अदालत ने सोमवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को समन जारी कर 22 सितंबर को उनकी कथित टिप्पणी पर दायर आपराधिक मानहानि मामले में उनकी उपस्थिति की मांग की। तेजस्वी ने कहा था, वर्तमान

स्थिति में केवल गुजराती ही ठग हो सकते हैं। राजद नेता के खिलाफ आपराधिक मानहानि के लिए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 499 और 500 के तहत मामला दर्ज किया गया था। अतिरिक्त मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट डीजे परमार की अदालत ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 202 के तहत जांच करने के बाद यादव को तलब किया और उन्हें समन करने के लिए पर्याप्त आधार पाया। यह शिकायत अहमदाबाद स्थित 69 वर्षीय सामाजिक कार्यकर्ता और व्यवसायी हरेश मेहता ने दर्ज की थी। मेहता ने इस साल 21 मार्च को बिहार के पटना में मीडिया को दिए गए यादव के बयान के सबूतों के साथ अदालत में अपनी शिकायत दर्ज कराई। मार्च में तेजस्वी यादव ने कहा था कि देश में हालात ऐसे हैं कि मौजूदा हालात में कोई गुजराती ही ठग हो सकता है।

असंतोष की आवाज कुचलने में माहिर है भाजपाःजयंत चौधरी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने की चर्चाओं को अटकल बताकर खारिज करते हुए पार्टी अध्यक्ष जयंत चौधरी ने सोमवार को कहा कि कई राजनीतिक दल भाजपा के साथ

हाथ मिलाने में सहज नहीं महसूस कर रहे क्योंकि वह असंतोष की आवाज को कुचलने में बहुत माहिर है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में शामिल रालोद के नेता जयंत चौधरी ने कहा कि उन्हें 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले अपनी सोच बदलने की कोई वजह नहीं नजर आती। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) की मुंबई में होने वाली अहम बैठक से पहले 'पीटीआई-भाषा' को दिये साक्षात्कार में रालोद नेता ने कहा कि आगे कांग्रेस की भूमिका बड़ी रहने वाली है क्योंकि यह जाना-पहचाना नाम है और देश में बड़ी संख्या में लोग लंबे समय से उसे वोट देते रहे हैं। उन्होंने कहा, ''कई राज्यों में क्षेत्रीय दल जमीन पर अधिक प्रभावी हैं, संभवतः उन्हें अधिक तवज्जो दी जानी चाहिए।

दत्तपुकुर विस्फोट को लेकर एनआईएजांच की मांग

नईदिल्ली। पश्चिम बंगाल के दत्तपुकुर में एक विस्फोट में सात लोगों की मौत के एक दिन बाद, भाजपा ने इस घटना की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से कराने की मांग करते हुए तर्क दिया है कि यह एक शक्तिशाली आरडीएक्स था जो

घटनास्थल पर विस्फोट हुआ था। पश्चिम बंगाल के एलओपी और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि उन्होंने कोलकाता उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका भी दायर की है, और कहा कि इसे कल सूचीबद्ध किया जा सकता है। साफ तौर पर कहा, यह आरडीएक्स था और यह एक शक्तिशाली विस्फोट था...मैंने पहले ही कोलकाता उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की है। मेरी दलील अदालत ने स्वीकार कर ली है और उम्मीद है कि इसे कल सूचीबद्ध किया जाएगा। यह बहुत बड़ा विस्फोट है...स्थिति इससे भी बदतर है...एनआईए को इस मामले की जांच करनी चाहिए। वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में अवैध पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोटों के लिए गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त कुछ लोगों को जिम्मेदार ठहराया।

प्रज्ञान रोवर के रास्ते में आया चार मीटर व्यास का गड्ढा

बेंगलुरू। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को कहा कि चंद्रयान-3 का प्रज्ञान रोवर चंद्रमा की सतह पर अपने स्थान से 3 मीटर आगे स्थित 4 मीटर व्यास वाले गड्ढे में आ गया। अंतरिक्ष एजेंसी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर तस्वीरें

साझा करते हुए कहा, 27 अगस्त, 2023 को रोवर को अपने स्थान से 3 मीटर आगे स्थित 4 मीटर व्यास वाला गड्ढा मिला। रोवर को पथ पर वापस लौटने का आदेश दिया गया। यह अब सुरक्षित रूप से एक नए रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। इसरो ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए 23 अगस्त (बुधवार) को चंद्रमा के सुदूर हिस्से पर चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक उतारा और यह उपलब्धि हासिल करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया। इसरो ने शनिवार को चंद्रयान-3 के प्रज्ञान रोवर का चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 के लैंडिंग बिंदु शिव शक्ति प्वाइंट के आसपास घूमते हुए एक नया वीडियो जारी किया था। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर दृश्य जारी करते हुए, भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा, चंद्रयान -3 मिशनः यहां नया क्या है? प्रज्ञान रोवर दक्षिणी ध्रुव पर चंद्र रहस्यों की खोज में शिव शक्ति प्वाइंट के आसपास घूमता हुआ।

जी20 में हिस्सा लेने वाले नेताओं की जीवनसंगिनियों के लिए खास तैयारी

जी20 शिखर सम्मेलन में विभिन्न देशों के नेता, उनके साथ अधिकारी तो आएंगे ही। उनके साथ नेताओं के जीवनसाथी भी साथ में होंगी। समिट का जिस समय आयोजन किया जाएगा उस दौरान ही इन नेताओं की पत्नियां भी दिल्ली स्थित कई जगहों का दौरा करेंगी। नेताओं की पत्नी या साथियों का जब या जहां भी दिल्ली में दौरा होगा तो उसे लेकर भी खास व्यवस्था की गई है।

दरअसल दिल्ली में आठ से 11 सितंबर तक के दौरान वीआईपी मूवमेंट होने काफी अधिक होगा। इस अधिक मूवमेंट को देखते हुए सड़कों पर वीआईपी रूट को लागू किया जाएगा। हालांकि आम जनता को वीआईपी रूट के कारण काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। माना जा रहा है कि समिट के दौरान

घूमने या शॉपिंग करने के लिए मेहमानों की पत्नियां सेंट्रल दिल्ली के कुछ इलाकों में घूमने जा सकती हैं। इस दौरान ट्राफिक को डायवर्ट किया जा सकता है जिससे आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि जनता को परेशानी ना हो इसके लिए ट्रैफिक पुलिस अलग से एडवाइजरी भी जारी करेगी। जानकारी के मुताबिक समिट के लिए आठ सितंबर से ही वीआईपी मेहमानों का आमगन शुरू हो जाएगा। राष्ट्राध्यक्षों समेत कई वीआईपी मेहमान दिल्ली पहुंचने लगेंगे। इसके बाद अगले दिन यानी नौ तारिख को प्रगति मैदान में समिट की शुरुआत की जाएगी। इस दौरान ही दोपहर में लीडर्स की पत्नियां मार्केट जाएंगे। माना जा रहा है कि वो पूसा इंस्टिट्यूट भी जाएंगी जहां उन्हें भारत में उगने वाले कुछ खास अनाज, मिलेट्स और अन्नों के संबंध में जानकारी दी जाएगी।

इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम और लंच भी आयोजित किया जाएगा। इसके बाद वीआईपी नेताओं की पत्नियों को इंडिया गेट स्थित जयपुर हाउस स्थित नैशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट में ले जाया जाएगा। यहां उनका गैलरी देखने का प्रोग्राम है। इसके बाद वो हैंडीक्राफ्ट की शॉपिंग करेंगी। शॉपिंग के बाद उनका सीधे होटल जाने का कार्यक्रम है। इसके बाद प्रगति मैदान में रात में राष्ट्राध्यक्षों के साथ होने वाले ग्रैंड डिनर के लिए वो भी आएंगी।

राजघाट भी जाएंगी

नौ सितंबर को मार्केट घूमने के बाद अगले दिन 10 सितंबर की सुबह सभी वीआईपी गेस्ट यानी राष्ट्राध्यक्षों के कार्यक्रम के बाद उनकी पत्नियां महात्मा गांधी की समाधी पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। इसके लिए वो राजघाट जाएंगी। इस दौरान भी उनके लिए वीआईपी रूट को तैयार किया जाएगा। राजघाट पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद वो होटल लौटेंगी। इसके बाद सभी अपने देश लौट जाएंगें। संभावना है कि 10 सितंबर की रात तक अधिकतर वीवीआईपी गेस्ट अपने देश लौट जाएंगे।

पर्यटक पुलिस भी होगी तैनात

जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रतिनिधियों और अन्य आगंतुकों की मदद के लिए प्रमुख पर्यटन केंद्रों, हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशन और आईएसबीटी पर विशेष रूप से सुसंस्कृत व्यवहार में प्रशिक्षित लगभग 400 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। हर टीम में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस का एक कमांडो, एक गनमैन और एक चालक के साथ प्रभारी के रूप में परिवीक्षाधीन उप-निरीक्षक होंगे।

पुतिन से मोदी की फोन पर हुई बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से टेलीफोन पर बातचीत की। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा कि वह नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत नहीं आ सकेंगे। पुतिन ने कहा कि 9 और 10 सितंबर को होने वाले शिखर सम्मेलन में रूस का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव करेंगे। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के कई मुद्दों पर प्रगति की समीक्षा की और जोहान्सबर्ग में हाल ही में संपन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन सहित वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

पुलिस मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर राइफल और अन्य सामग्री बरामद

गरियाबंद। गरियाबंद में पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर हो गया। पुलिस ने मौके से दो राइफल और भारी मात्रा में नक्सली समाग्री बरामद की है। बताया जा रहा है कि पुलिस कप्तान अमित तुकाराम काम्बले को बोरई थाना क्षेत्र के ईकावरी जंगल क्षेत्र में माओवादियों के होने की सूचना मिली थी। मुखबिर की सूचना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डीसी पटेल के मार्गदर्शन और अनुविभागीय अधिकारी मैनपुर अनुज कुमार के पर्यवेक्षण पर पुलिस जंगल क्षेत्र में रवाना हुई थी।

जानकारी के अनुसार, मैनपुर नुआपाड़ा संयुक्त डिवीजन कमेटी कमांड इन चीफ डीवीसीएम सत्यम गावड़े के साथ सीता नदी एरिया कमेटी के 30-35 सशस्त्र माओवादियों की स्थानीय आसूचना प्राप्त हुई थी। माओवादी पहले से ही घात लगाकर जंगल पर बैठे थे। पुलिस टीम को देखकर माओवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद नकस्ली घने जंगल की ओर भाग गये। पुलिस सर्चिंग टीम द्वारा घटनास्थल का सर्च करने पर एक वर्दीधारी नक्सली, एक राइफल, एक बीजीएल हथियार के साथ अन्य नक्सली समाग्री बरामद हुई।

वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि बोरई थाना क्षेत्र के ईकावरी और कारीपानी गांव के बीच स्थित जंगल क्षेत्र में शनिवार शाम को मैनपुर नुआपाड़ा संयुक्त डिवीजन कमेटी कमांड इन चीफ डीवीसीएम सत्यम गावड़े के नेतृत्व में सशस्त्र और माओवादी कैडरों के 30-35 का एक समूह देखा गया था। माओवादियों की संभावित गतिविधियों को देखते हुए जिला गरियाबंद से ई-30 जिला चल एवं डीआरजी धमतरी की संयुक्त पार्टी रविवार को अभियान चलाकर सफलता प्राप्त की है।

भोजराज नाग को मार भगाओ, नक्सलियों ने लगाए बैनर, क्षेत्र में खौफ का माहौल

कांकेर। कापसी बाजार में नक्सलियों ने पूर्व विधायक भोजराज नाग के नाम बैनर-पोस्टर पर्चे लगाए हैं। पर्चे में लिखा है कि धर्म की राजनीति कर समाज को बांट रहे हैं, जनता से अपील है कि इनके बहकावे में नहीं फंसे। प्रदेश संयोजक भोजराज नाग को मार भगाओ। वहीं, बाजार में ऐसे पर्चे से खौफ का माहौल है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी अंतागढ़ के पूर्व भाजपा विधायक व जनजाति सुरक्षा मंच के प्रदेश संयोजक भोजराज नाग को नक्सलियों ने पर्चा जारी कर जान से मारने की धमकी दी थी। धर्मांतरण के विरोध में भोजराज नाग के आंदोलन को नक्सलियों ने गलत बताया है। धर्मांतरण के नाम पर आपस में लड़ाने और क्षेत्र में दंगे भड़काने का आरोप नक्सलियों ने लगाया था। नक्सलियों ने पर्चे में भोजराज नाग को आरएसएस का एजेंट बताया था।

भोजराज नाग ने कांकेर एसपी को आवेदन भी दिया हैस जिसमें उन्होंने कहा है कि सरकार ने हमारी सुरक्षा कैटेगरी घटा दी है। पहले ॅ कैटेगरी थी और अब ङ्घ है। हम जो काम कर रहे हैं, वहां ईश्वर का काम है। धर्मांतरण की लड़ाई लड़ना हमारा काम है, हम जिस जाति समुदाय से आते हैं, वहां प्रकृति का समुदाय है।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का मंत्री मोहन मरकाम ने किया शुभारंभ

■ गेड़ी दौड़ में मंत्री रहे अव्वल, अफसर रह गए पीछे

कोंडागांव। कोंडागांव में रविवार को मंत्री मोहन मरकाम ने जिला स्तरीय तीन दिवसीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक 2023-24 का जिला मुख्यालय के विकास नगर स्टेडियम मैदान में शुभारंभ किया। इस अवसर पर खेल अधिकारी सहित जिले के प्रतिभावान बच्चे, अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में प्रतिभागी खिलाड़ियों ने भाग लिया।

छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना के साथ छात्र-छात्राओं के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया। इसके बाद जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी-कर्मचारियों के महिला वर्ग के मध्य रस्सा खींच का आयोजन किया गया। जिसकी शुरुआत छत्तीसगढ़ शासन आदिम जाति अनुसूचित जाति विकास मंत्री मोहन मरकाम के द्वारा सीटी बजाकर की गई। मैच में जनप्रतिनिधि महिला वर्ग विजेता रहीं।

पुरुष वर्ग जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी के मध्य गेड़ी दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें कैबिनेट मंत्री मोहन मरकाम प्रथम स्थान पर रहे। वहीं, द्वितीय स्थान पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रेम प्रकाश शर्मा रहे। इस अवसर पर

कैबिनेट मंत्री मोहन मरकाम ने विजेता सभी खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार देने की घोषणा की।

उद्घाटन अवसर पर कस्तूरबा आवासीय विद्यालय कोंडागांव, आत्मानंद हिंदी मीडियम विद्यालय तहसीलपारा के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जो काफी रोचक रहा। जिसे देखकर मंत्री मरकाम ने स्वागत गीत में प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम में कस्तूरबा आवासीय विद्यालय कोंडागांव एवं स्वामी आत्मानंद हिंदी मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल तहसील पारा को नगद पुरस्कार के माध्यम से सम्मानित किया।

कांग्रेस विधायक के खिलाफ पार्टी नेताओं ने खोला मोर्चा, बाहरी होने का आरोप

■ जिलाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

गौरेला पेंड्रा मरवाही। कांग्रेस पार्टी से खुद को मरवाही विधानसभा उमीदवार बतलाने वाले दर्जन भर नेताओं ने वर्तमान मरवाही विधायक के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया है और जिला अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपते हुए कहा गया है कि तत्कालीन विधायक को हटाए जाने का ज्ञापन सौपा है। जिलाध्यक्ष ने भी ज्ञापन को कांग्रेस फोरम तक पहुंचाने की बात कही है। विधायक ने मामले में कहा है कि विधायक तो एक होता है बाकी तो साथ मे रहते हैं असन्तोष किस बात का है वो तो वहीं बतला सकते हैं।

मरवाही विधानसभा में वर्तमान विधायक डॉ. केके धुव्र के खिलाफ स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने मोर्चा खोल दिया है। आज मरवाही विधानसभा कांग्रेस के दर्जनभर दावेदार जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर जिला अध्यक्ष उत्तम वासुदेव को ज्ञापन सौंपा है। जिसमे मरवाही विधानसभा में तत्कालीन कांग्रेस प्रत्याशी डॉ.

के.के. ध्रुव को हटाये जाने बावत शेष समस्त दावेदारों की ओर से निवेदन पत्र सौपा गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि विधायक डॉ. केके ध्रुव स्थानीय न होकर बलौदाबाजार के रहने वाले हैं जिनका मरवाही विधानसभा क्षेत्र के लोगों से कोई लगाव नही है और न ही वे इस क्षेत्र का विकास करने में कोई दिलचस्पी रखते हैं।

नेताओं ने कहा कि कांग्रेस के निष्ठावान कार्यकताओं को न जानते है और न ही पहचानते हैं बल्कि सदैव ठेकेदार जैसे अवसरवादी लोगों के साथ पार्टी के कार्यक्रमों में उपस्थित रहते हैं। इनके द्वारा भारतीय जनता पार्टी समर्थक ठेकेदारों को क्षेत्र का काम दिया जाता है। और ये चंद लोगों के हाथों के कठपुलती होकर सदैव गुटबाजी में लिप्त रहते हैं। मरवाही की जनता का इन्होने एक भी काम नही किया है। क्षेत्र में जो भी काम संचालित है वह भूपेश सरकार के द्वारा किये जाने वाला जनहित का कार्य है। क्षेत्र में स्थानीय विधायक के खिलाफ कॉफी जन आक्रोश है।

नेताओं ने विधायक के खिलाफ ज्ञापन दिए जाने के मामले में जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तम वासुदेव ने कहा पार्टी है सभी को अपनी बात कहने का हक है कांग्रेस के लोगों ने उन्हें ज्ञापन सौपा है। वहीं मामले में मरवाही के वर्तमान विधायक डॉ के के धुव्र ने कहा है पार्टी के सभी लोग हैं और उन्हें अपनी अपनी मांग रखने का अधिकार है।

भाजपा कार्यकर्ताओं में दिख रहा उत्साह बहुमत से बनेगी सरकार: भबानी शंकर

कांकेर। भारतीय जनता पार्टी केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा कांकेर विधानसभा में चुनाव तैयारी हेतु संगठन की बैठक लेने आये उड़ीसा के सुंदरगढ़ जिले के तलसरा विधानसभा के विधायक भबानी शंकर भोई व भाजपा जिला महामंत्री दिलीप जायसवाल ने आज भाजपा कार्यालय कमल सदन कांकेर में प्रेस को संबोधित किया। उन्होने कहा कि मैं भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व के निर्देश पर चुनावी तैयारी देखने कांकेर विधानसभा में आया हूं। पिछले 10 दिनों से कांकेर विधानसभा के सभी पांच मण्डलों और बुथों में मैने कार्यकर्ताओं की बैठकें ली है। कांकेर विधानसभा का संगठन बहुत मजबूत है।

भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी आशाराम नेताम को कांकेर विधानसभा का भाजपा प्रत्याशी बनाये जाने से पूरे विधानसभा के कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह है। उन्होंने कहा कि मैं जहां- जहां भी बैठकें ले रहा हूं अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता बैठकों में सम्मिलित हो रहे हैं। भाजपा की विचारधारा से प्रभावित होकर सैकड़ों लोगों ने भाजपा में प्रवेश किया है जिनमे सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी से लेकर आम जनता भी शामिल है।

कांकेर विधानसभा अंतर्गत आने वाले मण्डलों में भाजपा प्रत्याशी आशाराम को आम जनता का भी भरपूर समर्थन मिल रहा है। भाजपा के कार्यकर्ता कांकेर विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी आशाराम नेताम की जीत को लेकर आश्वस्त है। चुनाव पूर्व प्रत्याशी की घोषणा से पूरे विधानसभा में भाजपा के पक्ष में माहौल बन गया है। भारतीय जनता पार्टी ने एक आम गरीब, किसान को अपना प्रत्याशी बनाया है जिससे विधानसभा के आम नागरिक, किसान, मजदूर, युवा लोग भी भाजपा प्रत्याशी आशाराम नेताम में अपने आप को प्रत्याशी के रूप में देख रहे हैं और आशाराम नेताम से अपना जुड़ाव महसूस कर आशाराम को जीत का आर्शीवाद दे रहे हैं।

भोई ने कहा कि प्रदेश की भूपेश बघेल सरकार से जनता त्रस्त है। 2018 में प्रदेश की जनता झुठे वादों के झांसे में आ गई परंतु इस बार ठगने वाली नही है। 2023 के चुनाव में जनता कांग्रेस को सबक सिखायेगी और भाजपा को पूर्ण बहुमत से राज्य की सत्ता सौंपेगी ऐसा मेरा विश्वास है। दिलीप जायसवाल ने कहा कि बस्तर का प्रवेश द्वार होने से कांकेर विधानसभा हमेशा से महत्वपूर्ण सीट रही है। चुनाव से महीनों पहले पार्टी ने प्रत्याशी की घोषणा कर संगठन को चुनाव की तैयारी का पर्याप्त समय दिया है। हम इस समय का भरपूर उपयोग करते हुए जनता के बीच जायेंगे व भाजपा के 15 साल के विकास कार्य तथा केन्द्र की गरीब कल्याणकारी योजनाओं से जनता का समर्थन प्राप्त करेंगे।

कर्जमाफी की उम्मीद में किसानों ने लिए करोड़ों रुपये

बेमेतरा। बेमेतरा छत्तीसगढ़ का कृषि प्रधान जिला है। यहां के किसान कर्ज लेने के मामले में पूरे प्रदेश में दूसरे स्थान पर हैं। राज्य सरकार अल्पकालीन कृषि ऋण शून्य प्रतिशत ब्याज पर सहकारी बैंको के माध्यम से देती है। सहकारी बैंकों द्वारा जरूरतमंद किसानों को खरीफ फसलों की बुआई, निदाई सहित अन्य कार्यों के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण दिए जाने का सिलसिला लक्ष्य पूर्ति के बाद भी जारी है।

खरीफ सीजन-2023 में अल्पकालीन कृषि ऋण लेने के मामले में बेमेतरा जिला पूरे प्रदेश में दूसरे नंबर पर है। इस जिले के 99 हजार 511 किसानों ने 438 करोड़ 70 लाख रूपये का कृषि ऋण अपने-अपने क्षेत्र के सहकारी बैंको से प्राप्त किया है। इसके आलावा इस साल कर्जमाफी की उम्मीद में लोन लेने वाले किसानों की संख्या बढ़ी है।

गौरतलब है कि 2019 में प्रदेश सरकार द्वारा लोकहित में व्यापक पैमाने पर किसानों का अल्पकालीन कृषि ऋण माफी किया गया था। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बेमेतरा जिले के अंतर्गत 81 हजार 184 किसानों का 460.41 करोड़ का ऋण माफ किया गया। इस बार भी इसी उम्मीद से किसानों ने लोन ज्यादा लिया है।

बेमेतरा जिला में इस साल धान का रकबा सबसे ज्यादा है। जानकारी अनुसार, इस वर्ष करीब एक लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि पर धान की खेती की जा रही है। दूसरी ओर किसानों को बारिश कम होने के कारण चिंता में डाल दी है। चालू बारिश सीजन के दौरान बेमेतरा जिले में एक जून से 27 अगस्त सुबह आठ बजे तक जिले में 558.9 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

जिले में अब तक सर्वाधिक वर्षा तहसील बेरला में 643.4 मिमी. और न्यूनतम 452.3 मिमी. वर्षा नादघाट तहसील में दर्ज की गई है। संयुक्त जिला कार्यालय के भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार बेमेतरा तहसील मे 560.5 मिमी. वर्षा, नवागढ़ तहसील में 455.2 मिमी. वर्षा दर्ज की गई है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

उपमुख्यमंत्री सिंहदेव होंगे विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल

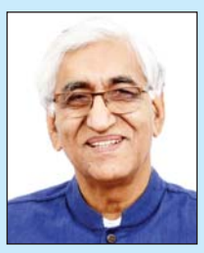

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव 29 अगस्त 2023 को विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। श्री सिंहदेव 29 अगस्त को प्रातः 10.50 बजे कार द्वारा निवास तपस्या अंबिकापुर से पीजी कॉलेज ग्राउंड के लिए प्रस्थान करेंगे। वे प्रातः 11 बजे हेलिकॉप्टर द्वारा पीजी कॉलेज ग्राउंड अम्बिकापुर से कोटा बिलासपुर के लिये प्रस्थान करेंगे। प्रातः 11.45 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण व स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के पश्चात दोपहर 1:30 बजे कोटा से अम्बिकापुर के लिए प्रस्थान करेंगे। श्री सिंहदेव दोपहर 4.00 बजे से नगर पालिका निगम अंबिकापुर के वार्ड क्रमांक-01 भगवानपुर व आदिवासी पारा में तथा वार्ड क्रमांक 11 पटपरिया, हनुमान मन्दिर के पास जनचौपाल कार्यक्रम में सम्मिलित रहेंगे।

फूड ग्रेड पेपर व खाद्य तेल का उपयोग दो से अधिक बार न करें

बेमेतरा। खाद्य एवं औषधि प्रशासन बेमेतरा की टीम द्वारा रक्षाबंधन की त्यौहारी सीजन देखते हुए हुए विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों जैसे किराना स्टोर्स से पोहा, मिठाई दुकान से पेठा, पेड़ा, सोन पापड़ी, पेड़ा, समोसा मसाला, ढाबा से वेज ग्रेवी, सुपर बाजार से मैदा इत्यादि का गुणवत्ता जांच हेतु नमूना लिया जाकर खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। साथ ही खाद्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खाद्य कारोबारकर्ताओ को प्रतिष्ठान में साफ सफाई रखने व किसी भी तरह से अमानक खाद्य पदार्थ/मिठाईयों का विक्रय नही करने तथा मिठाईयों, लड्डु में फूड कलर जैसे बुश रंग 999 या एफएसएसआई से परमिटेड खाद्य रंग का उपयोग कर मिठाई बनाने संबंधी निर्देश दिया जा रहा है। इसी प्रकार न्यूजपेपर या अन्य प्रिंटिंग स्याही लगे पेपर का इस्तेमाल खाद्य सामग्री जैसे समोसा, बड़ा, भजिया व मिठाई आदि में लपेटकर प्रदाय न करने तथा इसके बदले फूड ग्रेड पेपर का उपयोग करने व खाद्य तेल का उपयोग दो से अधिक बार नहीं करने संबंधी आवश्यक निर्देश दिया जा रहा है।

चंदूलाल चंद्राकर चिकित्सा महाविद्यालय में आग से सुरक्षा पर व्याख्यान व प्रशिक्षण

दुर्ग। चंदूलाल चंद्राकर चिकित्सा महाविद्यालय व सम्बद्ध अस्पताल न सिर्फ़ रोगियों को उत्कृष्ट चिकित्सा प्रदान कर रहा है बल्कि यहाँ पदस्थ चिकित्सा शिक्षकों और कर्मचारियों की भी सुरक्षा के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। इसी क्रम में विगत दिनों आग से सुरक्षा पर एक विशेष व्याख्यान कर प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया जिसमें अग्नि शमन के ज़िला कमॉनडेंट नागेंद्र सिंह ने आग और उसके प्रकार, आग लगने के विभिन्न कारणों व उन्हें बुझाने के लिए प्रयुक्त होने वाले यंत्रो का विस्तृत वर्णन किया और उनके प्रयोग का प्रदर्शन भी किया, तत्पश्चात अस्पताल के कर्मचारियों को भी इनका स्वयं प्रयोग करने का अभ्यास करवाया जो कि कर्मचारियों के लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा। इस महत्वपूर्ण जानकारी व ट्रेनिंग के लिए अस्पताल अधीक्षक एवं कर्मचारियों ने अग्नि शमन विभाग व उनके जवानो का आभार व्यक्त किया।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम पुलिस द्वारा एमपी-सीजी बॉर्डर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन कर ग्रामीणों के साथ दोस्ती बढ़ा रही है। दरअसल सामुदायिक पुलिसिंग के तहत जिला खैरागढ़, थाना साल्हेवारा के सुदूर वनांचल, अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र ग्राम बासभीरा में ग्राम खेल समिति, कबीरधाम और खैरागढ़ पुलिस की संयुक्त तत्वाधान में कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। ग्राम खेल समिति और ग्रामीणों के आमंत्रण पर कबीरधाम पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव कबड्डी प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर शामिल हुए। पुलिस अधीक्षक के गांव पहुंचने पर हजारों की संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने कलश यात्रा, राउत नाचा और पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। कबड्डी प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश की सीमा के नक्सल प्रभावित गांवों के लगभग 55 टीमों ने पंजीयन कराया है। एसपी अभिषेक पल्लव ने ग्रामीणों से कहा कि बच्चों को अच्छे से पढ़ा लिखाकर डॉक्टर, पुलिस, इंजीनियर, शिक्षक सहित अधिकारी बनने के लिए प्रेरित करें।

सब जूनियर वर्ग में अभय कोसा ने जीता खिताब

भिलाई। भिलाई में 29वीं इंडियन नेशनल बेंच प्रेस एंड डेडलिफ्ट चैंपियनशिप 2023 का आयोजन किया गया जिसमे सब जूनियर टीन्स, जूनियर, सीनियर और मास्टर चार कैटेगरी में देश भर से आए महिला और पुरुष खिलाडियों ने भाग लिया। सब जूनियर वर्ग में राजनांदगांव के अभय कोसा ने सुपर टीन बॉय ऑफ इंडिया 2023 बेंच प्रेस का खिताब जीतकर छत्तीसगढ़ को पहले स्थान पर लाया। गोवा को दूसरा और कर्नाटक को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी और अंतर्राष्ट्रीय मेडलिस्ट खिलाड़ी उत्तम कुमार साहू ने बताया कि यह प्रतियोगिता नेशनल पावर फेडरेशन की ओर से आयोजित की थी जिसमें छत्तीसगढ़ पावर लिफ्टर एसोसिएशन और भिलाई पावर लिफ्टर एसोसिएशन की ओर से बेंच प्रेस और डेडलिफ्ट की राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन 25 से 27 अगस्त 2023 तक भिलाई सेक्टर 6 के कालीबाड़ी में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में देश के अलग-अलग राज्यों से लगभग 400 खिलाडियों ने भाग लिया।

सामरी विधायक चिंतामणी महाराज का विरोध

अंबिकापुर। बलरामपुर जिले के राजपुर में डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव के भेंट मुलाकात कार्यक्रम में सामरी क्षेत्र के कांग्रेस ब्लाक कमेटियों के अध्यक्ष, पदाधिकारियों के साथ ही जिला पदाधिकारियों ने सामरी विधायक चिंतामणी महाराज पर जमकर भड़ास निकाली। संसदीय सचिव चिंतामणि महाराज से संगठन की दूरी पहले ही सार्वजनिक थी। टीएस सिंहदेव ने पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की सुनने के बाद अपने भाषण में स्पष्ट किया कि वे सामरी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को यह भरोसा नहीं दे सकते कि सबकुछ बेहतर होगा। इसी मंच पर उन्होंने रामानुजगंज विधायक बृहस्पति सिंह पर भी जमकर हमला बोला था।

टीएस सिंहदेव के समक्ष बलरामपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व पदाधिकारियों सहित सामरी विधानसभा क्षेत्र के राजपुर, शंकरगढ़, कुसमी व चांदो ब्लाक अध्यक्षों सहित पदाधिकारियों ने भड़ास निकालते हुए कहा कि सामरी विधायक चिंतामणी महाराज ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को ही प्रताड़ित किया। कार्यकर्ताओं ने यहां तक कहा कि हम टीएस सिंहदेव के समर्थक थे, इसलिए हमारा कामकाज रोक दिया गया। अपने लोगों को परेशान किया गया। जेल भेजने की धमकी दी गई। आजीविका पर चोट पहुंचाया गया। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने तो चिंतामणि महाराज को गले की हड्डी की संज्ञा देते हुए इस बार बाहर निकालने तक के लिए कह दिया। डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने स्पष्ट कर दिया कि अब वे इस स्थिति में नहीं हैं कि सामरी क्षेत्र के लोगों को भरोसा दिला सकें कि वे सब कुछ बेहतर होगा।

चिंतामणी महाराज को लेकर डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने सार्वजनिक तौर पर स्पष्ट किया कि वर्ष 2013 से कांग्रेस के लोगों के कहने पर वे चिंतामणी महाराज को साथ लेकर आए थे। उन्हें लुंड्रा से टिकट दी गई और वे विधायक बनें। वर्ष 2018 में लुंड्रा के लोगों ने उनका विरोध कर दिया। हम लुंड्रा सीट हार जाते इसलिए सामरी के विधायक डा. प्रीतम राम को लुंड्रा एवं चिंतामणी महाराज को सामरी से टिकट दिया गया। पार्टी संगठन इससे सहमत नहीं था। दोनों विधायकों का पिछला आंकड़ा बेहतर था। पिछले चुनाव में वे भारी मतों से जीते थे। मैंने अपने लोगों को समझाया और जवाबदारी ली थी कि उनका काम होगा। कार्यकर्ताओं ने मेहनत कर चुनाव भी जिताया, लेकिन सामरी में कार्यकर्ताओं को इतनी परेशानी उठानी पड़ेगी इसका अंदाजा नहीं था। इस बार मैं इस स्थिति में नहीं हूं कि कार्यकर्ताओं को भरोसा दिला सकूं। डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के सत्तासीन होने के बाद जब राजनीतिक परिस्थितियां बदलीं तो लोगों के व्यवहार में भी बदलाव नजर आया। हालांकि उन्होंने कभी मेरे खिलाफ सार्वजनिक मंच पर कोई टिप्पणी नहीं की। उनके लिए मेरे मन में कोई दुराव नहीं है। उन्होंने कहा कि मेरी ओर से दोनों दरवाजे खुले थे लेकिन एक दरवाजा चिंतामणि महाराज ने खुद बंद कर लिया था। बीच में तो दुआ सलाम होना भी बंद हो गया था। वे मुझसे दूरी बनाकर रखना चाहते थे लेकिन आजकल स्थिति थोड़ी बदली है। अब फिर से दुआ सलाम का दौर शुरू हुआ है।

वेस्ट जोन कराते चैंपियनशिप गोवा में महासमुंद जिले को मिला 2 पदक

महासमुंद। तीसरा वेस्ट जोन कराते चैंपियनशिप 2023 का आयोजन ट्रेडिशनल कराते एसोसिएशन गोवा के द्वारा मटगांव गोवा में 25 से 27 अगस्त 2023 को किया गया। प्रदेश की टीम में महासमुंद जिले से सब जूनियर वर्ग में 7 खिलाड़ी एवं 1 कोच, 1 निर्णायक शामिल हुए। जिसमें श्रृष्टि साहू, अक्षदा चंद्राकर, सात्विका वर्मा, अदिति साहू, अभ्युदय मानिकपुरी, तन्मय शर्मा एवं कृष्णा पटेल शामिल हुए। कोच प्रवीण मलिक एवं निर्णायक अभय दास शामिल हुए। चैंपियनशिप में महासमुंद से तन्मय शर्मा एवं अक्षदा चंद्राकर ने अच्छे प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतने में सफल रहे। खिलाडियों को अच्छे प्रदर्शन करने एवं कांस्य पदक जीतने पर जिला खेल अधिकारी मनोज धृतलहरे, जिला कराते संघ

महासमुंद अध्यक्ष प्रफुल्ल दुबे, उपाध्यक्ष संदीप चौधरी, सचिव आनंद वैष्णव, मनीष श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष, मोइन कुरैशी, विकास दास, लालू सोनवानी, सन्नी साहू, रवि किशन, मोहित कुरैशी, नरेंद्र दवे एवं पालकों ने बधाई दी।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

प्रधानमंत्री ने 51,000 नवनियुक्त कर्मियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को 'रोजगार मेला' के तहत विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में 51,000 से अधिक नवनियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से इन नवनियुक्त कर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार रोजगार मेले का यह आयोजन एक ऐसे माहौल में हो रहा है, जब देश गर्व और आत्मविश्वास से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अर्धसैनिक बलों की भर्ती प्रक्रिया में सरकार ने कई बड़े बदलाव किए हैं। मोदी ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री जनधन योजना का भी उल्लेख किया और कहा कि इसने गांव और गरीब के आर्थिक सशक्तिकरण के साथ ही रोजगार निर्माण में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। यह रोजगार मेला देशभर में 45 स्थानों पर आयोजित किया गया। रोजगार मेला के जरिए केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और दिल्ली पुलिस में कर्मियों की भर्तियां की हैं।

भाजपा के झूठ और विश्वासघात को पहचान चुके हैं युवा: खड़गे

नईदिल्ली। राष्ट्रीय रोजगार मेले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि वह ईएमआई के रूप में भर्ती पत्र बांट रहे हैं। खड़गे ने दावा किया कि मोदी द्वारा दिए गए नियुक्ति पत्रों में वे लोग भी शामिल हैं जिन्हें प्रमोशन मिल रहा है। उनकी यह टिप्पणी प्रधानमंत्री द्वारा रोजगार मेले में नवनियुक्त रंगरूटों को 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित करने से पहले आई है। खड़गे ने कहा कि सालाना 2 करोड़ नौकरियाँ देने का वादा कर, मोदी हमारे युवाओं को इस तरह के ईएमआई के रूप में कुछ हज़ार भर्ती पत्र बाँट रहे हैं। अपना हमला करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी जी, अगर आपको युवाओं के भविष्य की रत्तीभर भी चिंता होती तो आप ये पीआर स्टंट में शामिल होकर उनकी आकांक्षाओं से खिलवाड़ नहीं करते! देश के युवा भाजपा के झूठ, जुमले और विश्वासघात को पहचान चुके हैं, और वे 2024 में मोदी सरकार को बाहर का रास्ता ज़रूर दिखाएँगे।

राजनीति में कोई स्थायी दुश्मन और दोस्त नहीं होते : अजित

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने खुलासा किया है कि उनका गुट राज्य में भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना सरकार में क्यों शामिल हुआ। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राजनीति में कोई स्थायी दुश्मन और दोस्त नहीं होते हैं। बीड में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए, अजित पवार ने कहा, हम लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए महायुति (बीजेपी, शिंदे के नेतृत्व वाली सेना के साथ अजित पवार का गठबंधन) में शामिल हुए हैं। हमने राज्य के विकास के लिए यह निर्णय लिया है। पवार ने आगे कहा कि राजनीति में, कोई स्थायी दुश्मन नहीं होता और कोई स्थायी दोस्त नहीं होता। हम महाराष्ट्र में सभी को बताना चाहते हैं कि भले ही हम महायुति गठबंधन में हैं, लेकिन सभी जातियों और धर्मों के लोगों की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि हम सदैव किसानों के हित के लिए कार्य करते रहेंगे।

राज्यपाल पर भड़कीं ममता चुनी हुई सरकार से पंगा मत लो

कोलकाता। तृणमूल (टीएमसी) छात्र परिषद के स्थापना दिवस के मौके पर सोमवार को मेयो रोड पर रैली से ममता बनर्जी ने सीधे राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर निशाना साधा। उन्होंने शिक्षा को लेकर भी कड़ा संदेश दिया। साथ ही साथ चुनाव को लेकर भी बात रखी। उन्होंने कहा कि राज्यपाल संवैधानिक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, मैं इस पद का सम्मान करती हूं लेकिन उनकी असंवैधानिक गतिविधियों का समर्थन नहीं करती। ममता बनर्जी ने राज्यपाल सी वी आनंद बोस से कहा कि चुनी हुई सरकार से 'पंगा' न लें। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश नहीं है, यादवपुर विश्वविद्यालय में 'गोली मारो' का नारा लगाने वालों को गिरफ्तार किया जाएगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में कहा कि यदि लोकसभा चुनाव दिसंबर में ही करा दिए जाएं, तो हैरानी नहीं होगी।

जी20 के बहाने कांग्रेस ने साधा मोदी सरकार पर निशाना

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने रविवार को भारत की अध्यक्षता में चल रहे जी20 शिखर सम्मेलन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। अपने बयान में कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि वह (पीएम मोदी) भूल जाते हैं कि यह (जी20) एक रोटेशनल राष्ट्रपति पद है। ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि वह प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी पीएम होता और भारत अभी भी जी20 का अध्यक्ष होता। अगर वह वह सोचता है कि भारत के लोग मूर्ख हैं तो वह दुर्भाग्य से गलत है। इसी को लेकर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। केंद्रीय मंत्री राजीव चन्द्रशेखर ने कहा कि जब भी दुनिया द्वारा देश की सराहना की जाती है, जब भी देश कोई बड़ी वैश्विक उपलब्धि हासिल करता है तो हमेशा ऐसे लोग होंगे जो देश को नीचे खींचने की कोशिश करेंगे, इसे कुछ कम महत्वपूर्ण बनाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा भारत के लोगों का ध्यान आगे बढ़ने और एक विकसित राष्ट्र बनाने पर केंद्रित है और ये सभी राजनीतिक लोग, जो भारत की इस प्रगति से अप्रासंगिक हैं, लगातार कुछ न कुछ कहते रहेंगे।

भाजपा-कांग्रेस के निशाने पर केसीआर

तेलंगाना में राजनीतिक वार-पलटवार का दौर जारी

नईदिल्ली। तेलंगाना में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक वार-पलटवार का दौर भी जारी है। इसके साथ ही तेलंगाना में जबरदस्त तरीके से राजनीतिक दलों की ओर से अपनी सक्रियता दिखानी शुरू कर दी गई है। वर्तमान में देखें तो तेलंगाना दक्षिण भारत का एक महत्वपूर्ण राज्य है। 2024 चुनाव से पहले यहां का विधानसभा चुनाव एक दिशा देने वाला हो सकता है। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति जिसका नेतृत्व के चंद्रशेखर राव करते हैं, काफी मजबूत है। 2014 से लगातार दो बार उनकी पार्टी चुनाव जीत चुकी है। मजबूती से उनकी सरकार भी चल रही है। हालांकि तेलंगाना में भाजपा और कांग्रेस की ओर से भी दम लगाया जा रहा है। पिछले 2 दिनों की बात करें तो एक ओर जहां कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तेलंगाना का दौरा किया था तो वहीं अमित शाह ने भी रविवार को हुंकार भरी थी।

खड़गे ने दिया दम

हैदराबाद में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए भाजपा और केसीआर पर जमकर निशाना साधा। खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी जो वादा करते हैं, वो पूरा करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता के लिए काम करना चाहती है...लेकिन बीजेपी कहती है कि कांग्रेस ने पिछले 53 साल में कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि वो हमसे रिपोर्ट कार्ड दिखाने को कहते हैं। उन्होंने कहा कि आजकल अमित शाह जी पूछ रहे हैं कि कांग्रेस ने 53 साल में क्या किया? खड़गे ने आगे कहा कि कांग्रेस ने आजादी के बाद 562 रियासतों को देश में मिलाया। सरदार पटेल जी ने देश को एक किया। देश को संविधान अंबेडकर जी और कांग्रेस ने दिया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जैसे ही तेलंगाना में बनेगी हम एससी-एसटी डिक्लियरेशन के 12 पॉइंट को लागू करेंगे। यह हम करके दिखाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने कर्नाटक में 5 वादे किए हैं और हम उसे अमल में ला रहे हैं। कांग्रेस जो कहती है, वो करके दिखाती है।

केसीआर और भाजपा दोस्त

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि केसीआर की सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए आप लोग यहां जुटे हैं। तेलंगाना जनता की वजह से बना, कांग्रेस के नेताओं की वजह से बना... लेकिन इसका क्रेडिट एक आदमी ले रहा है। क्या तब केसीआर के पास इतनी शक्ति थी? हमने उन्हें शक्ति दी, सोनिया जी ने उन्हें शक्ति दी। उन्होंने कहा कि केसीआर और वे (भाजपा) दोस्त बन गए हैं। ये अंदरूनी दोस्ती है, इस बारे में वो खुलकर नहीं बोल सकते। खड़गे ने आगे कहा कि हम 26 पार्टियां केंद्र में पीएम मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार को हटाने के लिए तैयार हैं...लेकिन केसीआर ने कभी किसी बैठक में भाग नहीं लिया और कभी नहीं कहा कि बीजेपी को (केंद्र में) हटाने के लिए हम एक साथ आएंगे...यहां वे (बीआरएस) कहते हैं कि वे (बीआरएस) धर्मनिरपेक्ष हैं लेकिन साथ ही वे उनके (भाजपा) साथ चीजों पर चर्चा कर रहे हैं।

अमित शाह की हुंकार

अमित शाह ने परिवारवादी राजनीति को लेकर कांग्रेस, एआईएमआईएम और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर तंज कसते हुए उन्हें क्रमश: 4जी, 3जी और 2जी पार्टी करार दिया। शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के उस आरोप पर पलटवार किया जिसमें उन्होंने कहा है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गुप्त सहमति है और वे चुनाव के बाद हाथ मिलाएंगे। इसके जवाब में शाह ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य में बीआरएस के साथ गठबंधन नहीं करेगी। शाह ने कहा कि 'भ्रष्ट और दमनकारी' मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है, जिसे असदुद्दीन ओवैसी का समर्थन प्राप्त है। शाह ने कहा, ''कांग्रेस एक 4जी पार्टी है- जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा जी, राजीव जी और अब राहुल गांधी, यह चार पीढ़ियों की पार्टी है। केसीआर की पार्टी 2जी पार्टी है और ओवैसी की पार्टी 3जी पार्टी है।'' शाह ने कहा, ''ना 2जी आएगा, ना 3जी आएगा और ना ही 4जी आएगा। अब कमल की बारी है।''

केसीआर का माइंड गेम

आश्चर्य की बात है कि चुनाव से 4 महीने पहले ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव ने 115 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी। बड़ा सवाल यह है कि आखिर केसीआर ने पहले उम्मीदवारों के ऐलान से क्या संदेश देने की कोशिश की है? दावा किया जा रहा है कि केसीआर ने साफ तौर पर यह बताना चाहा है कि वे चुनाव के लिए हमेशा तैयार है। ज्यादातर पुराने उम्मीदवारों को ही टिकट दिया गया है। ऐसे में यह भी दिखाने की कोशिश की है कि उन्हें उम्मीदवारों को चुनने में कोई कंफ्यूजन नहीं है। केसीआर फिलहाल भाजपा और कांग्रेस से समान दूरी बना कर रहे हैं। वह 2024 चुनाव के लिए एक अलग गठबंधन की कवायत में भी हैं।

तेलंगाना में विधानसभा के 119 सीट हैं। उससे पहले बीआरएस ने 100 सीटों पर जीत हासिल की थी। हालांकि जिस तरीके से वर्तमान में विपक्षी दलों की तैयारी है, उससे कहीं ना कहीं तेलंगाना चुनाव भी दिलचस्प होता दिखाई दे रहा है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान के अलावा देश की नजर तेलंगाना पर भी रहेगी। देखना दिलचस्प होगा कि 2024 के लिए जनता की राय बनाने में तेलंगाना की कितनी भूमिका रहती है। यही तो प्रजातंत्र है।

नीतीश ने इंडिया अलायंस में शामिल होने के लिए अकाली दल, इनेलो से किया संपर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर विपक्षी खेमा अपने नवगठित इंडिया अलायंस को और मजबूती प्रदान करने की कवायद में जुटा है। इसी के चलते बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अकाली दल और इंडियन नेशनल लोक दल से संपर्क साधा है। सूत्रों के हवाले से बताया कि बिहार सीएम ने विपक्ष के इंडिया गठबंधन में शामिल होने के लिए पूर्व एनडीए सहयोगी शिरोमणि अकाली दल और इंडियन नेशनल लोक दल (आईएनएलडी) से संपर्क किया है। विपक्षी गुट की आगामी मुंबई बैठक में, नीतीश कुमार इन दोनों दलों को गठबंधन में शामिल करने का प्रस्ताव रख सकते हैं।

पूर्व उपप्रधानमंत्री और इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) के संस्थापक चौधरी देवीलाल की जयंती पर नीतीश कुमार, उनके डिप्टी तेजस्वी यादव और शिअद के सुखबीर बादल के हरियाणा के कैथल में एक रैली में शामिल होने की संभावना है। रविवार को, नीतीश ने कहा कि 31 अगस्त-1 सितंबर को मुंबई में होने वाली तीसरी संयुक्त बैठक के दौरान कुछ और राजनीतिक दलों के विपक्षी गुट में शामिल होने की संभावना है।

उन्होंने कहा, हम मुंबई में आगामी बैठक के दौरान अगले साल के आम चुनावों के लिए इंडिया ब्लॉक की रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। सीट-बंटवारे जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी और कई अन्य एजेंडों को अंतिम रूप दिया जाएगा। कुछ और राजनीतिक दल हमारे गठबंधन में शामिल होंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, कुमार ने कहा कि उन्हें इंडिया ब्लॉक का संयोजक बनने की कोई इच्छा नहीं है। उन्होंने सोमवार को संवाददाताओं से कहा, मैं कुछ भी नहीं बनना चाहता। मैं आपको यह बार-बार बता रहा हूं। मेरी ऐसी कोई इच्छा नहीं है। मैं बस सभी को एकजुट करना चाहता हूं।

26-पार्टी इंडिया गठबंधन का गठन 2024 के लोकसभा चुनाव में केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा का संयुक्त रूप से मुकाबला करने और मोदी के रथ को रोकने के लिए किया गया था। एक महीने से भी कम समय में गुट की दो बार बैठक हो चुकी है। आपको बता दें कि जेडीयू नेता इस साल की शुरुआत में भाजपा विरोधी दलों को एकजुट करने के लिए देशव्यापी दौरे पर निकले थे

इंडिया गठबंधन का संयोजन बनना चाहते है नीतीश कुमार?

2024 की महत्वपूर्ण चुनावी लड़ाई के लिए मंच तैयार किया जा रहा है और विपक्षी दल भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को हराने के लिए एकजुट मोर्चा बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसी रणनीति के तहत, विपक्ष का इंडिया ब्लॉक 31 अगस्त से 1 सितंबर तक मुंबई में अपनी तीसरी बैठक करेगा, जहां कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने की संभावना है। अभी तक इस पर कोई स्पष्टता नहीं है कि संयोजक किसे बनाया जा सकता है। हालांकि, इस रेस में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भी खूब नाम चल रहा है। इसी को लेकर उनसे सवाल पूछा गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि वह कुछ भी नहीं बनना चाहते हैं और उनकी एकमात्र इच्छा सभी को एक साथ लाना है। उन्होंने कहा, मुझे कुछ भी नहीं बनना है। मैं बार-बार यही कह रहा हूं। मेरी ऐसी कोई इच्छा नहीं है। मैं तो बस सबको एक करना चाहता हूं। रविवार को, बिहार के सीएम ने पुष्टि की कि वह बैठक में शामिल होंगे और कहा कि इसमें कुछ भी व्यक्तिगत नहीं है जिसकी वह इच्छा रखते हैं। विशेष रूप से, कुमार ने कई बार इस बात से इनकार किया था कि वह प्रधान मंत्री बनने की इच्छा रखते हैं, उन्होंने कहा था कि वह ब्लॉक से कुछ भी व्यक्तिगत नहीं चाहते हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

नीरज चोपड़ा ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड जीत रचा इतिहास

बुडापेस्ट। भारतीय स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कर लिया है. नीरज चोपड़ा वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं. उन्होंने रविवार को बुडापेस्ट में हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप के फाइनल में 88.17 मीटर का जैवलिन थ्रो करके गोल्ड अपने नाम किया. नीरज चोपड़ा की इस जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्वीट करके उन्हें बधाई दी है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को ट्वीट करके नीरज चोपड़ा को विश्व चैंपियन बनने पर बधाई दी. उन्होंने लिखा, प्रतिभाशाली नीरज चोपड़ा ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिखाया है. उनका समर्पण, सटीकता और जुनून उन्हें ना सिर्फ एक बेहतरीन एथलीट चैंपियन बनाता है बल्कि पूरे खेल जगह में उन्हें उत्कृष्टता का प्रतीक बनाता है. वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने पर आपको बधाई।

नीरज चोपड़ा ने 88.17 मीटर दूर जैवलिन फेंककर गोल्ड मेडल अपने नाम किया है. हालांकि, नीरज का पहला प्रयास फाउल रहा, लेकिन इसके बाद उन्होंने दूसरे प्रयास में जोरदार वापसी करते हुए 88.17 मीटर का थ्रो किया, जो उन्हें गोल्ड जिताने के लिए काफी सिद्ध हुआ। नीरज ने दूसरे प्रयास के बाद अपने तीसरे से छठे प्रयास तक क्रमशः 84.64मी, 84.64मी, 87.73 मीटर और 83.98 मीटर के थ्रो किए, लेकिन उनके 88.17 मीटर के थ्रो को कोई और प्रतिद्वंद्वी पार नहीं कर सका और गोल्ड मेडल पर नीरज का नाम हो गया. इसके साथ ही देश के इतिहास में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप मे गोल्ड मेडल जीतने वाले वह पहले खिलाड़ी बन गए हैं. इससे पहले लॉन्ग जंपर अंजू बॉबी जॉर्जर ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 110 अंक मजबूत निफ्टी में भी 40 अंकों की बढ़त

नईदिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मिले सकारात्मक संकेतों और मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज की 46वीं वार्षिक आम बैठक के बीच हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुए। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 110 अंक मजबूत हुआ। निफ्टी में भी 40 अंको की बढ़त दर्ज की। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 110.09 अंक यानी 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ 64,996.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,213.45 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 64,776.92 तक आया। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (ह्स्श्र) के निफ्टी में भी 40.25 अंक यानी 0.21 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 19,306.05 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,366.85 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 19,249.70 तक आया।

जनधन योजना से देश में आई क्रांति : सीतारमण

नईदिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि जनधन योजना के जरिए आए बदलाव और डिजिटल परिवर्तन ने देश में वित्तीय समावेशन में क्रांति ला दी है। उन्होंने कहा कि इसके जरिए 50 करोड़ से अधिक लोगों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में जोड़ा गया, जिनकी संचयी जमा राशि दो लाख करोड़ रुपये से अधिक है। प्रधानमंत्री जनधन योजना की नौवीं वर्षगांठ पर सीतारमण ने कहा कि 55.5 प्रतिशत बैंक खाते महिलाओं द्वारा खोले गए हैं और 67 प्रतिशत खाते ग्रामीण/अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं। यह योजना दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन पहलों में से एक है। योजना के तहत बैंक खातों की संख्या मार्च 2015 में 14.72 करोड़ से 3.4 गुना बढ़कर 16 अगस्त 2023 तक 50.09 करोड़ हो गई। कुल जमा राशि भी मार्च 2015 तक 15,670 करोड़ रुपये से बढ़कर अगस्त 2023 तक 2.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।

अदाणी एनर्जी कर रही 1 अरब डॉलर का निवेश

नईदिल्ली। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस की सहायक कंपनी अदाणी इलेक्ट्रीसिटी मुंबई (एईएमएल) 1 अरब डॉलर से अधिक के पूंजीगत व्यय कार्यक्रम पर काम कर रही है। कंपनी के इस योजना में मुंबई और ठाणे में 2000 एमडब्ल्यू क्षमता की दो ट्रांसमिशन लाइनें जोड़ना, जबकि 2025 तक नवीकरणीय ऊर्जा में अपनी हिस्सेदारी को दोगुना करके 60 प्रतिशत करना शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार पूंजीगत व्यय कार्यक्रम को अगले 3-4 वर्षों तक चलाया जाएगा और क्षमता वृद्धि के अलावा इसमें स्मार्ट मीटर, छत पर सौर पैनलों की स्थापना और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन शामिल हैं। खारघर-विक्रोली ट्रांसमिशन परियोजना एक 400 केवी, 2,000 मेगावाट की भूमिगत ट्रांसमिशन लाइन है जो नवी मुंबई में खारघर सबस्टेशन को मुंबई में विक्रोली सबस्टेशन से जोड़ेगी और शहर के उपनगरों को बाधित बिजली आपूर्ति प्रदान करेगी।

मोनो फार्माकेयर का आईपीओ खुला

नईदिल्ली। मोनो फार्माकेयर लिमिटेड का आईपीओ सोमवार को खुल गया है और यह 30 अगस्त 2023 तक बोली के लिए खुला रहेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 26 से 28 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया। यह इश्यू एनएसई के एसएमई एक्सचेंज पर सूचीबद्ध किया जाएगा। इस बीच, पब्लिक इश्यू ने ग्रे मार्केट में भी अपनी शुरुआत कर दी है। बाजार पर नजर रखने वालों के अनुसार, मोनो फार्माकेयर लिमिटेड के शेयर सोमवार को ग्रे मार्केट में 5 रुपये प्रति शेयर के प्रीमियम पर उपलब्ध हैं। बता दें कि कंपनी का आईपीओ आज खुल गया है और यह 30 अगस्त 2023 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। कंपनी का आईपीओ के जरिये 14.84 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है। कंपनी के आईपीओ के लिए बोली लगाने वाले लॉट में आवेदन कर सकेंगे और एक लॉट में कंपनी के 4000 शेयर शामिल होंगे।

अंतरिक्ष की दुनिया में भारत की छलाँग ने पूरी दुनिया को चमत्कृत कर दिया

ललित गर्ग

असाधारण दबावों और चुनौतियों का सामना करते हुए इसरो ने चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर को चंद्रमा की 70 डिग्री दक्षिणी अक्षांश रेखा के पास बिल्कुल सटीक तरीके से उतार कर भारत ने विलक्षण इतिहास तो रचा ही है, दुनिया में भारत विरोधी शक्तियों का मुंह भी बंद कर दिया है, अब भारत गरीबी भी दूर कर रहा है, अपनी समस्याओं के समाधान खुद के बल पर हल भी कर रहा है और दुनिया की बड़ी से बड़ी शक्ति से टक्कर लेने की स्थिति में भी पहुंच रहा है। आजादी के अमृतकाल में ऐसी ही अनेक उपलब्धियों की स्पष्ट आहट सुनाई दे रही है। इस विलक्षण, अनूठी एवं चमत्कारपूर्ण सफलता के लिये इसरो को, इस मिशन में लगी पूरी टीम को ही नहीं देश की पूरी वैज्ञानिक बिरादरी को जितनी बधाई दी जाए कम है लेकिन इन उत्सव एवं उमंग के क्षणों में भी राजनीति करने वालों पर तरस आता है, भगवान् उन्हें सद्बुद्धि दें। निश्चित ही भारत ने चांद को मुट्ठी में कर लिया है और यह जता दिया है कि कम साधनों एवं खर्चों में भी भारत बड़ी लकीरें खींच सकता है।

निश्चित ही भारत ने वह कर दिखाया, जो विश्व का कोई देश और यहां तक कि अमेरिका, चीन एवं रूस भी नहीं कर सका। इसरो यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने चंद्रयान-3 के लैंडर को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक पहुंचाकर देश ही नहीं, दुनिया को चमत्कृत करने का काम किया। चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग एक ऐसा अविस्मरणीय और अद्भुत क्षण है, जो वर्षों तक भारतवासियों को प्रेरित करता रहेगा। यह एक अमिट आलेख है, शानदार उपलब्धि है, जो सचमुच स्वर्णाक्षरों में लिखी जाएगी। इस उपलब्धि ने हम भारत के

लोगों में जिस उत्साह और उमंग का संचार किया है, वह अकल्पनीय है। इन चमत्कृत करने वाले दृश्यों को भारत के करोड़ों लोगों ने देखा एवं समूचे देश को उत्सवमय बना दिया। अंतरिक्ष में नये भारत की इस नई, असाधारण एवं ऐतिहासिक उड़ान से समूची दुनिया को लाभ मिलेगा। जाहिर है, ये प्रयोग सिर्फ भारत के लिए नहीं, पूरी दुनिया के लिए मायने रखते हैं। अब इस चन्द्रयान से मिलने वाली सूचनाओं से चन्द्रमा पर मानव जीवन की संभावनाओं को पंख लग सके तो कोई आश्चर्य नहीं है। वहां पर जल की उपलब्धता, तापमान, जमीन की स्थिति, उपलब्ध खनिज पदार्थों आदि की जानकारियां एवं टेक्टॉनिक हलचलों का पता चलेगा। चंद्रयान-3 अभियान की सफलता पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह ठीक ही कहा कि यह विकसित एवं नये भारत का जयघोष है और इससे देश को एक नई ऊर्जा और चेतना मिली है। उन्होंने चंद्रयान-3 की सफलता को जिस तरह नए भारत की नई उड़ान करार देते हुए इसे अमृतकाल की प्रथम प्रभा में अमृत वर्षा की संज्ञा दी, उससे इस यकीन को बल मिलता है कि वर्ष 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बनने के अपने सपने को वास्तव में साकार करने की दिशा में बढ़ रहा है। यह वास्तव में देश की उस वैज्ञानिक चेतना और सूक्ष्म दृष्टि का कमाल है, जो तमाम बाधाओं के बावजूद पिछले 61 साल पूर्व साइकिल से शुरू हुए हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहा है। हमने पहले चांद पर पानी खोजा और अब चांद के दूसरे सिरे पर भी पहुंच गए। इसरो ने जो इतिहास रचा, वह यही रेखांकित कर रहा है कि नए भारत का निर्माण हो रहा है और वह महाशक्ति बनने की राह पर अग्रसर है। अब यह भरोसे के साथ कहा जा सकता है कि विश्व पटल पर अपनी और गहरी छाप छोड़ने का भारत का समय आ चुका है। इसके साथ ही यही वक्त है जब इसरो को अपनी महत्वाकांक्षाओं को फिर से नापने की, उन्हें विस्तार देने और सरकार को इस काम में उसकी हर संभव मदद करने की जरूरत है। ताजा उपलब्धि से इसरो की राह में अवसरों की लाइन लगनी तय है। निश्चित ही चन्द्रयान-3 की सफलता का श्रेय इसरो एवं उसके वैज्ञानिकों को दिया जायेगा, लेकिन प्रधानमंत्री ने अपनी दूरगामी सोच एवं प्रोत्साहन से उनका हौसला बढ़ाया है। 2014 में मंगल मिशन के दौरान, 2019 में चंद्रयान-2 की लैंडिंग के वक्त मोदी खुद इसरो के मिशन कंट्रोल रूम में मौजूद थे, लेकिन चंद्रयान-3 की लैंडिंग के वक्त वे ब्रिक्स के सम्मेलन के लिए जोहानिसबर्ग में थे।

प्रत्याशी के नाम की जल्द घोषणा से क्या हासिल होता है?

विजय विद्रोही

भाजपा ने मध्य प्रदेश में 39 और छत्तीसगढ़ में 21 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इन दोनों राज्यों के साथ-साथ राजस्थान में चुनाव आयोग अक्तूबर के मध्य में अधिसूचना जारी करेगा, लेकिन 60 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जा चुके हैं। माना जा रहा है कि सितंबर में कांग्रेस राजस्थान में करीब सौ और छत्तीसगढ़ में 25 से 30 उम्मीदवारों की घोषणा कर देगी। भाजपा भी राजस्थान में अगले कुछ दिनों में करीब 50 नामों का एलान कर सकती है। कर्नाटक में कांग्रेस ने तारीखों के एलान से पहले ही 224 में से 112 नाम घोषित कर दिए थे। यह काम मायावती पहले किया करती थीं। देखा-देखी अरविंद केजरीवाल ने इस रणनीति को अपनाया था। ऐसे में, सवाल उठता है कि नामों की जल्द घोषणा से पार्टी विशेष को क्या हासिल होता है। क्या यह पार्टी विशेष के आत्मविश्वास को दिखाता है? क्या ऐसा सोशल मीडिया में चर्चा के लिए किया जाता है? क्या यह विपक्ष को भरमाने के लिए किया जाता ह? क्या ऐसा करने पर समर्थकों में जीत का जोश बढ़ता है? ऐसे कई सवालों का जवाब देने से पहले थोड़ा-सा गणित समझ लेते हैं। भाजपा विधानसभा सीटों को चार श्रेणियों में बांटती है। पहली श्रेणी में पक्की सीटें होती हैं। जाहिर है, इन पर नाम की घोषणा करना सबसे आसान काम है। दूसरी में ऐसी करीब-करीब पक्की सीटें होती हैं, जहां जीत की संभावना ज्यादा होती है। तीसरी में आधी पक्की-आधी कच्ची सीटें होती हैं, जहां पार्टी मानकर चलती है कि ज्यादा जोर लगाया जाए, तो सीट निकाली जा सकती है। चौथी में सबसे कमजोर सीटें आती हैं, जहां पार्टी को भी पता होता है कि पार पाना लगभग असंभव है। अब पहली और चौथी श्रेणी के नाम जल्दी घोषित हों या देर से, कोई फर्क नहीं पड़ता। सबसे ज्यादा दिक्कत तो बीच की श्रेणियों में होती है। जबकि कांग्रेस में तीन ही श्रेणियां बनाई जाती हैं। पक्की, कच्ची-पक्की और पूरी तरह कच्ची। इस बार कांग्रेस ने भी चार श्रेणियां बनाई हैं। उसकी नजर में 27 सीटें अति कमजोर हैं। जबकि भाजपा 19 सीटों को अति कमजोर मानकर चल रही है। उदाहरण के रूप में, राजस्थान में कुल 200 सीटें हैं। भाजपा ने पिछली बार 73 सीटें जीती थी। अब पार्टी को देखना है कि जीते हुए उन विधायकों में कितनों को दोबारा टिकट दिए जाएं। एक वक्त था कि सिटिंग गेटिंग फॉर्मूला चलता था, यानी मौजूदा जीते हुए विधायकों को तो रिपीट करना ही है। अब ऐसा नहीं चलता, क्योंकि राजस्थान में पिछले चार बार के विधानसभा चुनावों का निचोड़ बताता है कि 60 से 65 विधायक ही रिपीट होते हैं। इस हिसाब से, भाजपा को देखना होगा कि 73 में से करीब 40 के टिकट काट दिए जाने चाहिए या नहीं? कांग्रेस के पास निर्दलीय मिलाकर 120 विधायक हैं और वह सत्ता में है। लिहाजा, कांग्रेस को तो करीब 80 के टिकट काटने होंगे। पर ऐसा होता नहीं है, क्योंकि हारे हुए उम्मीदवारों में से भी कई टिकट मिलने पर अपनी खोई हुई सीट निकालने में कामयाब हो जाते हैं। यहां केरल में वाम मोर्चे की सरकार का उल्लेख करना जरूरी है। मुख्यमंत्री पी विजयन ने दो बार के जीते विधायकों (जिनमें से कुछ मंत्री भी थे) के टिकट पिछले विधानसभा चुनाव में काट दिए थे, ताकि नई पीढ़ी को मौका दिया जा सके। कैडर आधारित पार्टी ने आलाकमान का निर्देश चुपचाप मान लिया और विजयन ने हर बार सरकार बदलने की परंपरा को तोड़ते हुए पुन: सत्ता हासिल की। पर ऐसा जोखिम भाजपा और कांग्रेस उठाने का साहस शायद ही करें! टिकट काटने में दिक्कत यही है कि कुछ बागी हो जाते हैं, कुछ भितरघात करते हैं और कुछ विरोधी खेमे को जिताने में लग जाते हैं। कई बार बड़ा दल छोटे दल के साथ समझौता करता है, और खुद की जीती हुई सीट भी समझौते में बलि चढ़ जाती है। राजस्थान का ही उदाहरण बताता है कि हर बार मौजूदा सरकार के मंत्रिमंडल में शामिल करीब एक तिहाई मंत्री भी विधानसभा का मुंह नहीं देख पाते। पर मंत्रियों के टिकट इसलिए भी नहीं काटे जाते, क्योंकि ऐसा करने पर नैरेटिव निगेटिव हो जाता है और विपक्ष इसका फायदा उठाता है। कुल मिलाकर, विधानसभा सीट की जीत का कोई तयशुदा आश्वस्त फॉर्मूला नहीं है। होता, तो इतनी कवायद की जरूरत ही नहीं पड़ती। हर दल अपने हिसाब से प्रयोग करता है। जो कामयाब होता है, वह चाणक्य कहलाता है।

उपचुनाव के जरिए ताकत आजमाने का दांव

समीर चौगांवकर

छह राज्यों की सात विधानसभा सीटों पर पांच सितंबर को होने जा रहे उपचुनाव एनडीए और विपक्षी गठबंधन इंडिया दोनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इन 7 विधानसभा सीटों के परिणाम 8 सितंबर को आएंगे। इनमें यूपी की घोसी, उत्तराखंड की बागेश्वर, बंगाल की धुपगुड़ी, झारखंड की डुमरी, केरल की पुथुपल्ली, त्रिपुरा की बॉक्सानगर और धनपुर सीट शामिल हैं। विधायकों के निधन के कारण जिन सीटों पर उपचुनाव हो रहा है उसमें केरल की पुथुपल्ली सीट पर ओमान चांडी के निधन, उत्तराखंड की बागेश्वर सीट पर चंदन कुमार दास के निधन, बंगाल की धुपगुड़ी सीट पर विष्णुपद रे के निधन और त्रिपुरा की बॉक्सानगर सीट पर शमशुल हक के निधन के कारण उपचुनाव करवाया जा रहा है। जबकि यूपी की घोसी सीट पर दारा सिंह चौहान और त्रिपुरा की धनपुर सीट पर प्रतिमा भौमिक के विधायक पद से इस्तीफा देने के कारण चुनाव हो रहा है। इन चुनावों में उत्तर प्रदेश की घोसी सीट को योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है। वहीं पश्चिम बंगाल की धुपगुड़ी सीट को जीतकर भाजपा ममता बनर्जी को झटका देने के साथ 2024 के पहले दबाव मे लाना चाहती है। उत्तराखंड की बागेश्वर सीट पर भाजपा का पलड़ा भारी है लेकिन कांग्रेस भी अपनी पूरी ताकत से परिणाम अपने पक्ष में करने की कोशिश में जुटी है।

उत्तर प्रदेश के मऊ जिले की घोसी सीट पर हो रहे उपचुनाव की बात करें तो भाजपा और समाजवादी पार्टी ने एड़ी चोटी का जोर लगा दिया है। सपा ने सुधाकर सिंह को तथा भाजपा ने समाजवादी पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने वाले दारा सिंह चौहान को इस सीट से प्रत्याशी बनाया है। घोसी सीट दारा सिंह चौहान के इस्तीफे के कारण ही खाली हुई है। बसपा ने न ही उम्मीदवार उतारा है और न ही किसी को समर्थन देने की घोषणा की है। वहीं कांग्रेस ने उम्मीदवार न उतारकर समाजवादी पार्टी को समर्थन देने की घोषणा की है। घोसी सीट पर कभी वामपंथियों का दबदबा था। कम्युनिस्ट नेता झारखंडे राय यहां से लगातार तीन बार विधायक रहे थे। लेकिन 1996 में भाजपा के टिकट पर जीते फागू सिंह चौहान ने इस सीट को भाजपा का गढ़ बना दिया और 2012 तक लगातार यहां से जीते। 2012 में सपा के सुधाकर सिंह ने जीत दर्ज की। उसके बाद फिर फागू चौहान जीते। फागू सिंह चौहान के राज्यपाल बनने के बाद खाली हुई सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा के विजय राजभर ने जीत दर्ज की। 2022 में सपा के टिकट पर दारा सिंह चौहान ने भाजपा के विजय राजभर को हरा दिया। अब सपा का साथ छोड़कर दारा सिंह चौहान भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। जिन नेताओं की घोसी में अग्नि परीक्षा है उसमें मोदी के करीबी नौकरशाह रहे और अब योगी सरकार में मंत्री अरविंद शर्मा भी है। घोसी अरविंद शर्मा का गृह क्षेत्र है। 2022 में शर्मा के यहां से चुनाव लड़ने की चर्चा थी। शर्मा घोसी में डेरा डाले हुए है। इसके अलावा दो राजभर नेताओं सपा के राम अचल राजभर और कुछ ही दिनों पूर्व भाजपा के साथ जाने वाले सुहेलदेव समाज पार्टी के ओम प्रकाश राजभर की भी प्रतिष्ठा यहां दांव पर लगी हुई है।

घोसी सीट पर भाजपा के लिए सबसे बड़ी चिंता मुख्तार अंसारी परिवार का समाजवादी पार्टी को समर्थन है। मऊ में मुख्तार अंसारी परिवार का सियासी दबदबा रहा है। घोसी सीट पर 80 हजार के करीब मुस्लिम वोटर्स हैं। 2017 में घोसी से मुख्तार के बेटे अब्बास ने बीएसपी से चुनाव लड़कर 81 हजार वोट हासिल किए थे। माफिया मुख्तार अंसारी के भतीजे और मोहम्मदाबाद विधानसभा से विधायक मन्नू अंसारी ने खुलकर समाजवादी पार्टी का साथ देने की घोषणा कर इस सीट पर भाजपा की मुश्किले बढ़ाई हैं। उत्तरी बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित विधानसभा क्षेत्र धुपगुड़ी सीट पर भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर है। यह सीट बीजेपी के विधायक बिष्णुपद रॉय के निधन के बाद खाली हुई है। टीएमसी ने धुपगुड़ी उपचुनाव के लिए प्रोफेसर निर्मल चंद्र रॉय को उम्मीदवार बनाया है वहीं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने ईश्वरचंद्र रॉय को टिकट दिया है। भाजपा ने पुलवामा के आतंकी हमले में बलिदान हुए जगन्नाथ रॉय की पत्नी तापसी रॉय को टिकट दिया है। तापसी रॉय 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ कई सार्वजनिक रैलियों में मंच साझा कर चुकी हैं। लेकिन अब तापसी रॉय के बीजेपी से प्रत्याशी बनने के बाद टीएमसी के लिए तापसी रॉय के सामने सीट जीतना आसान नहीं होगा क्योंकि भाजपा एक शहीद की विधवा के नाम पर लड़ रही है। ऐसे में धुपगुड़ी उपचुनाव तृणमुल कांग्रेस, भाजपा और सीपीएम के बीच त्रिकोणीय होना तय है। कांग्रेस ने सीपीएम उम्मीदवार ईश्वर चंद्र रॉय को समर्थन देने की घोषणा की है।

इसके अलावा उत्तराखंड में आरक्षित बागेश्वर सीट पर भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे का मुकाबला होने की संभावना है। बागेश्वर सीट भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे चंदनराम दास के निधन के बाद खाली हुई है। बागेश्वर सीट से दिवंगत नेता चंदनराम दास लगातार चार बार चुनाव जीते थे। केरल के पुथुपल्ली सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए भाजपा ने पार्टी के कोट्टयम जिला अध्यक्ष जी लिजिनलाल को उम्मीदवार बनाया है। इस सीट का प्रतिनिधित्व दिवंगत कांग्रेस नेता ओमन चांडी ने पिछले पांच दशकों से अधिक समय तक किया था। यूडीएफ ने ओमन चांडी के बेटे को मैदान में उतारा है। भाजपा को यहां कोई उम्मीद नहीं है। वहीं भाजपा ने त्रिपुरा के बॉक्सानगर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए तफज्जुल हुसैन को और बिंदु देबनाथ को धनपुर विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बनाया है। 2023 में, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के शमशुल हक ने बॉक्सानगर सीट से भाजपा के तफज्जुल हुसैन को 4,849 वोटों के अंतर से हराकर सीट जीती थी। बॉक्सानगर के सीपीआई-एम विधायक शमशुल हक के निधन और धनपुर में पहले से निर्वाचित भाजपा प्रतिनिधि के इस्तीफे के कारण उपचुनाव हो रहे है।

झारखंड के डुमरी विधानसभा उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। ये सीट झारखंड सरकार में शिक्षामंत्री जगरनाथ महतो के निधन के कारण खाली हुई है। जेएमएम ने जगरनाथ महतो की पत्नी बेबी देवी को उम्मीदवार बनाया है। वहीं एनडीए गठबंधन की तरफ से यशोदा देवी प्रत्याशी होंगी, वे आजसू के टिकट पर चुनाव लड़ रही हैं। भाजपा से मिल रही कड़ी चुनौती के बाद भी हेमंत सोरेन की पार्टी की उम्मीदवार बेबी देवी का पलड़ा भारी दिख रहा है। वैसे तो अलग अलग राज्यों के सात विधानसभा सीटों के उपचुनाव हैं लेकिन भाजपा और विपक्षी गठबंधन दोनों ही इन उपचुनावों को 2024 के लिए अपनी तैयारी और जमीनी हकीकत को जानने के रूप में देख रहे हैं। भाजपा से ज्यादा ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और हेमंत सोरेन के लिए यह उपचुनाव बेहद अहम है। कौन किस पर भारी पड़ता है यह तो 8 सिंतबर को पता चलेगा लेकिन चुनाव में ताल ठोंक रहे सभी दलों के लिए 2024 के पहले ये उपचुनाव प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गये हैं इसलिए सभी दल जमीन पर जमकर पसीना बहा रहे हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

नृसिंहपूर्वतापिन्युपनिषद् (भाग-8)

गतांक से आगे...

देवताओं ने पुन: प्रश्न किया कि भगवान् नृसिंह के लिए ज्वलंतम का प्रयोग क्यों होता है? (ब्रह्माजी बोले-) सभी भूतों, सभी देवों और सभी आत्माओं को भगवान् नृसिंह अपनी महिमा से प्रकाशित करते एवं स्वयं प्रकाशित रहते हैं समस्त ज्योतियाँ एवं सम्पूर्ण लोक उनके ही प्रकाश से प्रकाशित होकर सबको प्रकाशित करते हैं (भगवान् नृसिंह की महिमा का वर्णन करते हुए ऋग्वेद में लिखा है कि) वे ही सविता के रूप में प्रकाश फैलाने वाले एवं प्रसविता के रूप में उत्पादन करने वाले सदैव प्रकाशमान रहते हैं। स्वयं प्रकाशित होते हुए दूसरों को प्रकाश पहुँचाते हैं। स्वयं तपते हुए दूसरों को भी तपाते हैं। स्वयं कान्तियुक्त होकर दूसरों को भी कान्तिमान् बनाते हैं। स्वयं परम कल्याण स्वरूप होकर सुशोभित होते एवं सबको सुशोभित करते हैं। इसी कारण उन्हें ज्वलंतम कहा गया है।

(देवताओं ने पुन: प्रश्न किया हे प्रजापति!) भगवान् नृसिंह के लिए %सर्वतोमुखम्% का प्रयोग क्यों हुआ है ? (ब्रह्माजी ने कहा) वे अपनी महिमा से सभी भूतों, सभी आत्माओं सभी देवताओं और सभी लोकों को, स्वयं इन्द्रियों से परे होने पर भी सबको सब ओर से देखते, सुनते, ग्रहण करते और सभी तरफ गमन करते हुए सभी स्थानों में समान रूप से विद्यमान रहते हैं। (ऋग्वेद में भी कहा गया है कि) सृष्टि के आदि में जो भगवान् स्वयं एक ही थे, वे ही इस विश्व के रूप में प्रकट हो गये। वे भगवान् ही विश्व के उत्पादक, पालक एवं संहारक हैं, ऐसे सर्वतोमुख भगवान् को नमस्कार है। इसी कारण उन्हें सर्वतोमुखम् कहा गया है।

(देवताओं ने पुन: प्रश्न किया-) नृसिंहम यह विशेषण क्यों दिया गया है? (ब्रह्माजी ने कहा-) सभी जीवों में मनुष्य सबसे अधिक पराक्रमी और श्रेष्ठ है। सिंह को भी सबसे अधिक पराक्रमी कहा जाता है। इस कारण भगवान् को नर और सिंह दोनों विशेषताओं से युक्त कहा गया। भगवान् का यह स्वरूप विश्व के लिए कल्याणकारी, सनातन एवं अविनाशी है। (वेद भगवान् ने कहा है) वे भगवान् विष्णु सिंह का रूप धारण कर अपने भक्तों द्वारा स्तुत्य होते हैं। अनेक प्रकार की शक्ति प्राप्त करने के लिए भक्तजन प्रार्थना करते हैं। अपने भक्तों के लिए सिंह रूप में होने पर भी वे भयंकर नहीं होते। भगवान् नृसिंह पृथ्वी और पर्वत पर सब जगह विचरण करते हैं। वे सभी रूपों में स्थित होते हैं। स्तोताओं की वाणी में भी वे ही निहित हैं। उनके तीन डग में तीनों लोक समाहित हो जाते हैं। इन कारणों से उनको नृसिंहम कहते हैं। (देवताओं ने प्रश्न किया) हे देव! यह बतायें कि इस मंत्र में भगवान् के लिए भीषणम शब्द का प्रयोग क्यों हुआ है ?

क्रमश:...

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की कायल रही सारी दुनिया

प्रज्ञा पाण्डेय

हॉकी के जादूगर ने अपनी काबिलियत के दम पर पूरे दुनिया में अपना नाम कमाया। 29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद का जन्मदिन है। ध्यानचंद का जन्म उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद शहर में हुआ था। इनके पिता का नाम समेश्वर सिंह था जो आर्मी में थे। ध्यानचंद के छोटे भाई भी हाकी खेलते थे। ध्यानचंद का परिवार झांसी में बस गया था। ध्यानचंद को अपने बचपन के दिनों में पहलवानी पसंद थी। वह 16 साल की आयु मे आर्मी में भर्ती हो गए। ध्यानचंद केवल आर्मी हॉकी और रेजिमेंट गेम्स खेलते थे। ध्यानचंद ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं थे उन्होंने केवल छठवीं तक पढ़ाई की थी। इसके पीछे कारण यह था कि उनके पिता का हमेशा तबादला होता रहता था जिसके कारण उन्हें स्थायी रूप से पढ़ने का मौका नहीं मिला।

ध्यानचंद अभूतपूर्व प्रतिभा के धनी थे। उनके खेल के दौरान भारत ने ओलम्पिक में तीन गोल्ड मैडल जीते थे। ये गोल्ड मैडल 1928, 1932 और 1936 में जीते गए। ध्यानचंद का पहला विदेशी दौरा 1926 में हुआ था जब हॉकी टीम मैच खेलने

न्यूजीलैंड जा रही थी। 1928 में एम्सटर्डम में खेल के दौरान ध्यानचंद ने 14 गोल किए। वह सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी थे। 1932 में ओलंपिक फाइनल का मैच के ऐसा मैच था जिसमें ध्यानचंद अपने भाई के साथ खेल रहे थे। उसमें उनके भाई रूप सिंह ने 10 गोल किए थे। विएना के स्पोर्टस क्लब में ध्यानचंद की चार हाथों वाली मूर्ति लगी है जिसमें दो हाथों के अलावा दो हॉकी भी बनी हुई है।

भारत के सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार पद्मभूषण से ध्यानचंद को 1956 में सम्मानित किया गया। उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय खेल दिवस घोषित किया गया है। उनके जन्मदिन के अवसर पर अर्जुन तथा द्रौणाचार्य पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। भारतीय ओलम्पिक संघ ने ध्यानचंद को शताब्दी का खिलाड़ी कहा है। ध्यानचंद की याद में डाक टिकट जारी किया गया था। उनके सम्मान में दिल्ली में ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम का निर्माण भी कराया गया था।

खेल जगत की बड़ी हस्तियां भी थीं ध्यानचंद की मुरीद

दुनिया में क्रिकेट के लिए मशहूर ब्रैडमैन भी ध्यानचंद की प्रशंसा करते थे। यह संयोग है कि 27 अगस्त को जहां ब्रैडमैन का जन्मदिन है वहीं 29 अगस्त को ध्यानचंद की जन्मतिथि मनायी जाती है। यही नहीं जर्मनी के हिटलर भी ध्यानचंद के खेल से बहुत प्रभावित थे। हिटलर के अलावा जर्मनी की जनता भी ध्यानचंद की बहुत प्रशंसक थी।

मौत को नहीं हरा सके हॉकी के जादूगर

हॉकी के जादूगर 42 साल की उम्र तक हॉकी खेलते रहे। बाद उन्होंने 1948 में संन्यास ग्रहण कर लिया। ध्यानचंद के आखिरी दिन अच्छे नहीं थे। वे अंत में पैसों की परेशानी से जूझ रहे थे। उसके 1979 में कैंसर जैसी बड़ी बीमारी से जूझते हुए उनकी मौत हो गयी। वह लीवर के कैंसर जैसी बड़ी बीमारी से जूझ रहे थे लेकिन इलाज के लिए उनके पास पैसे नहीं थे। वह एम्स के जनरल वार्ड में रहकर अपना इलाज करा रहे थे।

ब्रिक्स के विस्तार से संतुलन बनाने की कोशिश

केएस तोमर

अमेरिका द्वारा रूस और चीन पर लगाए गए प्रतिबंधों की पृष्ठभूमि में, इन दोनों ही देशों ने ब्रिक्स के विस्तार पर आक्रामक ढंग से जोर दिया। हालांकि भारत ने छह नए देशों के ब्रिक्स में प्रवेश के मुद्दे पर सदस्य देशों के बीच सहमति की बात की। नए देशों को शामिल करने के मामले में राष्ट्रीय हितों का ध्यान रखा गया, जो कि संयुक्त अरब अमीरात और मिस्र को ब्रिक्स में शामिल करने के फैसले से पता चलता है, क्योंकि ये दोनों ही देश हमारे रणनीतिक सुरक्षा साझेदार हैं।

भारत ने इस मुद्दे पर अपेक्षित सावधानी का परिचय दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना था कि समूह में शामिल किए गए छह नए देश ब्रिक्स को मजबूती और रफ्तार देंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि दूसरे चार सदस्य देशों, ईरान, सऊदी अरब, अर्जेंटीना और इथियोपिया, के भी भारत से मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, %ब्रिक्स का विस्तार और इसे आधुनिक रूप देने का फैसला एक संदेश है कि दुनिया की सभी संस्थाओं को चुनौतियों के अनुरूप खुद को लचीला बनाना होगा, और भारत ने ब्रिक्स की सदस्यता के विस्तार का हमेशा ही पूर्ण समर्थन किया है। भारत का मानना है कि नए सदस्य ब्रिक्स के उद्देश्यों की पूर्ति के अलावा इस संगठन को मजबूती देंगे। भारत का यह मानना है कि बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में ब्रिक्स का विस्तार अनेक देशों के भरोसे को मजबूत करेगा। नए सदस्य देशों में से ईरान और सऊदी अरब के चूंकि भारत से नजदीकी रिश्ते हैं, ऐसे में, इस विस्तार से समूह में असंतुलन पैदा होने की आशंका नहीं है।

विशेषज्ञों का कहना है कि विस्तार के बाद ब्रिक्स को वैश्विक शासन को आकार देने और एक ऐसे बहुध्रुवीय विश्व के निर्माण की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जिसमें विकासशील और अल्प विकसित देशों की आवाजें वैश्विक एजेंडे के केंद्र में हों। दूसरा, सदस्यों के विविधतापूर्ण हित, उनके साझा हितों में बाधा न बनें। इसलिए द्विपक्षीय विवादों को किनारे रखना जरूरी है। तीसरी बात यह समझने की है कि ब्रिक्स को पश्चिम विरोधी या चीन-रूस समर्थक होने से बचना होगा। चौथी बात यह कि समूह में छह देशों का प्रवेश वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए, इसे अगले स्तर पर ले जाने के प्रयास होने चाहिए। ब्रिक्स अपने समूह की मुद्रा जारी करने पर भी विचार कर सकता है, लेकिन इसके लिए सर्वसम्मति जरूरी है, और, यह कदम पश्चिम और अमेरिका को लक्षित करके न उठाया जा रहा हो। छठी बात यह कि संस्थापक सदस्यों को पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका के नए सदस्यों की पहचान और उनके महत्व का सम्मान करना होगा, ताकि ब्रिक्स में विविधता बनी रहे।

सातवीं बात यह कि ब्रिक्स के जरिये भारत को विकासशील देशों की आवाज बनने का मौका मिला है, जो अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में उसकी छवि को ताकतवर बनाएगा। इसके अलावा, भारत की सीमा पार आतंकवाद की समस्या के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन की मांग को इस मंच के जरिये उठाया जा सकता है। चीन को भी अपने रवैये में बदलाव लाने के लिए मजबूर किया जा सकता है। गौरतलब है कि चीन और रूस का गठजोड़ काफी खतरनाक हो सकता है। ईरान और सऊदी अरब के समूह में प्रवेश का श्रेय चीन और रूस को दिया जा रहा है, जिसके पीछे एक अमेरिका और पश्चिम विरोधी गुट बनाने की मंशा छिपी है। ईरान और सऊदी अरब के बीच मध्यस्थता का काम चीन ने किया था, जो कि अमेरिका के लिए अच्छी खबर नहीं थी। यूक्रेन युद्ध की वजह से रूस को नुकसान हुआ है और चीन पर उसकी निर्भरता बढ़ी है।

रूस, दरअसल, क्वाड, जी-7 इत्यादि संगठनों के जरिये भारत और अमेरिका को गलत संकेत भेज रहा है। सऊदी अरब कच्चे तेल का सबसे बड़ा निर्यातक देश है, जबकि चीन कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक देश रहा है। इसका मतलब यह भी है कि रूस और सऊदी अरब एक नए आर्थिक् गुट में एक-दूसरे से जुड़ेंगे ओर दोनों ही तेल उत्पादक देशों के समूह ओपेक के सदस्य भी हैं। अब अगर ये दोनों देश जुड़ते हैं, तो इससे सऊदी अरब और अमेरिका में मतभेद पैदा हो सकते हैं। फिर, चीन भी उन विभिन्न समूहों की आलोचना करता आया है, जिन्हें अमेरिका ने इसके बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए बनाया है। ब्रिक्स के कई सदस्यों के साथ चीन के व्यापारिक संबंध हैं। ऐसे में, घाटे को संतुलित रखने का मुद्दा उनके लिए महत्वपूर्ण होगा, जो ड्रैगन की स्थिति को मजबूत करेगा।

भारत की मौजूदगी से दोनों देशों के प्रमुखों को सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय चर्चा करने का भी मौका मिला। चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग और मोदी ने सीमा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा और शांति बहाली की सख्त जरूरत पर जोर दिया, जो दोनों देशों के हित में है। प्रधानमंत्री मोदी ने पारस्परिक सम्मान पर आधारित संबंधों की बात की, जो दोनों देशों के लिए जरूरी भी है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियों गुटेरेस ने ब्रिक्स के विस्तार सत्र के दौरान जो टिप्पणी की है, वह काफी प्रासंगिक है, 'वर्तमान की वैश्विक शासन व्यवस्थाएं, कल की दुनिया का आईना हैं। इसलिए, बहुध्रुवीय संस्थानों को सार्वभौमिक बनाने के लिए उनमें सुधार जरूरी हैं। '

हिन्द स्वराज्य

सभ्यता का दर्शन (भाग-2)

गतांक से आगे...

किसी मुल्क के लोग, जो जूते वगैरा नहीं पहनते हों, जब यूरोप के कपड़े पहनना सीखते हैं, तो जंगली हालत से सभ्य हालतमें आये हुए माने जाते हैं। पहले यूरोप में लोग मामूली हलकी मदद से अपने लिए जात-मेहनत करके जमीन जोतते थे। उसकी जगह आज भापके यंत्रों से हल चलाकर एक आदमी बहुत सारी जमीन जोत सकता है और बहुत-सा पैसा जमा कर सकता है। यह सभ्यता की निशानी मानी जाती है। पहले लोग कुछ ही किताबें लिखते थे और वे अनमोल मानी जाती थीं। आज हर कोई चाहे जो लिखता है और छपवाता है और लोगोंके मनको भरमाता है। यह सभ्यताकी निशानी है। पहले लोग बैलगाड़ी से रोज बारह कोस की मंजिल तय करते थे। आज रेलगाड़ी से चार सौ कोस की मंजिल मारते हैं। यह तो सभ्यता की चोटी मानी गयी है। यह सभ्यता जैसे-जैसे आगे बढ़ती जाती है वैसे-वैसे यह सोचा जाता है कि लोग हवाई जहाज से सफर करेंगे और थोड़े ही घंटों में दुनिया के किसी भी भाग में जा पहुँचेंगे। लोगों को हाथ-पैर हिलाने की जरूरत नहीं रहेगी। एक बटन दबाया कि आदमी के सामने पहनने की पोशाक हाजिर हो जायेगी, दूसरा बटन दबाया कि उसे अखबार मिल जायेंगे, तीसरा दबाया कि उसके लिए गाड़ी तैयार हो जायेगी; हर हमेशा नये भोजन मिलेंगे, हाथ-पैर का काम ही नहीं पड़ेगा, सारा काम कल से ही किया जायेगा। पहले जब लोग लड़ना चाहते थे तो एक-दूसरे का शरीर- बल आजमाते थे। आज तो तोप के एक गोले से हजारों जानें ली जा सकती हैं। यह सभ्यता की निशानी है। पहले लोग खुली हवा में अपने को ठीक लगे उतना काम स्वतंत्रता से करते थे। अब हजारों आदमी अपने गुजारे के लिए इकट्ठा होकर बड़े कारखानों में या खानों में काम करते हैं। उनकी हालत जानवर से भी बदतर हो गयी है। उन्हें सीसे वगैरा के कारखानों में जानको जोखिम में डालकर काम करना पड़ता है। इसका लाभ पैसेदार लोगों को मिलता है। पहले लोगों को मार-पीटकर गुलाम बनाया जाता था; आज लोगों को पैसे का और भोग का लालच देकर गुलाम बनाया जाता है। पहले जैसे रोग नहीं थे वैसे रोग आज लोगों में पैदा हो गये हैं और उसके साथ डॉक्टर खोज करने लगे हैं कि ये रोग कैसे मिटाये जायें। ऐसा करने से अस्पताल बढ़े हैं यह सभ्यता की निशानी मानी जाती है। पहले लोग पत्र लिखते थे तब खास कासिद उसे ले जाता था और उसके लिए काफी खर्च लगता था।

मायावती-खड़गे से भाजपा की मुश्किलें

अजय सेतिया

वे तीन नेता जो कभी प्रधानमंत्री बनने का सपना लेते थे, उन तीनों का जनाधार इतना सिकुड़ गया है कि वे मुख्यमंत्री बनने के लिए तरस रहे हैं। ये तीन नेता हैं, शरद पवार, लालू यादव और मायावती। इनके अलावा मुलायम सिंह भी पीएम बनने का सपना लिए इस दुनिया से विदा हो गए। मुलायम सिंह यादव दो बार प्रधानमंत्री बनते बनते रह गए थे। पहली बार 1996 में जब वीपी सिंह ने प्रधानमंत्री बनने से इंकार कर दिया, और सीपीएम ने ज्योति बसु को प्रधानमंत्री बनने की इजाजत नहीं दी थी, तो मुलायम सिंह का प्रधानमंत्री बनना तय था, लेकिन लालू यादव और शरद यादव ने उनके नाम का विरोध कर दिया। दूसरी बार 1999 में एक वोट से वाजपेयी सरकार गिरने के बाद सोनिया गांधी ने उन्हें समर्थन देने से इंकार कर दिया और खुद प्रधानमंत्री बनने की कोशिश में लग गई।

अब फिर से उन तीन पुराने नेताओं की चर्चा करते हैं। उनमें पहला नाम है शरद पवार का, कभी उन्हें भविष्य का प्रधानमंत्री कहा जाता था। वैसे कहा तो यह जाता है कि शरद पवार ने 1999 में विदेशी मूल के मुद्दे पर कांग्रेस छोड़ी थी, लेकिन सच यह है कि एक वोट से वाजपेयी सरकार गिराने के बाद अगर सोनिया गांधी खुद प्रधानमंत्री बनने की जल्दबाजी करने के बजाए, शरद पवार या मुलायम सिंह को प्रधानमंत्री बनवाने का प्रस्ताव रखती, तो न शरद पवार कांग्रेस छोड़ कर जाते, न मुलायम सिंह यादव सोनिया का विरोध करते। न देश को 1999 का मध्यावधि चुनाव देखना पड़ता। बल्कि गैर भाजपा सरकार बन जाती। वह शरद पवार और मुलायम सिंह का अंतिम चांस था।

शरद पवार के बाद दूसरा नाम है लालू यादव, वह भी कभी प्रधानमंत्री बनने का सपना ले रहे थे। 22 जुलाई 2008 को मनमोहन सरकार के विश्वास मत पर बहस में हिस्सा लेते हुए उन्होंने खुद कहा था कि मायावती की प्रधानमंत्री बनने की इच्छा है, और उनकी खुद की भी प्रधानमंत्री बनने की इच्छा है। लेकिन उसके बाद न वह कभी केंद्र में मंत्री बन सके, न मुख्यमंत्री।

तीसरा नाम है मायावती, जिनका जिक्र लालू यादव ने अपने भाषण में किया था, लेकिन आज मायावती की हालत यह है कि उन्हें अपनी पार्टी को बचाना मुश्किल हो गया है। उत्तर प्रदेश के पिछले विधानसभा चुनाव में बसपा को सिर्फ एक सीट मिली। उत्तर प्रदेश में उनका वोट प्रतिशत भी 20 से घट कर 13 प्रतिशत से कम रह गया है। हालांकि

2019 में समाजवादी पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन के चलते वह लोकसभा की दस सीटें जीत गई थी।

आश्चर्य यह है बसपा 2014 में एक भी लोकसभा सीट नहीं जीत पाई थी, फिर भी 2019 में सपा से गठबंधन के कारण 10 लोकसभा सीटें जीतने के बाद उन्होंने यह कहते हुए गठबंधन तोड़ दिया कि सपा अपने वोट बसपा को ट्रांसफर नहीं कर सकी। जबकि बसपा को ही इस गठबंधन का फायदा हुआ था, सपा तो 2014 में भी पांच सीटें जीती थीं, 2019 में भी पांच सीटें जीती। अलबत्ता सपा को नुकसान हुआ, क्योंकि 2014 में मुलायम परिवार के चार सदस्य जीते थे, लेकिन 2014 में सिर्फ दो जीत पाए थे।

मायावती ने अब एकला चलो का स्टैंड लिया हुआ है। जबकि सपा और कांग्रेस उन्हें अपने साथ जोड़ने का भरसक प्रयास कर रहे हैं। मायावती को साथ लाने के लिए कांग्रेस अखिलेश यादव को बाहर रखने को भी तैयार है, क्योंकि उत्तर प्रदेश कांग्रेस से हाईकमान पर दबाव बना है कि अगर तीनों दलों का गठबंधन नहीं बनता, तो अखिलेश की बजाए मायावती से गठबंधन का ज्यादा फायदा होगा। इसका कारण कांग्रेस और बसपा दोनों का वोट बैंक दलित-मुस्लिम वोट ही है। अगर वह मजबूरीवश ही जुड़ गया तो यूपी में भाजपा का रथ रूक जाएगा। अगर यह गठबंधन बनता है, तो अगला प्रधानमंत्री दलित का नारा लगाया जा सकता है, क्योंकि मल्लिकार्जुन खड़गे और मायावती दोनों ही दलित हैं।

हालांकि अब तक जो राजनीति देखने को मिल रही है, उसमें इंडिया गठबंधन के नीतीश कुमार, ममता बनर्जी और केजरीवाल प्रधानमंत्री पद की रेस में हैं, और अपने पक्ष में सर्वे करवा रहे हैं। लेकिन सर्वे की रेस में विपक्ष की तरफ सबसे आगे चल रहे हैं, राहुल गांधी। ममता, नीतीश और केजरीवाल का हश्र भी पवार, मुलायम, लालू और मायावती जैसा होने जा रहा है। राहुल गांधी को सर्वे रेस में आगे देख इन तीनों ने हथियार डाल दिए हैं। तृणमूल कांग्रेस ने तो कहा ही है कि अगर कांग्रेस से कोई रेस में नहीं होगा, तो ममता बनर्जी रेस में होंगी। यानि ममता बनर्जी की ओर से बात कांग्रेस पर छोड़ दी गई है, और नीतीश कुमार तथा केजरीवाल को खारिज कर दिया गया है। चुनावों में तो अभी आठ महीने पड़े हैं, चुनावी बिगुल बजने से पहले ही ये तीनों रेस से लगभग बाहर हो गए हैं।

कांग्रेस अंतिम समय में नया तुरुप का पत्ता चलने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस का तुरुप का पत्ता प्रियंका गांधी नहीं होगी, हालांकि ऐसे संकेत मिलने शुरू हो चुके हैं कि प्रियंका गांधी अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़ेंगी। लेकिन कांग्रेस का तुरुप का पत्ता दक्षिण भारत के दलित समुदाय के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे होंगे, जो 2019 का लोकसभा चुनाव हार गए थे।

उत्तर भारत में मल्लिकार्जुन खड़गे की लोकप्रियता नाममात्र की है, उनका नाम तो तभी सामने आया, जब 2014 में सोनिया गांधी ने उन्हें लोकसभा का नेता बनाया। फिर जब वह 2019 का लोकसभा चुनाव हार गए, तो उन्हें राज्यसभा में लाकर राज्यसभा में विपक्ष का नेता बनाया गया। सोनिया गांधी इस लाईन पर लंबे समय से काम कर रहीं थी। इसीलिए मल्लिकार्जुन खड़गे को पिछले दस साल से उभारा जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष भी उन्हें इसी रणनीति के साथ बनाया गया था।

भाजपा के नेता भी इस बात से डरे हुए हैं कि अगर कांग्रेस ने मल्लिकार्जुन खड़गे का दांव चल दिया और मायावती भी खड़गे के कारण इंडिया गठबंधन में शामिल हो गई, तो सिर्फ यूपी नहीं, बल्कि देश भर की आरक्षित सीटों पर मुकाबला कड़ा हो जाएगा। 1996 से 2019 तक के सात लोकसभा चुनावों में सिर्फ 2009 का चुनाव छोड़कर बाकी छह चुनावों में भाजपा ने कांग्रेस से ज्यादा आरक्षित सीटें जीती हैं। 2014 में भाजपा कुल 161 में 66 आरक्षित सीटें जीती थी, जबकि 2019 में 74 आरक्षित लोकसभा सीटें जीती थीं।

कांग्रेस इसीलिए उत्तर प्रदेश के दलितों की सबसे बड़ी नेता मायावती के साथ चुनावी गठबंधन करना चाहती है, ताकि दक्षिण के साथ साथ उत्तर भारत के दलितों का भी समर्थन हासिल किया जा सके। मायावती भी अपनी बदली रणनीति के तहत इस समझौते में आगे बढ़ सकती है। उसकी बदली रणनीति यह है कि ज्यादा से ज्यादा राज्यों में विधायक जीता कर उन्हें राज्य सरकारों में शामिल करवाया जाए।

तमिलनाडु की जनता तलाश रही द्रविड़ राजनीति का विकल्प

आर. राजगोपालन

अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव में भी दक्षिण भारत महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। दक्षिण के छह राज्यों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए मोदी-शाह और नड्डा की तिकड़ी रणनीति बनाने में लगी है। दक्षिण की 130 लोकसभा सीटों में भाजपा कितनी सीटें जीत पाती है, यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन भाजपा सबसे ज्यादा जोर तमिलनाडु में लगा रही है, जहां उत्तर भारतीय मतदाताओं की बड़ी आबादी है। पिछले लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु में द्रमुक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 39 सीटों में से 38 सीटों पर कब्जा जमाया था। भाजपा उस हार को भूली नहीं है। इसलिए इस बार तमिलनाडु में द्रमुक की राजनीति को मात देकर वहां वह हिंदुत्व का परचम लहराना चाहती है। यह लक्ष्य पाने के लिए गृहमंत्री अमित शाह ने कुछ भी करने का संकेत दिया है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए भी तमिलनाडु में भाजपा का प्रदर्शन अहम है। पिछले पांच साल के दौरान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों से उन्होंने कम से कम 2,500 बार तमिलनाडु का उल्लेख किया है। इस दौरान विदेशी मेहमानों को सम्मानित करते समय ज्यादातर समय तमिनलाडु के कलाकारों को याद किया गया है। वाराणसी में एक महीने तक चला काशी-तमिल संगमम कार्यक्रम वस्तुतः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिमाग की उपज था। यह आकस्मिक नहीं है कि प्रधानमंत्री ने सौराष्ट्र-तमिल संगमन समारोह भी आयोजित किया। सैकड़ों साल पहले गुजरातियों और मराठियों के दक्षिण भारत के तमिनलाडु में बस जाने की याद में यह त्योहार मनाया जाता है। इसे भी नहीं भूलना चाहिए कि वर्ष 2009 में श्रीलंका के जाफना में हुए तमिलों के नरसंहार के बाद वहां पहुंचने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं। उतना ही महत्वपूर्ण यह है कि पिछले दिनों मणिपुर के मुद्दे पर विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कच्चातीवू का जिक्र किया, जो तमिलनाडु के पास एक द्वीप है, और जिसे कांग्रेस की सरकार ने श्रीलंका को दे दिया था। इसी तरह लोकसभा में बहस के दौरान वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 1989 में तमिलनाडु की विधानसभा में हुई उस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का जिक्र किया, जब द्रमुक के विधायकों ने जयललिता की साड़ी खींच ली थी। वित्तमंत्री द्वारा इस घटना के जिक्र पर क्षुब्ध होकर द्रमुक के सांसदों ने सदन से वॉकआउट करने में ही अपनी भलाई समझी। उल्लेखनीय है कि केंद्र की मोदी सरकार ने जिन दो रक्षा गलियारों (डिफेंस कॉरिडोर) को मंजूरी दी है, उनमें से एक उत्तर प्रदेश में है और दूसरा तमिलनाडु में। भाजपा की इन राजनीतिक पहलकदमियों को आखिर क्या कहेंगे? इसका अर्थ यह है कि तमिलनाडु की राजनीति में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए भाजपा गंभीर है और वह तमिलनाडु के युवाओं में राष्ट्रवाद का प्रसार करना चाहती है। बिहार के एक आईपीएस अधिकारी एनआर रवि को राज्यपाल बनाकर तमिलनाडु में भेजे जाने के राजनीतिक निहितार्थ थे। और राज्यपाल काफी समय से राज्य की द्रमुक सरकार से विभिन्न मोर्चे पर टकराकर एक संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं। तमिलनाडु में भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई द्वारा %एन मान-एन मक्कल% (मेरी मिट्टी-मेरी जनता) अभियान के तहत 120 दिनों की पदयात्रा का भी, जो राज्य की सभी 234 विधानसभा सीटों से होकर गुजरने वाली है, ठोस राजनीतिक संदेश है। तमिलनाडु में भाजपा की महत्वाकांक्षाओं पर विचार करते हुए यह जानना भी महत्वपूर्ण है कि योगी आदित्यनाथ की छवि वहां एक नायक की है। आज अगर वहां भाजपा के दो विधायक हैं, तो उसका श्रेय योगी को जाता है। गौरतलब है कि जेलर तमिलनाडु के सुपर स्टार रजनीकांत की नई फिल्म है, जिसे उनकी 286वीं फिल्म बताई जा रही है। जेलर के प्रचार के लिए रजनीकांत ने हिंदी प्रदेश के लोगों के बीच जाना जरूरी समझा और इसी के तहत उन्होंने हाल ही में उत्तराखंड, झारखंड और उत्तर प्रदेश का दौरा किया। लखनऊ आने पर उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और हिंदी प्रदेश की परंपरा के अनुरूप उनके पैर छुए। ट्विटर समेत दूसरे सोशल मीडिया पर यह फोटो दिखते ही द्रविड़ और वाम उदारवादी लोग रजनीकांत पर टूट पड़े।

सपा के साथ कांग्रेस ने की बड़ी डील! घोसी से चला दांव

आशीष तिवारी

उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने आखिरकार समाजवादी पार्टी के साथ एक बड़ी डील कर ली। यह डील हुई है घोसी के उपचुनाव में समाजवादी पार्टी को समर्थन देकर। इसे विपक्षी गठबंधन इंडिया को मजबूत करने के लिए लिहाज से देखा जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि समाजवादी पार्टी को कांग्रेस की ओर से दिए जाने वाले समर्थन के बाद अब बारी आने वाले लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की है। जिसमें समाजवादी पार्टी को अब बड़ा फैसला कांग्रेस के लिए छोड़ी जाने वाली सीटों के तौर पर लिया जाना है। सियासी गलियारों में चर्चाएं इसी बात की हो रही हैं कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की जो स्थिति है उसमें समाजवादी पार्टी संभव है कांग्रेस के मन मुताबिक सीटें न छोड़े। लेकिन घोसी में कांग्रेस के समर्थन से अब समाजवादी पार्टी पर दवाब पड़ने की बात कही जा रही है। घोसी में 5 सितंबर को होने वाले उपचुनाव से एक साथ कई सियासी तीर निशाने पर लगाए जा रहे हैं। सबसे बड़ा सियासी तीर कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी को कांग्रेस ने समर्थन देकर छोड़ा है। राजनीतिक विश्लेषक अरुण सिंह कहते हैं कि कांग्रेस का समाजवादी पार्टी को समर्थन देना सीधे तौर पर घोसी चुनाव को रोचक बना रहा है। वह कहते हैं कि आज के सियासी परिदृश्य में कांग्रेस का उत्तर प्रदेश में उतना जनाधार नहीं है जितना की अन्य पार्टियों का है, लेकिन समर्थन देकर कांग्रेस ने एक माहौल बनाने का काम जरूर किया है। अरुण सिंह कहते हैं यह माहौल ह्ष्ठ वर्सेज ढ्ढ.ह्र.ष्ठ.ढ्ढ. के तौर पर सामने आया है। घोसी के उपचुनाव में राष्ट्रीय लोकदल ने भी समाजवादी पार्टी को समर्थन देकर ढ्ढ.ह्र.ष्ठ.ढ्ढ. गठबंधन को इस उपचुनाव में मजबूत किया है। सियासी जानकारों का मानना है कि अब घोसी के उपचुनाव में जो लड़ाई लड़ी जा रही है वह 2024 के लिए तैयार हुए दो बड़े गठबंधनों के बीच की लड़ाई हो गई है। वरिष्ठ पत्रकार दिवाकर सिंह कहते हैं कि लोकसभा के चुनाव में अगर इसी गठबंधन के सहारे सीटों का बंटवारा होता तो कांग्रेस को मन मुताबिक सीट मिलने का अनुमान न के बराबर ही लगाया जा रहा है। ऐसे में कांग्रेस ने दो बहुत अहम सियासी फैसले किए। दिवाकर कहते हैं पहले तो कांग्रेस ने अपने प्रदेश अध्यक्ष को बदलकर नए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के साथ उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सियासत को गर्म करने का काम शुरू कर दिया। दूसरा समाजवादी पार्टी को घोसी के उपचुनाव में अपना समर्थन दे दिया। वह कहते हैं कि अब कांग्रेस के पास आने वाले लोकसभा चुनाव में इसी गठबंधन के आधार पर समाजवादी पार्टी के साथ मन मुताबिक तरीके से सीटों के बंटवारे को लेकर खुलकर चर्चा की उम्मीद बढ़ गई है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि कांग्रेस ने घोसी में समर्थन देकर एक तरह से समाजवादी पार्टी के साथ वह बड़ी डील की है जिसके आधार पर आगे के कुछ और सियासी फैसले किए जा सकें। इन फैसलों में कांग्रेस के लिए सबसे महत्वपूर्ण लोकसभा चुनाव में, अगर इसी गठबंधन के आधार पर चुनाव लड़ा जाता है तो, समाजवादी पार्टी की ओर से छोड़ी जाने वाली सीटें ही होगी। वरिष्ठ पत्रकार दिवाकर सिंह कहते हैं कि कांग्रेस ने पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव के बाद के उपचुनाव में बहुत सक्रियता नहीं दिखाई। कांग्रेस अब इसी गठबंधन के सहारे अब उत्तर प्रदेश में न सिर्फ बड़ा संदेश देने की तैयारी कर चुकी है बल्कि समाजवादी पार्टी को भी एक तरह से गठबंधन में साथ रहकर आगे के लिए बड़ी साझेदारी का सियासी रोड मैप भी तैयार किया है।

स्कूल को चुनावी प्रयोगशाला बनाने पर तुले हैं विपक्षी दल

राकेश त्रिपाठी

चिंगारी का खेल बुरा होता है। विशेष तौर पर जहां ज्वलनशील पदार्थ हो वहां चिंगारी जानलेवा हो सकती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के हालात कुछ इसी प्रकार के हैं विशेष कर मुजफ्फरनगर। देश भूला नहीं है वर्ष 2013 में कवाल गांव में सचिन और गौरव की बहन के साथ छेड़खानी की घटना हुई थी जिसका विरोध करने पर सचिन और गौरव की पीट पीट कर हत्या हो गई। हत्यारों पर कार्रवाई ना किये जाने से आक्रोश उन्माद में तब्दील हो गया और एक ऐसा मामला जो मजबूत कानून व्यवस्था से रोका जा सकता था, सांप्रदायिक दंगे में बदल गया।

60 से अधिक लोगों की जान गई, सैंकड़ो लोगों के मकान जले, लोगों के रोजी रोजगार गए, हजारों लोगों को शरणार्थी जीवन बिताना पड़ा। दंगे की इस त्रासदी को हिंदू और मुसलमान दोनों ने झेला। मुजफ्फरनगर दंगे से आसपास के कई जिले प्रभावित हुए। तत्कालीन अखिलेश सरकार की मजहबी तुष्टिकरण की नीति ने दंगों की आग पर पानी डालने के बजाय पेट्रोल छिड़का। कर्फ्यू लगा, कई बेगुनाह जेल भेजे गए, भाजपा के दो विधायकों पर गलत ढंग से रासुका तामील करने की कोशिश की। इन सारे कारणों से बात बनने की बजाय और बिगड़ती गयी। वक्त सबसे बड़ा मरहम होता है, वक्त बीता और जख्म धीरे-धीरे सूखने लगे। उत्तर प्रदेश में सत्ता का परिवर्तन भी हो गया।

योगी आदित्यनाथ के रूप में उत्तर प्रदेश में एक ऐसा सफल प्रशासक मिला जिसने मजहबी तुष्टिकरण की नीति को पूरी तरह से धूल-धूसरित कर दिया। कानून व्यवस्था के सख्त प्रभाव के कारण उत्तर प्रदेश से सांप्रदायिक दंगे पूरी तरह से समाप्त हो गए। ना केवल कांवड़ यात्रा में डीजे पर लगी रोक हटी बल्कि सुगम कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कर जनमानस का भरोसा भी जीता गया। बिना भेदभाव के मंदिर और मस्जिद दोनों से ध्वनि विस्तारक यंत्र हटवाए गए। समाज में भरोसा स्थापित हुआ कि अगर कोई गलत करेगा तो कानून बिना जाति मजहब की परवाह किए कठोरता से कार्रवाई करेगा। कानूनी कार्यवाही में राजनीतिक हस्तक्षेप बंद हुआ और इसके सफल परिणाम उत्तर प्रदेश की जनता ने महसूस किये। पिछले 6 वर्षों में उत्तर प्रदेश में किसी भी जिले में

कर्फ्यू नहीं लगाना पड़ा। जहां किसी ने भी दंगा करने की चेष्टा की, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया, वहां ना केवल बुलडोजर चलाकर ऐसे दंगाइयों के हौसलों को ध्वस्त किया बल्कि नुकसान की वसूली कराकर एक नज़ीर स्थापित कर दी। इसी कारण से 2022 के विधानसभा चुनाव में कानून व्यवस्था का विषय उत्तर प्रदेश में सकारात्मक मुद्दे के तौर पर उभर कर सामने आया और यह योगी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि बना।

लेकिन यह बात विपक्षी दलों को रास नहीं आ रही। इसीलिए विपक्षी दल हर संभव प्रयास कर रहे हैं कि उत्तर प्रदेश की इस शांत फिजा में कैसे मजहबी रंग घोला जाये। सपा, बसपा और कांग्रेस ने अपने कई महारथियों को बाकायदा इस मिशन पर लगा रखा है जो लगातार अपनी बदजुबानी से सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ने का भरपूर प्रयास करते हैं। कभी हिंदू देवी देवताओं, साधु संतों, ग्रंथों और पुराणों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हैं तो कभी मुसलमानों को भी बरगलाने व भड़काने वाले बयान देते हैं। लेकिन विपक्ष के सभी प्रयास विफल हुए हैं, अफवाह तंत्र टूटा है। लेकिन विपक्ष है कि बाज ही नहीं आता।

मौजूदा मुजफ्फरनगर के घटनाक्रम में भी ऐसे ही अफवाह तंत्र का सहारा लिया जा रहा है। मुजफ्फरनगर के एक निजी पब्लिक स्कूल में घटित एक सामान्य-सी घटना पर पूरा विपक्ष एकजुट होकर हमलावर हो गया। मुजफ्फरनगर संवेदनशील है, 2013 के गहरे घाव उभरते के फिर प्रयास किये जा रहे हैं। विकलांग शिक्षिका की एक गलती के आवरण में फिर षड्यंत्र बुना जा रहा है। नई शिक्षा नीति के तहत क्लासरूम में बच्चों की पिटाई पूरी तरह प्रतिबंध की गई है। इस मामले में भी यह अपराध हुआ है। पिटने वाला छात्र है और पीटने वाले भी छात्र हैं। शिक्षिका के निर्देश पर छात्रों द्वारा छात्र की पिटाई को कोई भी वाजिब नहीं ठहरा सकता। यह कृत्य निंदनीय है और दंडनीय भी।

लेकिन इस पूरे घटनाक्रम के कई तथ्यों को जानबूझकर छिपाने का प्रयास किया गया। मसलन वायरल वीडियो पिटने वाले छात्र के चाचा नदीम द्वारा ही बनाया जा रहा है। पीटने वाले छात्र हिंदू और मुसलमान दोनों ही हैं। होमवर्क पूरा ना करने और पढ़ाई में लापरवाही करने पर बच्चे को टाइट करने का आग्रह पिटने वाले बच्चे के परिजनों के द्वारा ही किया गया था। बावजूद इसके बच्चों की पिटाई को किसी भी स्थिति में न्यायोचित नहीं माना जा सकता, यह बात अलग है कि पढ़ाने वाले शिक्षकों ने अपनी पढ़ाई के दौरान अपने शिक्षकों से पिटाई झेली है। लेकिन इस पूरे मामले में कोई मजहबी एंगल नहीं था। इससे पहले भी पूरे गांव में कभी भी किसी ने मजहबी भेदभाव की कोई शिकायत नहीं की है जबकि विद्यालय में दोनों ही मजहब के विद्यार्थी पढ़ते हैं। चिंगारी का खेल खेलने वालों के लिए इस बार विद्या का मंदिर स्कूल चुनाव की प्रयोगशाला बन गया है।

मध्यप्रदेश में चलेगा कांग्रेस का हिंदू कार्ड? कमलनाथ के बदले रुख की वजह

अवधेश कुमार

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश में पार्टी की चुनावी कमान संभाल रहे कमलनाथ की एक तस्वीर इन दिनों वायरल है, जिसमें वह एक भक्त हिंदू की तरह पूरे कपाल पर चंदन का लेप लगाए, हाथ जोड़े, कंधे पर लाल गमछा डाले दिख रहे हैं। तस्वीर अहम इसलिए भी हो गई है कि कमलनाथ के नेतृत्व में मध्य प्रदेश कांग्रेस आजकल स्वयं को सच्ची हिंदुत्ववादी पार्टी साबित करने की हर संभव कोशिश कर रही है। हिंदुत्व के मोर्चे पर वक्तव्य और व्यवहार में वह इतने मुखर हैं, जितने बीजेपी के नेता भी नहीं। कमलनाथ ने बागेश्वर धाम के बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा का आयोजन अपने निर्वाचन क्षेत्र छिंदवाड़ा में करवाया। धीरेंद्र शास्त्री आह्वान कर रहे हैं कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना है। कमलनाथ से पूछा गया कि क्या आप भारत को हिंदू राष्ट्र मानते हैं तो उन्होंने कहा कि लेकिन इसे कहने की क्या जरूरत है। यही नहीं, मध्य प्रदेश कांग्रेस ने धर्म प्रकोष्ठ इकाई का भी गठन किया है और उसने पुजारियों और संतों का सम्मेलन भी आयोजित किया है।

इन्हीं प्रयासों के मद्देनजर मध्य प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ मुस्लिम नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अजीज कुरैशी ने कहा कि वोट के लिए कांग्रेस नेता हिंदुत्व की माला जप रहे हैं और ऐसे नेताओं को चुल्लू भर पानी में डूब मरना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस सहित सभी पार्टियां अच्छी तरह समझ लें कि मुसलमान आपका गुलाम नहीं है कि जो कुछ कह देंगे, उसका पालन हो जाएगा।

साफ है कि मुस्लिम वोटों की लगातार चिंता करने वाली कांग्रेस उनकी नाराजगी मोल लेते हुए भी हिंदुत्व पर मुखर है। इसका अर्थ हुआ कि संघ परिवार और बीजेपी के हिंदुत्व अभियानों ने वोटरों की सोच को इतना बदल दिया है कि खुद को लिबरल- सेकुलर बताने वाले नेता और दल अब स्वयं को निष्ठावान हिंदू और हिंदुत्ववादी साबित करने में लग गए हैं। कई कारणों से चुनाव में उन पार्टियों को सफलताएं भी मिली हैं। इससे कुछ हलकों में यह राय बन रही है कि हिंदुत्व की जमीन पर भी बीजेपी को कमजोर किया जा सकता है। लेकिन क्या सचमुच कांग्रेस या दूसरी पार्टियां हिंदुत्व की राजनीति में उस पायदान पर खड़ी हो सकती हैं, जहां बीजेपी है? ऐसा मानना मुश्किल है और इसकी ठोस वजहें भी हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हिंदुत्व के विचार से निकला संगठन है। बीजेपी इस विचारधारा से निकली पार्टी है। कांग्रेस और अन्य दलों के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। चुनावी दृष्टि से स्वयं को निष्ठावान हिंदू कहना और हिंदुत्व के कुछ मुद्दों पर आक्रामक होना विचारधारा में सहभागी होने का प्रमाण नहीं हो सकता। अगर कांग्रेस सचमुच स्वयं को हिंदुत्व का पैरोकार

मानती है तो उसे दिखाना होगा कि बीजेपी जिन मुद्दों और विषयों पर खुलकर सामने आती है, वह भी उसी तरह आ सकती है। लेकिन वह ऐसा नहीं करती, कुछ उदाहरण देखिए।

केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म कर दिया। राहुल गांधी और अन्य नेता कहते हैं कि उनकी सरकार आई तो 370 लागू करेंगे। यह हिंदुत्व प्रेरित राष्ट्रवाद की परिधि में नहीं आ सकता। काशी और मथुरा की कानूनी लड़ाई में भले बीजेपी सामने न हो, लेकिन उसे यह कहने में हर्ज नहीं है कि दोनों पहले मंदिर थे और उन्हें फिर मंदिर होना चाहिए। क्या कांग्रेस ऐसा कहने का साहस करेगी? बीजेपी समान नागरिक संहिता लागू करना चाहती है, लेकिन क्या कांग्रेस के हिंदुत्व में इसके समर्थन की गुंजाइश है? बीजेपी ने एक साथ तीन तलाक को कानूनी रूप से खत्म कर दिया। कांग्रेस ने संसद में विरोधी मुस्लिम संगठनों और नेताओं की तरह ही इसके विरुद्ध स्टैंड लिया था। क्या कांग्रेस का स्टैंड अब बदल गया है? बीजेपी मानती है कि भारत के मुसलमानों के पूर्वज हिंदू थे। क्या कांग्रेस भी मुसलमानों के बारे में यही सोच रखती है? समझना होगा कि हिंदुत्व विचारधारा मंदिरों में आस्था और पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। एक नास्तिक भी हिंदू हो सकता है और वह हिंदुत्ववादी कहला सकता है। आज का भारत पहले का नहीं है जिसमें कि आप हिंदुत्व विचारधारा के नाम पर लोगों में भ्रम पैदा कर दें। कई गलत धारणाएं पिछले आठ-नौ वर्षों में ध्वस्त हुई हैं।

पहला, आम धारणा यह बनाई गई थी कि हिंदू शब्द भारतीय धर्म ग्रंथों में नहीं है, यह अरबों द्वारा दिया गया है। शोधकर्ताओं ने बता दिया कि शुक्ल यजुर्वेद से लेकर अनेक धर्म ग्रंथों में सदियों से हिंदू शब्द का उल्लेख है। दूसरा, इतिहास में मुगल काल, सल्तनत काल और कुछ शासकों को महान बताए जाने के विरुद्ध इतने प्रमाण और तथ्य शोधकर्ताओं ने दिए हैं कि अब भारत के इतिहास को देखने का दृष्टिकोण व्यापक रूप में बदल चुका है। तीसरा, एक समय विश्व गुरु शब्द लोगों को फासीवादी लगता था, लेकिन धीरे-धीरे भारत के प्राचीन इतिहास, हिंदुत्व के दर्शन को समझने वाले मानने लगे हैं कि भारत में ही वह अद्भुत क्षमता है कि विश्व का मार्गदर्शन कर सके। हिंदुओं का सामूहिक मनोविज्ञान बदलने के और भी बहुत सारे सबूत मिल जाएंगे। ऐसे जागरूक होते सामूहिक जनमानस के बीच केवल कथा कराने और चंदन लगाने से लोग यह नहीं मान लेंगे कि आप हिंदुत्व के अनुगामी हैं। वैसे संसदीय लोकतंत्र में राजनीति सर्वोपरि है और हर नेता, पार्टी का दायित्व है कि वह विचारधारा को लेकर ईमानदार रहे, उसे सिर्फ चुनावी रणनीति तक सीमित न रखे।

तारा सुतारिया को मिली 'बड़ी सीख'

वर्ष 2019 में फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बतौर हीरोइन अपना फिल्मी करियर शुरू करने वाली तारा सुतारिया ने अब तक के करियर में 'मरजावां', 'तड़प', 'हीरोपंती 3' से लेकर 'एक विलेन रिटर्न्स' तक कुल 5 फिल्मों में काम किया है।

हालांकि, कैमरे का सामना करने का उसका अनुभव इससे कहीं लम्बा है। दरअसल, फिल्मों से पहले उसने बतौर बाल कलाकार टी.वी. सीरियल्स में काम किया था। यही नहीं, तारा ने बतौर सिंगर ऋतिक रोशन की फिल्म 'गुजारिश', आमिर खान की फिल्म 'तारे जमीन पर' में गाने भी गाए हैं।

मनोरंजन जगत में अपनी अब तक की यात्रा पर वह कहती है, ₹यह एक बहुत दिलचस्प यात्रा रही है, अब 5-6 साल हो गए हैं लेकिन बहुत कुछ सीखना बाकी है। बहुत से उतार- चढ़ाव रहे हैं लेकिन मैं आभारी हूं कि चढ़ाव मेरे करियर में उतार से अधिक रहे हैं।

वह कहती है कि उसके लिए उतार-चढ़ाव का सामना करना आसान नहीं। उसने कहा, मैं एक बहुत संवेदनशील इंसान हूं इसलिए यह आसान नहीं। जब चीजें व्यक्तिगत हो जाती हैं तो मैं ज्यादा प्रभावित होती हूं। मुझे लगता है कि जब आप किसी के साथ संबंध बनाते हैं, भले ही वह काम से संबंधित ही क्यों न हो, मैं उन लोगों से बहुत आसानी से जुड़ जाती हूं, जो मेरे लिए कुछ मायने रखते हैं।

करियर में की गलतियों पर उसका कहना था, मुझे लगता है कि मैंने अपनी अंतरात्मा और अंतर्ज्ञान से जो विकल्प चुने हैं, वे मेरे लिए सही हैं। मुझे लगता है कि किसी स्तर पर मैं शायद अपने मन के विरुद्ध गई हूं। आप जानते होंगे कि जब आप युवा होते हैं तो आपको बहुत से लोग, शुभचिंतक और अच्छे इरादे वाले लोग सलाह देते हैं और कभी-कभी आप उनकी राय से सहमत नहीं होते लेकिन सामने वाले की बात पर भरोसा करते हैं और फैसले पर आगे बढ़ते हैं। यही वह सीख है जो मुझे मिली है। कोई काम बुनियादी स्तर पर ही मुझे अच्छा नहीं महसूस हो रहा है तो आगे चल कर भी वह सही नहीं होगा।

इंडस्ट्री में होने चाहिएं और बदलाव

क्या उसे लगता है कि आज अभिनेत्रियां अधिक अच्छी स्थिति में हैं, पर उसने कहा, ₹मुझे लगता है कि समय थोड़ा बदल गया है लेकिन सिनेमा में महिलाओं के लिए और भी कई बदलाव लाने की जरूरत है। मुझे लगता है कि समान वेतन एक ऐसी चीज है जिसके बारे में हमें वास्तव में और अधिक चर्चा करने की जरूरत है।

यह काफी नहीं है कि केवल एक या दो अभिनेत्रियां इसके बारे में बोलती हैं क्योंकि यह बहुत ही बड़ा मुद्दा है और मुझे लगता है कि जो कुछ भी बुरा व अनुचित है, । उसके बारे में चर्चा की जानी चाहिए।

कहा तो बहुत जाता है कि महिला-पुरुष बराबर हैं, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि अक्सर पुरुषों को ज्यादा महत्व मिलता है। अभिनेत्रियों के लिए ऐसे शब्द इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनमें उनके हुनर का जिक्र नहीं होता, बस खूबसूरती का बखान किया जाता है। फिल्मों के जरिए हम इस सोच को बदलने की कोशिश कर रहे हैं।

जब आप युवा होते हैं तो आपको बहुत से लोग, शुभचिंतक और अच्छे इरादे वाले लोग सलाह देते हैं और कभी-कभी आप उनकी राय से सहमत नहीं होते लेकिन सामने वाले की बात पर भरोसा करते हैं और फैसले पर आगे बढ़ते हैं।

डीडीएलजे रीमेक के लिए परफेक्ट हैं आर्यन और नीसा : कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा

शाहरुख खान स्टारर मल्टीस्टारर फिल्म 'जवान' की कास्टिंग बॉलीवुड के मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने की है। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब मुकेश से पूछा गया कि जवान की कास्टिंग के दौरान शाहरुख ने क्या इनपुट्स दिए थे? तो उन्होंने कहा कि शाहरुख कभी भी डायरेक्टर के विजन में दखल नहीं करते। इसके अलावा मुकेश ने कहा कि शाहरुख और काजोल की सुपरहिट फिल्म डीडीएलजे के रीमक के लिए उनके बच्चे आर्यन और नीसा ही परफेक्ट कास्टिंग हैं।

डायरेक्टर को देते हैं किंग जैसा फील

मुकेश ने कहा, 'भले ही शाहरुख इस फिल्म के प्रोड्यूसर थे पर उन्होंने कास्टिंग में कभी कोई दखलंदाजी नहीं की। शाहरुख कभी भी डायरेक्टर के विजन में भी दखल नहीं करते। वो डायरेक्टर को अपने फैसले खुद लेने देते हैं। वो अपने साथ काम करने वाले डायरेक्टर को एकदम किंग जैसा फील करवाते हैं।'

डीडीएलजे रीमेक के लिए आर्यन और नीसा परफेक्ट

वहीं जब मुकेश से पूछा गया कि 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' डीडीएलजे के रीमेक के लिए वो किसे कास्ट करना चाहेंगे तो उन्होंने कहा, 'आर्यन बहुत चार्मिंग है। वो कमाल का एक्टर भी है। रीमेक में शाहरुख की जगह ले सकता है। वहीं काजोल का रोल खुद उनकी बेटी नीसा देवगन प्ले कर सकती हैं। वो बेहद खूबसूरत हैं और एक्टिंग करने के लिए तैयार हो रही हैं।' इसी इंटरव्यू में मुकेश ने बताया कि अगर लोगों को लगता है कि 'जवान' मशहूर वेब सीरीज 'मनी हाइस्ट' की रीमेक है तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। यह एक ऐसी फिल्म है जिसे देखकर आप बोलेंगे.. क्या तो देख लिया है।

अदा शर्मा ने खरीदा सुशांत का खाली पड़ा फ्लैट!

बोलीं- जल्द सबको मीठा खिलाऊंगी; हिस्ट्री जानकर फ्लैट लेने से डरते थे लोग

एक्ट्रेस अदा शर्मा ने दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत का फ्लैट खरीद लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अदा जल्द ही उसमें शिफ्ट हो जाएंगी। एक्ट्रेस ने इस पर रिएक्शन भी दिया है। अदा ने कहा कि वे जब भी इसे फाइनलाइज करेंगी, सबसे पहले मीडिया को इसकी खबर देंगी।

अदा से पूछा गया कि क्या उन्होंने सुशांत का फ्लैट खरीदा है। जवाब में उन्होंने कुछ क्लियर जवाब नहीं दिया, लेकिन इतना जरूर कहा कि ऐसा कुछ भी होता है, तो वो सबका मुंह जरूर मीठा कराएंगी। हालांकि अदा की इस बात से साफ होता है कि उन्होंने यह डील पक्की कर ली है।

अदा की टीम ने किया कन्फर्म, कब शिफ्ट होंगी इसकी जानकारी नहीं

अदा शर्मा की फिल्म द केरला स्टोरी इस साल की सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्मों में से एक रही। फिल्म ने तकरीबन 250 करोड़ रुपए का डोमेस्टिक कलेक्शन किया था। इस फिल्म में अदा के काम की काफी तारीफ की गई। अब वे सुशांत के फ्लैट को खरीदने को लेकर सुर्खियों में हैं। खबर आई है कि अदा ने सुशांत का बांद्रा वेस्ट वाला घर खरीद लिया है। निधन के पहले तक सुशांत इसी फ्लैट में रहते थे। उन्होंने खबर की पुष्टि के लिए अदा की टीम से संपर्क किया। अदा की टीम का कहना है कि यह खबर सच है। हालांकि एक्ट्रेस वहां शिफ्ट कब होंगी, इसकी कोई जानकारी नहीं है।

सुशांत के फ्लैट के लिए किराएदार नहीं मिल रहे थे

सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद से ही उनका फ्लैट खाली

पड़ा हुआ था। कोई भी किराएदार उस फ्लैट को लेने के लिए तैयार नहीं है। लोगों को जब पता चलता है कि इस फ्लैट पर सुशांत ने सुसाइड किया था तो रेंट पर लेना तो दूर, कोई घर को देखने तक नहीं आता। मुंबई बेस्ड एक प्रॉपर्टी ब्रोकर रफीक मर्चेंट ने कुछ महीने पहले सुशांत के फ्लैट के कुछ वीडियोज और फोटोज शेयर किए थे।

रफीक ने इसके साथ एक कैप्शन भी लिखा था- 'इस फ्लैट को लेने वाला कोई किराएदार नहीं मिल रहा है। जब भी इसे कोई लेना चाहता है, तो इस फ्लैट की हिस्ट्री जानते ही मना कर देता है। लोग इस फ्लैट को लेने में डरते हैं।'

सुशांत इस फ्लैट के लिए 4.51 लाख खर्च करते थे

14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत ने अपने इसी फ्लैट में सुसाइड कर लिया था। सुशांत की डेथ के बाद से ये घर खाली पड़ा है। समन्दर किनारे अपार्टमेंट के इस फ्लैट में चार बड़े रूम हैं। इसमें एक बड़ा हॉल और एक ड्राइंग रूम है। सुशांत इस फ्लैट का हर महीने 4.51 लाख किराया देते थे।

तमन्ना के जिंदगी में आने से बदली सोच

किसी एक्ट्रेस को डेट नहीं करना चाहते थे विजय वर्मा : बोले- इंडस्ट्री के लोगों से नाराज था

विजय वर्मा ने हाल ही में एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर बात की। विजय ने बताया कि जब उन्होंने शुरुआत की थी तो उन्होंने सोचा था कि वह कभी किसी एक्ट्रेस या इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को डेट नहीं करेंगे। क्योंकि वह उस वक्त इंडस्ट्री से काफी नाराज थे। हालांकि, एक्टर ने कहा कि तमन्ना को देखने के बाद से उनका नजरिया काफी बदल गया है।

फिल्म कंपेनियन को दिए इंटरव्यू में विजय ने कहा- जब मैंने इंडस्ट्री में शुरुआत की थी, तब मैंने सोचा था कि मैं कभी किसी एक्ट्रेस या इंडस्ट्री से जुड़े किसी शख्स को डेन नहीं करूंगा। ऐसा इसलिए था क्योंकि शायद मैं इंडस्ट्री से बहुत नाराज था। विजय ने आगे कहा- 'जब हमने एक-दूसरे को जानना शुरू किया, तो मुझे महसूस हुआ कि किसी ऐसे शख्स का आपकी जिंदगी में होना बहुत जरूरी है, जो आपका काम जानता होगा। जो आपके प्रोफेशन को जानता हो, जो आर्टिस्टिक, क्रिएटिव, लॉजिकल और प्रोफेशनल है। एक ऐसा शख्स जो फिल्म मेकिंग की प्रोसेस को समझता हो।'

उनके काम, एक्सपीरियंस और अच्छी समझ से बहुत मदद मिलती है: विजय

विजय ने बताया कि तमन्ना की मौजूदगी के बाद उनका नजरिया कैसे बदल गया है और इससे उन्हें काफी मदद भी मिलती है । उन्होंने कहा- उनका एक्सपीरियंस, अच्छा काम और अच्छी समझ से वाकई मुझे बहुत मदद मिलती है। कई चीजों में उनका नजरिया बहुत अलग है। कभी-कभी मैं कई चीजों को लेकर परेशान होता हूं, कुछ बातों को लेकर सोचता रहता हूं। ऐसे में वो चीजों को लेकर मेरा नजरिया बनाती हैं, जिससे मुझे मदद मिलती है।

विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। करीब 2 महीने पहले एक इंटरव्यू में विजय ने अपने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर बात भी की थी। उन्होंने कहा कि वो तमन्ना के साथ सिर्फ खुश नहीं हैं, बल्कि उनसे पागलों की तरह प्यार करते हैं। तमन्ना और विजय हाल ही में 'लस्ट स्टोरीज 2' में एक साथ नजर आए थे। उनकी मुलाकात भी शूटिंग के सेट पर हुई थी। विजय और तमन्ना अक्सर अपने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर बात करते हैं। दोनों एक-दूसरे के काम की तारीफ भी करते हैं।

गोवा में किस करते फोटो वायरल हुआ था

तमन्ना और विजय की रिलेशनशिप की खबरें सबसे पहले तब उड़ीं जब दोनों की एक फोटो वायरल हुई। ये फोटो न्यू ईयर के मौके पर ली गई थी। फोटो में दोनों एक दूसरे को किस करते नजर आए थे। उसके बाद दोनों कई पार्टीज और इवेंट्स में साथ देखे गए। दोनों को कई बार एक ही कार में लंच और डिनर के लिए निकलते भी देखा गया गया था।

धीरे-धीरे बाहर निकलती गई 'मैं डर से' : तृप्ति डिमरी

'लैला मजनू', 'बुलबुल' और 'कला' जैसी फिल्मों के साथ तृप्ति डिमरी ने दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई है। करियर की शुरुआत में ही तृप्ति अपनी फिल्मों के चुनाव को लेकर काफी सतर्क दिखती। है।

अभी तक के अभिनय सफर पर तृप्ति कहती है, मैं बहुत संतुष्ट हूं और बहुत लक्की फील करती हूं कि मुझे जिस तरह का काम करना था, वह मुझे मिल रहा है। मुझे जो चीजें सीखनी थीं, वे मैं सीख रही हूं। सही लोग मिल रहे हैं, जो मुझे आगे बढ़ते देखना चाहते हैं, जो मेरे साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। खासकर इसीलिए भी, क्योंकि यह अभी मेरी शुरुआत है। शुरुआत में ही यदि आपको अच्छा काम करने को मिल जाए तो काफी मोटिवेशन मिलता है। अच्छे लोग मिल जाएं तो एक बहुत बड़ा तनाव खत्म हो जाता है। बाकी हिट, फ्लॉप तो करियर का हिस्सा हैं, वे तो होंगे ही।

क्या वह हमेशा से अभिनेत्री ही बनना चाहती थी, पर उसने कहा, मैं पढ़ने में कभी अच्छी नहीं थी, तो मुझे पता था कि मुझे कुछ और करना है, लेकिन यह नहीं सोचा था कि क्या करना है। धीरे-धीरे मेरे लिए रास्ता खुद ही बनता गया। मेरे भाई का दोस्त है, जो फोटोग्राफर है, उसने एक दिन यूं ही कहा कि टेस्ट शूट करते हैं तो हमने वह किया। उसने ही मेरी तस्वीरें कहीं भेजीं। फिर वहां से मुझे प्रिंट शूट्स मिलने शुरू हुए। वहां से उन्होंने तस्वीरें कहीं और भेजीं, फिर ऑडिशन के कॉल आने शुरू हुए। तो शुरुआत ऐसे हुई। समय के साथ मुझे अभिनय से प्यार हो गया और फिर मैंने महसूस किया कि मैं यही तो करना चाहती हूं।

'शुरुआत थोड़ी मुश्किल थी। 'लैला मजनू' की रिलीज के बाद भी थोड़ा संघर्ष था। दो साल तक कोई काम नहीं मिला था। कुछ दिन ऐसे होते थे, जब सोचती थी कि अब आगे क या , कै से करना है ले कि न को ई आइडिया नहीं था। मेरे अंदर काफी सवाल थे क्योंकि मैं भी समझने की कोशिश कर रही थी कि मुझे अपने करियर से क्या चाहिए। उस वक्त वह स्पष्टता नहीं थी। उस वक्त इंडस्ट्री नई थी मेरे लिए, लोगों को नहीं जानती थी लेकिन धीरे-धीरे मैं उस डर से बाहर निकलती गई।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ ओबीसी महासभा के निवेदन पर मुख्यमंत्री की पाती राज्यपाल के नाम

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ ओबीसी महासभा तथा छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ के निवेदन पर भेंट हेतु समय देने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने पत्र में लिखा है कि 27 अगस्त 2023 को रायपुर में आयोजित ओबीसी महासम्मेलन के दौरान छत्तीसगढ़ ओबीसी महासभा तथा छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ द्वारा मुझसे निवेदन किया गया है कि वे अपनी लंबित मांगों को लेकर आपसे भेंट करना चाहते हैं। तदनुसार कृपया छत्तीसगढ़ ओबीसी महासभा तथा छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ के प्रतिनिधि मंडल को भेंट हेतु समय आबंटित करने तथा सहानुभूति पूर्वक उनकी मांगों पर विचार करने का कष्ट करेंगे। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ ओबीसी महासभा तथा छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ ने रविवार को मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से भेंटकर ओबीसी वर्ग को शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं में समुचित लाभ दिलाने के संदर्भ में अपनी मांग रखी थी। जिसमें संघ ने यथा शीघ्र 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण को लागू करने की मांग प्रमुखता से रखी थी। इस मौके पर संघ ने मुख्यमंत्री श्री बघेल से विभिन्न लंबित मांगों को लेकर राज्यपाल श्री विश्वभूषण से समय दिलाने का अनुरोध भी किया था, जिसे देखते हुए संघ के निवेदन पर मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को पत्र लिखा है।

तीन दिवसीय आर्ट, लिट्रेचर और फिल्म फेस्टिवल 3 से, अमीषा आएंगी 5 को

रायपुर। रायपुर आर्ट, लिट्रेचर एंड फिल्म फेस्टिवल का आयोजन 3 से 5 सितंबर तक दीनदयाल ऑडिटोरियम में होने जा रहा है। फेस्टिवल के अंतिम दिन 5 सितंबर को बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल आएंगी। इस समारोह में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी शामिल होंगे। फेस्टिवल के डायरेक्टर कुणाल शुक्ला ने बताया कि छत्तीसगढ़ में कला, साहित्य और फिल्म से संबंधित आयोजन का यह दूसरा साल है। इस साल 80 से अधिक राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय फिल्मों के साथ ही क्षेत्रीय फिल्मों का प्रदर्शन होगा। अंतरराष्ट्रीय फिल्मों की बातें करेंगे तो अमेरिका और ईरान की फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा वहीं छत्तीसगढ़ की सबसे पहली फिल्म कहि देबे संदेश का प्रदर्शन होगा। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर, एएएफटी यूनिवर्सिटी रायपुर, कलिंगा यूनिवर्सिटी रायपुर के साथ आईआईटी भुवनेश्वर, इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एमआईटी एडीटी यूनिवर्सिटी पुणे, माखनलाल यूनिवर्सिटी भोपाल व रोहतक फिल्म स्कूल की भी फिल्मों की एंट्री आ चुकी है जिसका प्रर्दशन इस तीन दिवसीय फेस्टिवल में किया जाएगा। रायपुर आर्ट, लिट्रेचर एंड फिल्म फेस्टिवल के समापन समारोह में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ ही बॉलीवुड की फेमस अभिनेत्री अमीषा पटेल भी शामिल होंगी।

संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने छात्राओं को वितरित किया सायकल

रायपुर। पंडित रामसहाय मिश्र शासकीय

हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय महोबा बाजार रायपुर में सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत विद्यालय की छात्राओं को सायकल वितरण और मतदान के लिए जागरूकता का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय, विशिष्ट अतिथि पार्षद श्री प्रकाश जगत और अन्य अतिथियों द्वारा छात्राओं को सायकल का वितरण किया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा पोस्टर और नारों की सहायता से मतदान के लिए जागरूकता का संदेश दिया गया। संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय ने कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए शिक्षक-शिक्षिकाओं से विद्यालय के विकास व समस्याओं पर चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री रवि थामस ने की। इस मौके पर विद्यालय की प्राचार्य डॉ. दीपा दास व अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं भी उपस्थित थी।

महिला शिव सेना की अध्यक्ष ज्योति ने भगवान भोले को अर्पण किया त्रिशूल

रायपुर। शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की छत्तीसगढ़ इकाई की महिला अध्यक्ष ज्योति सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने लाखेनगर चौक से हटकेश्वर महादेव घाट त्रिशुल निकाली गई। हर-हर महादेव के गूंज के साथ ज्योति सिंह भगवान भोलेनाथ को त्रिशूल अर्पण किया और प्रदेश में सुख शांति की कामना की। ज्योति सिंह ने बताया कि प्रदेश की सुख शांति स्मृति के लिए सावन सोमवार के अंतिम तीन लाखे नगर चौक से महादेव घाट तक शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की छत्तीसगढ़ महिला इकाई के द्वारा त्रिशूल यात्रा निकाली गई। पूरी रैली में महिला शिव सैनिकों के द्वारा हर हर महादेव के स्वर गूंजते रहे। हटकेश्वर महादेव को महिला अध्यक्ष ज्योति सिंह के नेतृत्व में त्रिशूल अर्पण करते हुए महिला शिव सैनिकों ने भोलेनाथ से प्रार्थना की प्रदेश में सुख शांति बनी रहे और हमेशा छत्तीसगढ़ कुशल रहे। इस दौरान महिला प्रदेश अध्यक्ष ज्योति सिंह के अलावा प्रदेश उपाध्यक्ष उषा सिंह, जिला महासचिव अहिल्या यादव आद उपस्थित थे।

राज्य सरकार सभी वर्गों की प्रगति के लिए भी कर रही है हरसंभव प्रयास

■ **प्रदेश स्तरीय ओबीसी महासम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री बघेल**

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि राज्य सरकार सभी वर्गों के साथ अन्य पिछड़ा वर्ग की प्रगति के लिए भी हरसंभव प्रयास कर रही है। चाहे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के लिए संचालित कार्यक्रमों की बात हो या न्याय योजनाओं की इन योजनाओं का लाभ सभी वर्गों के साथ अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को भी मिल रहा है। राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की तरह प्रदेश के संभागीय मुख्यालयों तथा जिला मुख्यालयों में अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री आज राजधानी रायपुर के रावणभाटा मैदान में आयोजित प्रदेश स्तरीय एक दिवसीय ओबीसी महासम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। महासम्मेलन में अन्य पिछड़ा वर्ग समाज ने आरक्षण के संबंध में चर्चा के लिए राज्यपाल महोदय से समय दिलाने की मांग मुख्यमंत्री श्री बघेल से की। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल महोदय को इस संबंध में पत्र लिखने की बात कही।

छत्तीसगढ़ ओबीसी महासभा और छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ के प्रदेशाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश साहू ने की। कार्यक्रम में लोकसभा सांसद श्री दीपक बैज, छत्तीसगढ़ ओबीसी महासभा के संयोजक श्री राधेश्याम साहू सहित ओबीसी समाज के अनेक पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने समाज द्वारा जमीन की मांग पर कहा कि जमीन के मामले में इससे पहले किसी सरकार ने इतना जमीन नहीं बांटा है, कोई समाज यह नहीं कह सकता कि उसे जमीन नहीं मिला। ओबीसी बड़ा समाज है तो सबसे ज्यादा जमीन आप लोगों को मिली है। साथ ही भवन बनाने के लिए भी आवश्यकतानुसार राशि दी गयी है। राजधानी में सभी अस्पताल रायपुर शहर में स्थित हैं, तो व्यवहारिकता को देखते हुए आप लोग बड़े अस्पतालों के पास धर्मशाला के लिए जमीन देख लें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार हमेशा पिछड़ा वर्ग के साथ है। सबसे ज्यादा ऋण माफी का लाभ पिछड़ा वर्ग के साथियों को ही मिला है क्योंकि पिछड़ा वर्ग के लोग अधिकांशतः खेती से जुड़े हुए हैं, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का लाभ भी आपको ही सबसे ज्यादा मिला, चाहे वह राजीव गांधी किसान न्याय योजना की बात हो, चाहे मिलेट्स कोदो, कुटकी की बात हो, ट्यूबवेल पर किसानों को बिजली पर 12 हजार से 14 हजार करोड़ रूपए की छूट इन 5 सालों में दी गई और घरों में बिजली पर भी छूट दी जा रही है। हमारी सरकार लगातार शिक्षा स्वास्थ्य पर काम कर रही है। छत्तीसगढ़ के हितों के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने महासम्मेलन में कहा कि मुझे वह दिन भी याद है जब 2013 में आप सभी चारामा से हजारों की संख्या में पैदल चलकर रायपुर आए थे और इंडोर स्टेडियम के बगल में बड़ी सभा का आयोजन हुआ था। अन्य पिछड़ा वर्ग का संगठन बहुत मजबूत है। संगठन द्वारा हमेशा प्रभावी तरीके से अपनी मांग रखी जाती है। अन्य पिछड़ा वर्ग की प्रमुख रूप से 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने विधानसभा में एक और दो दिसंबर 2022 को विशेष सत्र बुलाकर आरक्षण विधेयक पारित किया और पारित करने के पश्चात राज्यपाल महोदय के पास भेज दिया। यह विधेयक राज्यपाल के पास लंबित है। इस विधेयक में अनुसूचित जनजाति को 32 प्रतिशत, अनुसूचित जाति को 13 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण और ईडब्ल्यूएस को 4 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में 2011 के बाद से जनगणना नहीं हुई है। आवास का मामला सामने आया। जनसंख्या बढ़ने के साथ परिवार भी बढ़े और आवास की जरूरत भी बढ़ी। मैंने प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखी की जनगणना होनी चाहिए। जनगणना नहीं हुई तो हमारी सरकार ने आर्थिक सर्वेक्षण कराया जिसकी रिपोर्ट आयी है और उसका परीक्षण चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने समाज की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि एनएमडीसी का कार्यालय हैदराबाद की जगह जगदलपुर में होना चाहिए। प्रदेश में कार्यालय होगा तो इससे सभी को लाभ मिलेगा, राज्य को जीएसटी से लाभ होगा, अभी तेलंगाना जा रहा है, वह प्रदेश को मिलेगा। भर्ती में भी छत्तीसगढ़ के बच्चों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासकीय और सार्वजनिक औद्योगिक निकायों का निजीकरण हो रहा है, ऐसी स्थिति में किसी को भी आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। अभी बस्तर में नगरनार का स्टील प्लांट तैयार भी नहीं हुआ है, उसके भी विनिवेश की तैयारी कर ली गई है। एयरपोर्ट का निजीकरण किया जा रहा है। बालको का निजीकरण हो गया। वन अधिकार पट्टा के संबंध में उन्होंने कहा कि पिछले सरकार में सिर्फ आदिवासियों को वन अधिकार पट्टा दिया गया था। पर हमारी सरकार में 2005 से जो भी व्यक्ति, चाहे वो कोई भी समाज के हों, यदि 2005 से काबिज हैं, तो उन्हें पट्टा दिया गया।

छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ के प्रदेशाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश साहू और छत्तीसगढ़ ओबीसी महासभा के संयोजक श्री राधेश्याम साहू ने विस्तार से समाज की विभिन्न मांगों की ओर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया।

लुंड्रा में भाजपा प्रत्याशी का विरोध, सर्व हिंदू समाज ने दी चेतावनी

सरगुजा। लुंड्रा में भाजपा का प्रत्याशी बदलने की मांग हो रही है। ये मांग सर्व हिंदू समाज कर रहा है। सर्व हिंदू समाज ने इसके लिए रैली भी निकाली और भाजपा के खिलाफ नारे लगाए। पहले ये जान लेते हैं कि भाजपा ने लुंड्रा से किसे प्रत्याशी बनाया है जिनके खिलाफ हिंदू सड़क पर उतर आए हैं।

भाजपा ने लुंड्रा से उरांव समाज के प्रबोध मिंज को टिकट दिया है। प्रबोध मिंज पहले कांग्रेस में थे। फिर एनसीपी में शामिल हुए। इसके बाद वे बीजेपी में शामिल हुए। साल 2003 के नगर निगम चुनाव में प्रबोध ने कांग्रेस के अभेद्य गढ़ अंबिकापुर नगर निगम में दो बार महापौर का चुनाव जीता। प्रबोध मिंज अंबिकापुर नगर निगम में 10 साल तक मेयर रहे हैं। लुंड्रा में प्रबोध मिंज की जनता के बीच पकड़ है। इसी वजह से बीजेपी ने उनको उम्मीदवार बनाया है। प्रीतम राम के छोटे भाई रामदेव राम भी लुंड्रा से विधायक रहे हैं।

प्रबोध मिंज उरांव समाज से आते हैं। उरांव

समाज के साथ ही ईसाई समाज में उनकी अच्छी पकड़ है। इसी वजह से लुंड्रा विधानसभा सीट पर भाजपा पर दोहरी चाल चलने के गंभीर आरोप सर्व हिंदू समाज लगा रहा है। इस समाज का कहना है कि पहले डिलिस्टिंग के नाम पर भाजपा ने हिन्दू आदिवसियों का समर्थन किया और अब वोट बैंक के लिए एक ऐसा प्रत्याशी खड़ा कर दिया जिसकी पकड़ ईसाई समुदाय पर है।

हिदू संगठन से जुड़ी पावन पूर्णाहुति भगत का कहना है, जब डिलिस्टिंग की बात आई, तो भाजपा के बड़े नेता हमारे आंदोलन में साथ थे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि डिलिस्टिंग की मांग ऊपर तक पहुंचायेंगे। संसद में भी 5 भाजपा सांसदों ने डिलिस्टिंग की मांग की। अब लुंड्रा से प्रबोध मिंज को टिकट दे दिया है। यह दोहरा बर्ताव नहीं चलेगा।

पावन पूर्णाहुति भगत ने कहा भाजपा ये बताये कि वो हिन्दू समर्थक है या ईसाई समर्थक? अगर लुंड्रा विधानसभा में भाजपा ने प्रत्याशी नहीं बदला, तो सर्व हिन्दू समाज के मतदाता उसे हराने के लिये किसी भी हिन्दू प्रत्याशी को वोट देंगे।

पीसीसी प्रदेश उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव ने भाजपा पर आदिवासियों को बांटने के लिये डिलिस्टिंग का मुद्दा छेड़ने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने डिलिस्टिंग का जिन्न निकालकर आदिवासी मतदाताओं को गुमराह करने का काम किया है। ये आदिवासी समाज के दोनों वर्ग से वोट साधना चाहते हैं।

कांग्रेस नेता जेपी श्रीवास्तव ने कहा लुंड्रा में विरोध इसी बात का हो रहा है। जो लोग आंदोलन कर रहे हैं, उनका साफ कहना है कि एक तरफ आप डिलिस्टिंग की बात करते हैं और दूसरी तरफ एक अल्पसंख्यक प्रत्याशी को टिकट देते हैं। इससे यह साबित होता है कि आदिवासी भाई भी अब भाजपा के दोहरे चेहरे को समझ गये हैं। चुनाव में भी इसका नुकसान भाजपा को होगा।

भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने इस मामले पर कहा, भाजपा से जुड़े कुछ आदिवासी समाज के भाइयों ने आपत्ति जताई है। भाजपा एक राजनीतिक दल है। सवा सौ करोड़ देश वासियों की भावना के अनुसार भाजपा काम करती है। हम किसी समुदाय विशेष को लेकर नहीं चल सकते। सबका साथ सबका विकास प्रधानमंत्री जी का नारा है। उन्होंने खुद को फाइनल अथॉरिटी नहीं होने की बात कहते हुए विरोध करने वालों की बात ऊपर तक पहुंचाने का भरोसा दिया है। छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रभारी ओम माथुर पहले ही ये खुलासा कर चुके हैं कि पार्टी जिताऊं कैंडिडेट को टिकट देगी।

2 सितंबर को रायपुर आएंगे राहुल गांधी

रायपुर। आगामी विधानसभा

चुनाव को देखते हुए सभी राजनीतिक पार्टियों ने तैयारियां शुरु कर दी है। इसी सिलसिले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 2 सितंबर को युवा सम्मेलन को करने राजधानी रायपुर आ रहे है। पुलिस लाइन हैलीपैड पर पत्रकारों चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यह जानकारी देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में कानून का राज है और भाजपा को हिंसा पसंद है इसलिए महादेव सट्टा ऐप और ईडी का सहारा लेकर राज्य सरकार को अपदस्थ करने की कोशिश की जा रही है।

बलरामपुर में टीएस सिंहदेव का इशारों इशारों में बृहस्पति सिंह पर हमला

आरोप लगाने वाले से नहीं हो सकता समझौता

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी घमासान का दौर चल रहा है। इस बीच डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने बलरामपुर के सामरी विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया। यहां उन्होंने इशारों इशारों में अपनी ही पार्टी के विधायक बृहस्पति सिंह पर निशाना साधा। सिंहदेव ने कहा कि मुझ पर जो आरोप लगाए गए हैं। उसे लेकर आरोप लगाने वालों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

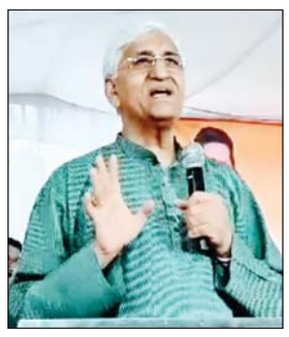

डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव बलरामपुर के सामरी में भेंट मुलाकात कार्यक्रम में आए हुए थे। यहां उन्होंने मंच से सामरी की जनता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर बात की। लेकिन सबसे ज्यादा जिस बात की चर्चा हो रही है। वह है उनपर लगे उस आरोपों की जिसे बृहस्पति सिंह ने लगाया था। इस मामले में बिना नाम लिए टीएस सिंहदेव ने बृहस्पति सिंह को घेरा और कहा कि इस मुद्दे पर समझौता नहीं किया जाएगा। जानकार बता रहे हैं कि यह इशारा साफ तौर पर रामानुजगंज विधायक बृहस्पति सिंह पर था।

टीएस सिंहदेव ने कहा मेरे को जितना गरियाना है गरिया लो। लेकिन महाराज, महारानी साहिबा को सार्वजनिक मंच से कोई कुछ भी बोलेगा तो समझौता नहीं हो सकता। घर में जो बोलना है बोलिए। लेकिन मंच से दो लोगों के बारे में कुछ भी बोलेंगे तो मेरी तरफ से समझौता नहीं होगा। आज तक व्यक्तिगत तौर पर कई लोगों ने क्या किया। लेकिन मैंने कभी कुछ नहीं किया। मैंने उसे राजनीति के क्षेत्र में उसे नहीं आने दिया। लेकिन आज एक घटना ऐसी घटी है छत्तीसगढ़ में जिसमें जिसमें सीमा पार करके किसी ने मेरे उपर आरोप लगाया। जान के खतरे का आरोप लगाया। वहां पर समझौता नहीं हो सकता। आगे क्या होगा वो पार्टी जानें और पब्लिक जाने, लेकिन मेरी तरफ से समझौता नहीं हो सकता। टीएस सिंहदेव ने उस शख्स का नाम नहीं लिया जिसने उन पर गंभीर आरोप लगाए। लेकिन जानकारों की मानें तो उनका निशाना बृहस्पति सिंह पर है। जिन्होंने पहले उनके ऊपर जान से मारने का आरोप लगाया था।

दरअसल ये पूरी घटना जुलाई 2021 की है। जब 25 तारीख को बृहस्पति सिंह के काफिले पर पथराव हुआ था। इस घटना को लेकर बृहस्पति सिंह ने दावा किया था कि यह हमला टीएस सिंहदेव के इशारे पर हुआ है। इसके पीछे बृहस्पति सिंह ने वजह गिनाई थी कि उन्होंने सीएम भूपेश बघेल की तारीफ की थी। इसलिए उन पर हमला कराया गया। बृहस्पति सिंह ने उस वक्त कहा था कि मेरी जान को खतरा है। मेरे ऊपर हमले के पीछे मंत्री टीएस सिंहदेव हैं। वह महाराजा हैं। मेरी हत्या करा सकते हैं। हत्या कराने से अगर सिंहदेव मुख्यमंत्री बन सकते हैं। तो उन्हें ये पद मुबारक हो। बाद में यह पूरा मुद्दा विधानसभा तक पहुंचा था। सिंहदेव ने इन आरोपों पर सख्त नाराजगी जताई थी। इशारों इशारों में एक बार फिर सिंहदेव ने बृहस्पति सिंह पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव से पहले टीएस सिंहदेव ने बृहस्पति सिंह कांड को हवा दे दी है। अब देखना होगा कि डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव के इस बयान का छत्तीसगढ़ की राजनीति पर क्या असर पड़ता है।

ऑनलाइन सट्टा और अडानी मुद्दे पर मुख्यमंत्री का भाजपा पर बड़ा हमला

रायपुर। छत्तीसगढ़ सीएम भूपेश बघेल ने ईडी आईटी की कार्रवाई और अडानी मुद्दे को लेकर भाजपा पर तीखा हमला किया है। सीएम भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में कानून का राज है। पांच साल पहले लगातार छत्तीसगढ़ नक्सल समस्याओं से जल रहा था। अब हमने इस समस्या को बहुत पीछे धकेल दिया है। बहुत सीमित क्षेत्र में अब नक्सल समस्या रह गई है। भारतीय जनता पार्टी को खून, हिंसा, घृणा पसंद है, इसलिए उनके कार्यकाल में नक्सली गतिविधियां बढ़ी।

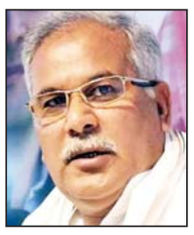

हमारी खदानों पर भाजपा की गिद्ध दृष्टि- सीएम भूपेश बघेल ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ में अब जब सब कुछ शांत हो रहा है तो ईडी आईडी के जरिए माहौल गर्म किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ की सभी खदानों को अडानी को देने का षडयंत्र किया जा रहा है। लोगों का ध्यान दूसरी तरफ भटकाया जा रहा है।दिल्ली से षडयंत्र चल रहा है। छत्तीसगढ़ की लोहा, कोयला खदानों पर गिद्ध की तरह निगाहें लगी है। लेकिन छत्तीसगढ़ की जनता जान चुकी है। वह भाजपा के बहकावे में नहीं आएगी। राज्य सरकार बीच में खड़ी है, इसलिए राज्य सरकार को कैसे भी अपदस्थ करने का षडयंत्र है। भाजपा वाले तरह तरह से आरोप लगा रहे हैं। गलत चाहे जो भी करेगा, उस पर कार्रवाई होगी।

ऑनलाइन सट्टा वालों में से किसी के ऑफिस छत्तीसगढ़ में नहीं-सीएम भूपेश बघेल ने कहा है कि महादेव एप पूरे देश भर में कई राज्यों में फैला है। कौनसा भाजपा शासित राज्य है, जिसने महादेव एप के खिलाफ कार्रवाई की है। हैड ऑफिस तो दूसरे प्रदेश में है। दूसरे प्रदेशों से महादेव एप को हैंडल किया जा रहा है। हमने तो कार्रवाई की है, लेकिन हमें ही बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। भूपेश बघेल ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ में ऑनलाइन सट्टा का कोई ऑफिस नहीं है। जो सट्टा खिलाने वाले हैं, वह जरूर छत्तीसगढ़ के हैं। 30 मार्च 2022 को पहला एफआईआर दुर्ग में किया गया। फिर रायपुर, बिलासपुर सभी जगह करीब 72 प्रकरण छत्तीसगढ़ पुलिस ने दर्ज किए हैं। 439 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। अलग अलग राज्यों में गिरफ्तारी की गई है। अबतक 191 लैपटॉप, 885 मोबाइल और बहुत सारे गजेट जब्त किए गए हैं। 41 लाख से ज्यादा नगदी, डेढ़ करोड़ से ज्यादा की सामग्री, 16 करोड़ से ज्यादा की राशि, करीब 1 हजार से ज्यादा बैंक खातों को फ्रीज किया गया है। 200 से ज्यादा एटीएम जब्त किया गया है। प्रदेश में ऑनलाइन सट्टा का कोई भी कार्यालय या ब्रांच संचालित नहीं है।सीएम भूपेश बघेल के मुताबिक सट्टे से जुड़े लोग गिरफ्तार या अंडरग्राउंड हो गए हैं। ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा एप महादेव के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर, रवि के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है।

रायपुर पश्चिम विधानसभा सीट में क्या फिर होगी विकास और मूणत की भिड़ंत!

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर जिले के अंतर्गत कुल 7 विधानसभा सीट आती हैं। जिसमें धरसीवां, रायपुर(ग्रामीण), रायपुर सिटी (वेस्ट), रायपुर सिटी (नार्थ), रायपुर सिटी (दक्षिण), आरंग और अभनपुर विधानसभा शामिल है। जिसमें से 1 सीट रायपुर दक्षिण भाजपा के पास है, बाकी 6 सीटों पर कांग्रेस का कब्जा है। आज हम रायपुर पश्चिम विधानसभा सीट की बात करने जा रहे हैं। यह सीट सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित है। कांग्रेस के विकास उपाध्याय यहां से विधायक हैं।

निर्वाचन आयोग से मिली जानकारी के अनुसार, साल 2018 विधानसभा चुनाव के दौरान रायपुर में मतदाताओं की कुल संख्या 15 लाख 58 हजार 550 थी। जो साल 2023 अगस्त तक 18 लाख 05 हजार 310 हो गई। इस तरह रायपुर में 2 लाख 46 हजार 760 मतदाता बढ़े हैं। 2018 के अनुसार, रायपुर पश्चिम में पुरुष मतदाता का संख्या 127929 थे, जबकि महिला मतदाताओं की संख्या 120353 थे। वहीं थर्ड जेडर के 43 मतदाता थे। इस प्रकार कुल मतदाता 248325 थे। हालांकि छत्तीसगढ़ में वर्तमान में मतदाता सूची अपडेट करने का काम जारी है। लोग इसमें नाम जुड़वा रहे हैं, इसके बाद अक्टूबर में फाइनल मतदाता सूची जारी होगी। जिसके बाद ही रायपुर के सभी विधानसभा सीटों में मतदाता के आंकड़े पता चलेंगे।

साहू समाज का इस सीट पर है दबदबा- रायपुर पश्चिम विधानसभा सीट में साहू समाज के वोटरों की संख्या अच्छी खासी है। यही वजह है कि यहां पर साहू समाज का दबदबा है। बात की जाए साल 2018 में हुए विधानसभा चुनाव की, तो रायपुर पश्चिम विधानसभा से 38 उम्मीदवारों ने अपना भाग्य आजमाया था। जिसमें से आठ साहू प्रत्याशी खड़े हुए थे।

विधानसभा चुनाव 2013 के दौरान भी राजेश मूणत और विकास उपाध्याय के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली थी। तब राजेश मूणत ने महज 6000 वोटों से जीत दर्ज की थी। विकास उपाध्याय ने जरूर मूणत को जोरदार टक्कर दी थी, लेकिन वे जीत से चूक गए थे। हार मिलने के बावजूद विकास उपाध्याय ने हार नहीं मानी और लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहे। विकास उपाध्याय जनता की मांगों को लेकर लगातार आंदोलन करते रहे। यही वजह रही कि विधानसभा चुनाव 2018 में जनता ने विकास उपाध्याय को अपना प्रतिनिधि चुना।

आगामी विधानसभा चुनाव में एक बार फिर रायपुर पश्चिम विधानसभा सीट से विकास उपाध्याय और राजेश मूणत के बीच भिड़ंत होने की संभावना है। यदि दोनों ही दलों ने इन दोनों को अपना अपना उम्मीदवार बनाया है, तो फिर चुनाव में कांटे की टक्कर हो सकती है। हालांकि कांग्रेस विकास को और भाजपा राजेश को टिकट देगी या नहीं यह कह पाना मुश्किल है। बावजूद इसके दोनों ने ही पश्चिम विधानसभा चुनाव के लिए अभी से कमर कस ली है। विकास और राजेश दोनों ही क्षेत्र में सक्रिय नजर आ रहे हैं।

क्षेत्र की समस्याएं- रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं की बात की जाए, तो यहां कुछ खास समस्या नहीं है। यहां बिजली, पानी, सड़क, साफ सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रही है। कांग्रेस सरकार में भी यहां लगातार काम होते रहे हैं। हालांकि छुटपुट स्थानीय समस्याएं जैसे सामुदायिक भवन, शौचालय, उद्यान, ओपन जिम सहित अन्य मांग लोग उठाते रहे हैं। क्षेत्र में सड़कों पर साप्ताहिक बाजार लगाए जाते हैं, जिस वजह से कई बार अव्यवस्था देखने को मिलती है।

2018 में राजेश मूणत को मिली थी करारी हार- भाजपा का गढ़ मानी जाने वाली रायपुर पश्चिम विधानसभा सीट पर 2018 में कांग्रेस ने कब्जा कर लिया। इस सीट से कांग्रेस के विकास उपाध्याय ने भाजपा के रमन सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री रहे राजेश मूणत को 12000 वोटों के भारी अंतर से हरा दिया था। साल 2018 के विधानसभा चुनाव में यहां से विकास उपाध्याय विधायक चुने गए। हांलाकि राजेश मूणत राजेश मूणत ने विधानसभा चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी, बावजूद इसके मूणत हार गए।

2018 में रायपुर पश्चिम का चुनावी रिजल्ट-साल 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में विकास उपाध्याय को कुल 76359 वोट मिले थे। जो इस सीट पर हुए मतदान का 50।86 फीसदी था। वहीं भाजपा उम्मीदवार और तत्कालीन मंत्री राजेश मूणत को 64147 वोट मिले थे, जो प्राप्त मतों का 42.73 फीसदी था। इस तरह विकास उपाध्याय ने 12212 वोटों से राजेश मूणत को हराकर जीत हासिल की थी।

2 दिवसीय दौरे पर रहेंगे अमित शाह

रायपुर। विधानसभा चुनाव के पहले बड़े नेताओं का जमावड़ा लगना तेज हो गया है. इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह फिर छत्तीसगढ़ दौरे पर आ रहे हैं. बताया जा रहा है कि 2 दिवसीय दौरे पर रायपुर आ रहे हैं. मिली जानकारी के मुताबिक 1 से 2

सितंबर तक अमित शाह रायपुर में रहेंगे, जहां चुनाव के मद्देनजर नेताओं के साथ बैठक करेंगे. बताया जा रहा है कि बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी छत्तीसगढ़ आ सकते हैं. इसके पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ दौरे पर आए थे, जिसके दूसरे दिन ही बीजेपी ने कैंडिडेट्स की लिस्ट जारी कर दी थी, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि इस बार भी उम्मीदवारों के नाम को फाइनल करने आ रहे हैं. बीजेपी जल्द दूसरी लिस्ट जारी कर सकती है.

सांसद सुनील सोनी से कांग्रेसियों ने की गाली गलौच

प्रदेश में कांग्रेसी गुण्डों का आतंक : सोनी

रायपुर। रायपुर लोकसभा सांसद सुनील सोनी बिरगांव के एक शैक्षणिक संस्थान में आजादी के अमृत काल के अवसर पर चंद्रयान की सफलता और मतदाता जागरूकता हेतु को लेकर एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए जहां वे चंद्रयान 3 की सफलता के विषय में विस्तृत चर्चा करने और मतदाताओं को जागरूक करने छात्र छात्राओं के बीच पहुंचे थे। उपस्थित छात्र छात्राओं के समक्ष सांसद जब चंद्रयान की सफलता का विस्तार से वर्णन कर रहे थे, उसी समय कांग्रेस के युवा नेता एवं छात्र इकाई के नेता सांसद सुनील सोनी के सामने काले झण्डे लेकर पहुंच गए एवं अचानक ही उन्होंने उग्रता अख्तियार करते हुए सांसद के साथ अभद्रता एवं गाली गलौच करते हुए धक्का मुक्की का प्रयास तक करने लगे, वहां उपस्थित सांसद के सुरक्षा कर्मियों ने किसी तरह सुनील सोनी को कांग्रेसियों के प्रहार से बचाया।

सांसद सुनील सोनी ने कहा कि हमने भी छात्र राजनीति एवं युवामोर्चा

की राजनीति की है सैकड़ो बार कांग्रेस के नेताओ का विरोध भी किया, मगर हमने हमेशा मर्यादा का ख्याल रखते हुए ही प्रदर्शन किया। कभी ऐसी अभद्रता नही की किसी नेता के साथ मैने अपने राजनैतिक जीवन में ना कभी देखा ना कभी सुना की कोई राजनैतिक दल के कार्यकर्ता किसी सांसद के खिलाफ अचानक विरोध करते हुए पहुंचे, हो वो भी तब जब सांसद राष्ट्रीय गौरव चंद्रयान जैसे मिशन की सफलता पर परिचर्चा करने छात्र , छात्राओं के बीच पहुंचे हो। यदि विरोधी दल होने के नाते उनकी कोई जनसमस्या होती तो मुझसे मिलकर चर्चा करते ज्ञापन देते और प्रक्रिया के तहत अपना विरोध दर्ज करते, परंतु युवक कांग्रेस के कार्यकर्ता कॉलेज की बच्चियों के सामने ही गाली गलौच करने लगे जो बेहद दुखद और अव्यहारिक राजनीति का प्रमाण था प्रदेश कांग्रेस ने सत्ता में रहकर केवल और केवल अराजकता को ही बढ़ावा दिया है, जिसका परिणाम आप सभी के सामने है।

रायपुर शहर जिला भाजपा के अध्यक्ष जयंती पटेल ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सत्ता के बल पर गुंडागर्दी का खुला खेल खेल रही है इसका उदाहरण आज ग्रामीण विधायक सत्यनारायण शर्मा के पुत्र पंकज शर्मा द्वारा की गई धमकी और गुंडागर्दी देखकर मिल जायेगा पहले तो कांग्रेसी कार्यकर्ता लोकसभा सांसद पर हमला करते हैं उनसे अभद्रता करते हैं और जब भाजपा पार्षद उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाने पहुंचते हैं तो पंकज शर्मा उन सभी गुण्डातत्वो के बचाव में थाने पहुंचकर जमकर शासन और सत्ता का दबाव दिखाते हैं और दादागिरी करते हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था कांग्रेस की कठपुतली बन चुकी है जहां कानून का राज होना चाहिए वहां अब गुण्डातत्वों का बोलबाला है हमें लोस सांसद सुनील सोनी के साथ की गई अभद्रता, गाली गलौच और धक्का मुक्की के खिलाफ एफआईआर करवाने में बेहद मशक्कत करनी पड़ी। हम कांग्रेसियों की अभद्रता के खिलाफ थाने में एफआईआर लिखाने पहुंचे थे जहां बेहद मशक्कत के बाद कांग्रेस के गुण्डा तत्वों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। इस घटना का वीडियो और थाने में पंकज शर्मा द्वारा की गई अभद्रता व गुंडागर्दी का वीडियो फुटेज तक उपलब्ध है ।

मेरी बात

✍ गिरीश पंकज

शिक्षा और संगीत.....

नई शिक्षा नीति कमाल की है। उसे मैंने ध्यान से देखा तो पाया इसने जड़ता को तोड़ने की कोशिश की है। बाल मन के अनुरूप शिक्षा दी जाए, इस भाव से नीति तैयार की गई है। अगर इसे ईमानदारी से लागू कर दिया जाए, तो नि:संदेह इस देश की नई पीढ़ी को लाभ मिलेगा और देश भी आगे बढ़ेगा। अब नई शिक्षा नीति में उदारता नज़र आती है। विज्ञान का विद्यार्थी अब कला के विषय का ज्ञान भी अर्जित कर सकता है। विज्ञान पढ़ते हुए उसे लगता है, कि उसे संगीत भी सीखना चाहिए तो वह संगीत की पढाई भी कर सकता है। पहले ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी. विद्यार्थी मूल पढ़ाई के साथ साथ योग, खेल, संगीत, फैशन डिज़ाइनिंग, मूर्तिकला, चित्रकला, नृत्य आदि की शिक्षा भी ले सकता है। इतनी उदारता के साथ नीति बनाई गई है। बच्चा देश-विदेश की मनचाही भाषा सीख सकता है। बागवानी, से लेकर लकड़ी का काम, मिट्टी के बर्तन बनाना, बिजली का काम इत्यादि भी वह अपनी रूचि के अनुसार सीख सकता है। यह एक तरह से वोकेशनल प्रशिक्षण है, यानी वह ऐसी पढाई भी कर सकता है, जो उसे तत्काल रोजगार प्रदान कर सकती है। इस दृष्टि से नई शिक्षा नीति क्रांतिकारी कदम है. सबसे महत्वपूर्ण बात मुझे लगी कि विद्यार्थी साइंस पढ़ते हुए संगीत भी सीख सकता है। संगीत की संगत जो करे, उसके जीवन की रंगत बदल सकती है। संगीत जड़ किसम के पाठ्यक्रमों को सरस् बना सकता है। मानसिक थकान को दूर भगाने के लिए संगीत से बेहतर कोई दूसरी दवा नहीं है , संगीत को लेकर मैंने काव्यात्मक तरीके से लिखा है, वह कुछ इस प्रकार है। देखें = %%मन में जो उमंग भर जाता, झरने-सा जो रस बरसाता। जो थकान को दूर भगाता,हम सबके मन को बहलाता। जीवन सबका श्रेष्ठ बनाए, जो अंतस झंकृत कर जाए। उसको कहते हैं संगीत, वो है सब के मन का मीत।।...इसकी संगत में जो आए, रंगत उसकी बदली जाए । मीत बने संगीत अगर तो, जीवन बोझ नहीं लग पाए । जो भटके को राह दिखाए, सही दिशा हमको बतला। उसको कहते हैं संगीत।वो है सब के मन का मीत।।..जो संगीत से करते प्यार,उनका उत्तम हो व्यवहार। उनका तो सारा संसार, टूटे नफरत के दीवार। जीवन को जो सफल बनाए, नर को नारायण कर जाए। उसको कहते हैं संगीत।।...संस्कार जिसमें है सुंदर, ज्ञान हमेशा जो दे बेहतर। ईश्वर के नो पास बिठाए, तरुण हमेशा हृदय बनाए। ध्यान कभी जो ना भटकाए, जो साधक-सा हमें बनाए । उसको कहते हैं संगीत। वो है सब के मन का मीत।।...जो बच्चे संगीत पढ़ेंगे, अपना जीवन आप गढ़ेंगे। राग हमें अनुराग सिखाए, हम तेजी से और बढ़ेंगे। बुद्धिमान जो हमें बनाए, हमें और आगे ले जाए। उसको कहते हैं संगीत।वो है सब के मन का मीत।

संगीत की उपादेयता का अनुभव हम प्रतिदिन करते हैं. बिना संगीत के हम जीवन नहीं जी सकते। अब तो नई पीढ़ी के युवा कान में फोन लगाए या भी करते हैं, अपना काम भी करते हैं, साथ में संगीत भी सुनते रहते हैं. संगीत हमारे कार्य की क्षमता को बढ़ा देता है। हमने वह तस्वीर ज़रूर देखी होगी, जिसमे भगवान् कृष्ण बांसुरी बजा रहे हैं और गायें, घास चर रही हैं। गाय को संगीत बहुत प्रिय है। अनेक गौ शालाओं में संगीत की मधुर स्वर लहरियां गूँजती रहती हैं , जिनको सुनकर गौ माता मगन हो जाती है, और अधिक दूध देती है। गाय को हम पशु कहते हैं मगर उसमे संगीत की समझ है, फिर हम तो मनुष्य है, हममे क्या संगीत के प्रति कोई अनुराग नहीं ही सकता ? ज़रूर होगा, बशर्ते माता-पिता बच्चो का बचपन से ही संगीत से जोड़े. अभी दो दिन पहले एक तबला वादक बच्चे के बारे में मैंने पढ़ा। उसका नाम गिनीज बुक में हैं. अभी वह मात्र बारह साल का है। वह दो साल की उम्र से ही तबला सीखता रहा और आज सैकड़ों जगह उसने शानदार प्रस्तुतियाँ दी है। अनेक बच्चे गिटार, हारमोनियम, सितार, ढोलक बजाने से लेकर गायन में निपुण हो रहे है। संगीत, नृत्य से जुड़ कर बच्चो (बच्चियों में) विशेष प्रतिभा पनपती है. वे पढाई में भी होशियार निकलते हैं (निकलती हैं)। यह सब सोच कर नई शिक्षा नीति में संगीत को ऐच्छिक नहीं, अनिवार्य किया गया है। यह अच्छी पहल है। ऐसा होने से बच्चे अपनी संस्कृति से जुड़ेंगे. संगीत के क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। नए सांस्कृतिक भारत के निर्माण में नई शिक्षा नीति मील का पत्थर बनेगी, ऐसा विश्वास है।

हार की निराशा से कांग्रेस में हड़कंपः नारायण चंदेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज अपना घर तो सम्हाल नहीं पा रहे हैं, भाजपा के आंगन में ताक-झाँक करके अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं। श्री चंदेल ने भाजपा प्रत्याशियों की सूची को लेकर की गई बैज की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि दरअसल भाजपा की सूची जारी होते ही पूरी कांग्रेस को साँप सूंघ गया है और डरे-सहमे व हताश-निराश कांग्रेस के लोग अब दिल बहलाने के लिए ऐसे बयान देकर अपनी खिसियाहट छिपाने की हास्यास्पद कोशिश कर रहे हैं।

जिस कांग्रेस में जिला अध्यक्षों तक की सूची दिल्ली से जारी करनी पड़ रही है, उस कांग्रेस की कामचोरी के आलम में कांग्रेस की जीत के दावे करके कांग्रेस अध्यक्ष मुंगेरीलाल की तरह हसीन सपने देख रहे हैं! 10, जनपथ की नई-नई कठपुतली बनकर बैज के दावे खोखले हैं क्योंकि सत्तासीन कांग्रेस चुनाव आते बहुत कमजोर नजर आ रही है। भाजपा प्रत्याशियों की पहली सूची जारी होने के बाद कांग्रेस का खेमा जिस प्रकार प्रलाप कर रहा है, उससे यह आईने की तरह साफ हो गया है कि भाजपा के 21 योद्धाओं की प्रथम पंक्ति को देखकर पूरी कांग्रेस सदमे में चली गई है और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पूरा ध्यान अब प्रार्थना और चंगाई सभाओं के बजाय भाजपा प्रत्याशियों पर केंद्रित हो गया है। श्री चंदेल ने कहा कि चुनाव नतीजों के बाद बैज को कहीं अपने विधायकों को दूरबीन लगाकर न ढूंढ़ना पड़ जाए।

गुटबाजी और अंतर्कलह से जूझती कांग्रेस में तो अभी पर्यवेक्षकों के सामने कांग्रेस के लोगों द्वारा ही बवाल मचाने का दौर चल रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पहले उससे तो पार पा लें, कोरे दावे करके अपनी ऊर्जा क्यों खपा रहे हैं? श्री चंदेल ने कहा कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बैज को इस बात का जरा भी इल्म नहीं है कि जनता कांग्रेस सरकार से पूरी तरह त्रस्त हो गई है।

कोरबा-रायपुर नये ट्रेन का साव करेंगे लोकार्पण

रायपुर/ बिलासपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव 29 अगस्त मंगलवार को बिल्हा रेलवे स्टेशन में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार श्री साव सुबह 8 बजे बिलासपुर से बिल्हा के लिए प्रस्थान करेंगे। प्रात: 8: 40 तक बिल्हा रेलवे स्टेशन पहुचेंगे। जहां श्री साव के द्वारा रेलगाड़ी नम्बर 18252 कोरबा-रायपुर का लोकार्पण करेंगे। साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी लगातार सौगातें प्रदान कर रहे हैं। लेकिन यहां प्रदेश की कांग्रेस सरकार छत्तीसगढ़ को बर्बाद करने में लगी है। प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने छत्तीसगढ़ के सात स्टेशनों को अमृत भारत मिशन योजना के तहत शामिल किया। इस योजना के तहत बिलासपुर, रायपुर, तिल्दा-नेवरा, दुर्ग, भिलाई पॉवर हाउस, अकलतरा रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प किया जाएगा। इन स्टेशनों में फुटओवर ब्रिज, लिफ्ट एस्कलेटर, वेटिंग हाल एवं कोच इंडिकेटर बोर्ड, पार्किंग स्थान में वृद्धि, प्लेटफार्म एरिया का विस्तार, शेड, स्थानीय कला और संस्कृति के अनुसार स्टेशन के वाह्य स्वरूप का उन्नयन किया जाएगा।

भ्रष्टाचार की मां है कांग्रेस पार्टी : बृजमोहन

रायपुर । वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार की मां है, और पूरे छत्तीसगढ़ को लूटने में लगी है। जब दिल्ली में सरकार थी तो पूरे देश को लूटने में लगी थी। अब जब भ्रष्टाचारियों को पकड़ा जा रहा है तो बौखला रहे हैं।

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि हम लोग पहले सोचते थे कि भ्रष्टाचार सिर्फ शराब, कोयले, धान खरीदी में हो रही है, लेकिन अब तो महादेव सट्टा एप और डीएमफ के जरिये भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। इससे पता चलता है कि कांग्रेस भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। ये लोग छत्तीसगढ़ के पैसों को साइफन करके विदेशों में भेज रहे हैं, कांग्रेस नेताओं के घरों में भेज रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ईडी और आईटी की कार्रवाई से अब कांग्रेस बेनकाब हो गई है, इसलिए भूपेश बघेल को दिल्ली में जाकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी पड़ रही है। क्या इस भ्रष्टाचार का समर्थन कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व भी कर रहे हैं। इसका जवाब उन्हें देना चाहिए। जब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कही फंसते हैं तो आरोप लगाने लगते हैं। मुख्यमंत्री को आरोप लगाने का आरोप नहीं है, कार्रवाई करने का अधिकार है। अगर कही पर गलत हुआ है तो कार्रवाई करो ना। क्यों नहीं कर रहे हो। विधायक अग्रवाल ने पूछा कि पौने 5 साल में बीजेपी के किस मामले में कार्रवाई की है। किसको जेल भेजा है। मुख्यमंत्री जब फंसते हैं तो प्रधानमंत्री को पत्र लिखते हैं।

प्रमुख समाचार छत्तीसगढ़/राजधानी

धान खरीदी में केंद्र का कोई योगदान नहीं : कांग्रेस

रायपुर। धान खरीदी कांग्रेस सरकार अपने दम पर करती है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि धान खरीदी में केंद्र सरकार का कोई भी योगदान नही है। छत्तीसगढ़ का हर किसान कसम खाकर दावा करेगा उनका धान कांग्रेस सरकार खरीदती है। झूठ फरेब भाजपा की फितरत, भाजपा कितना भी भ्रम फैला ले, प्रदेश ने 23.42 लाख से अधिक किसान जिन्होंने अपना 107 लाख मीट्रिक टन धान 2640 रूपये प्रति क्विंटल में बेचा है वे भाजपा के बहकावे में नही आने वाले है। केन्द्र की भाजपा सरकार ने सहयोग के बजाय छत्तीसगढ़ के किसानों को धान की कीमत 2500 देने में अडंगा ही लगाया था उसी के कारण कांग्रेस सरकार ने किसानों के लिये राजीव गांधी किसान न्याय योजना शुरू करके 9000 और 10,000 रू. प्रति एकड़ की इनपुट सब्सिडी देना शुरू किया है। 2020 की एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ कि देश के मात्र 12 प्रतिशत किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य मिला जबकि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार ने वर्ष 2018-19 तथा 2019-20 में 90 प्रतिशत किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा वर्ष 2021-22 में यह आंकड़ा 95 प्रतिशत तक पहुंच गया है। मोदी सरकार का धान खरीदी में कोई योगदान नहीं है। धान खरीदी का पूरा का पूरा पैसा राज्य सरकार के द्वारा वहन किया जाता है।

ईडी की कार्यवाही को जनता के बीच ले जायेंगे : शुक्ला

रायपुर। कांग्रेस ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में किया जा रहा ईडी का दुरुपयोग छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा होगा। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि हम ईडी की षड़यंत्रपूर्ण कार्यवाही को जनता के बीच लेकर जायेंगे। भाजपा छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार के कामों और मुख्यमंत्री की लोकप्रियता से घबराई हुई है। वह नहीं चाहती सरकार के जनकल्याणकारी काम आने वाले चुनावों में मुद्दा बने इसलिये वह ईडी की कार्यवाही करवा कर राज्य में भ्रम का वातावरण बनाना चाहती है। कांग्रेस पार्टी भाजपा के इस षड़यंत्रों को बेनकाब करेगी तथा हर बूथ तक अपने सरकार की योजनाओं के साथ सरकार के कामों में बाधा पहुंचाने के लिये की जा रही ईडी की कार्यवाही भी मतदाताओं को बतायेगी। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि ईडी अपना मूल काम करती तो रमन सिंह, उनके पुत्र अभिषेक सिंह, दामाद पुनीत गुप्ता, बृजमोहन अग्रवाल, राजेश मूणत, अमर अग्रवाल, अजय चंद्राकर सहित सभी सहयोगी जेल में होते। मोदी सरकार के आधे से ज्यादा मंत्री एवं भाजपा नेता सलाखों के पीछे होते। असल में भाजपा ईडी को राजनैतिक संगठन की तरह इस्तेमाल कर रही। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि ईडी का काम मनीलांड्रिंग की जांच करना है। छत्तीसगढ़ में ईडी सीएजी के जैसे काम कर रही है। एक विभाग में गड़बड़ी नहीं पकड़ पाती तो दूसरे विभाग जांच करने पहुंच जाती है।

सोनी को युवाओं के सवाल का जवाब देना चाहिए : ठाकुर

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सांसद सुनील सोनी को युवाओं के सवालों का जवाब देना चाहिए उसे भागना नहीं चाहिए। दुर्भाग्य है सदन हो या सदन के बाहर भाजपा के सांसद जवाब देने के बजाय कुतर्क करने में उतारू हो जाते हैं सवाल पूछने वालों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं धमकाते, चमकाते हैं सांसद सुनील सोनी की निष्क्रियता का नुकसान रायपुर लोकसभा क्षेत्र की जनता को हो रहा है।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि युवाओं ने सांसद सुनील सोनी से पूछा कि अब तक कहां थे? सांसद सुनील सोनी को बताना चाहिए कि उन्होंने रायपुर लोकसभा क्षेत्र के युवाओं के लिए क्या काम किया है?सवाल तो पूछे जायेंगे? सवालों से इतना ही डर है तो चुनाव क्यों लड़े है। जब जनता ने अपना वोट देकर अधिकार दिया है तो जनता आपसे जवाब और आपके कामों का हिसाब भी मांगेगी।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि लोकसभा चुनाव जीतने के बाद सुनील सोनी का संपर्क क्षेत्र की जनता से नहीं रहा है कोविड के दौरान भी सुनील सोनी अपने घर में दरवाजा बंद करके घुसे हुये थे। सांसद निधि से जनता को मदद करने के बजाय मोदी की चाटुकारिता में पीएम केयर फंड में सांसद निधि को जमा कर दिया था। सांसद निधि जनता का अधिकार होता है। बीते 2 साल से अधिक हो गया है ट्रेन रद्द हो जा रही है।

65 लाख आयुष्मान कार्ड नहीं बनना बदलापुर की राजनीतिः चोपड़ा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. विमल चोपड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत) को शुरू हुए पाँच वर्ष बीतने के बाद भी अब तक छत्तीसगढ़ में 65 लाख से भी अधिक व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड नहीं बन पाने के लिए प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। डॉ. चोपड़ा ने कहा कि आदिवासियों के नाम पर सियासी ड्रामेबाजी करती प्रदेश सरकार के नाकारापन का यह प्रमाण है कि बस्तर संभाग के सुकमा व दंतेवाड़ा जिलों और सरगुजा संभाग के मनेंद्रगढ़ जिले में सामान्य से लेकर गरीब परिवारों को आयुष्मान योजना का लाभ दिलाने में प्रदेश सरकार पूरी तरह उदासीनता का परिचय दिया है। इन जिलों में सबसे कम आयुषमान कार्ड बने हैं। प्रदेश स्वास्थ्य विभाग ने माना है कि प्रदेश में 65,01,974 लोगों का आयुष्मान कार्ड नहीं बनाया गया है। यह सीधे-सीधे बदलापुर की राजनीति के एजेंडे पर काम कर रही प्रदेश की कांग्रेस सरकार की साजिश का परिणाम है क्योंकि प्रदेश सरकार नहीं चाहती कि केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभ से प्रदेश के जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिले। डॉ. चोपड़ा ने कहा कि प्रदेश के 21 लाख किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से और 16 लाख गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास से वंचित रखने वाली प्रदेश सरकार ने 65 लाख से ज्यादा लोगों को आयुष्मान कार्ड से वंचित रखकर अपनी गर्हित राजनीतिक मानसिकता का प्रदर्शन किया है।

गाली गलौज कांग्रेस के संस्कार का अंगः रवि भगत

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने चंद्रयान 3 की दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग के संदर्भ में एक शैक्षणिक संस्थान में व्याख्यान दे रहे रायपुर सांसद सुनील सोनी के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा व्यवधान उत्पन्न करते हुए गाली गलौज को कांग्रेस का संस्कार बताते हुए कहा है कि भारत चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंच गया और कांग्रेसी अब तक बदतमीजी के नरवा में लोर रहे हैं। उन्हें भारत की इस सफलता से कोई लेना-देना नहीं है। वह इसके महत्व को नहीं समझते और युवा पीढ़ी को भी समझने नहीं देना चाहते। कांग्रेस किस दिशा में जा रही है, वह अपनी नई पीढ़ी को कैसे संस्कार दे रही है, यह उसका अपना विषय है। लेकिन जब राष्ट्रीय महत्व के किसी विषय पर जनता का चुना हुआ कोई सांसद अपना उद्बोधन दे रहा हो तो शैक्षणिक संस्थान में घुसकर हंगामा खड़ा करना, गाली गलौजज करना, दुर्व्यवहार करना, धक्का मुक्की करना घोर आपत्तिजनक है। किंतु कांग्रेसी अपने कुसंस्कारों से विवश हैं। इनका शैक्षणिक गतिविधियों से कोई सरोकार नहीं है। लेकिन शैक्षणिक गतिविधियों में बाधा उत्पन्न करना इनका जन्मसिद्ध अधिकार है। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने कहा कि कांग्रेसी जिस तरह से शैक्षणिक कार्यक्रम में भूपेश बघेल की जिंदाबाद कर रहे थे, उससे स्पष्ट होता है कि इन्होंने भूपेश बघेल के इशारे पर ही रायपुर सांसद सुनील सोनी के साथ बदतमीजी की है।

कौही लिफ्ट इरीगेशन योजना का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

रायपुर। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को आज मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने पाटन में कौही में प्राचीन शिव मंदिर में जलाभिषेक किया। साथ ही इस अवसर पर 7 करोड़ की लागत से बने कौही लिफ्ट इरीगेशन योजना का लोकार्पण भी किया। इससे 2500 हेक्टेयर में सिंचाई हो सकेगी। कौही उद्वहन सिंचाई योजना से ग्राम कौही, बोरेंदा, जरवाय, केसरा, खम्हरिया, डंगनिया, तरींघाट, सोनपुर और सिपकोना के किसानों को सिंचाई का लाभ मिलेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री बघेल ने अपने कौही के पहले दौरे के अवसर पर ही यहां के पुरानी उद्वहन सिंचाई योजना को अपडेट करने की घोषणा की थी। योजनांतर्गत इंटक वेल का रेडियस जो पहले 6 मीटर था इसको 12 मीटर किया गया है। वहीं 150 एच.पी. के पांच वीटी पंप स्टॉल किए गए हैं। जिससे लिफ्ट

ऐरीगेशन की क्षमता में कई गुणा वृद्धि हुई है। सम्पूर्ण नहर प्रणाली का लाइनिंग कार्य भी किया गया है। कौही उद्वहन सिंचाई योजना की क्षमता बढ़ने से इस क्षेत्र के सैकड़ों किसानों को राहत पहुंची है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री बघेल ने क्षेत्र के बारह किसानों को खसरा बी-1, बी-2 अपने कर कमलों से वितरण किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि प्रदेशवासियों पर भगवान भोले नाथ की कृपा बनी रहे। उन्होंने सभी को सावन सोमवार की बधाई दी। क्षेत्रवासियों की मांग के अनुरूप सिंचाई सुविधा विस्तारित होने जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सभी वर्ग के विकास के लिए योजनाएं संचालित कर रही है। सांस्कृतिक गतिविधियों को पुनर्जीवित करने का काम कर रही है। सरकार की योजनाओं से प्रदेश को पहचान मिली है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने लोगों की मांग पर मंदिर परिसर के सौन्दर्यीकरण का भरोसा दिलाया। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए सेवा का अवसर प्रदान करने लोगों का आह्वान किया। कार्यक्रम को जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री अशोक साहू ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

शांतिपूर्ण विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर हुई बैठक

रायपुर। प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण एवं सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आज पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर में सीमावर्ती राज्यों ओड़िशा, झारखण्ड, मध्यप्रदेश के साथ अन्तर्राज्यीय समन्वय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नक्सल विरोधी अभियानों एवं कानून-व्यवस्था संबंधी आपसी समन्वय एवं रणनीति तैयार करने हेतु विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में पुलिस महानिदेशक ओड़िशा सुनील कुमार बंसल, पुलिस महानिदेशक, छत्तीसगढ़ श्री अशोक जुनेजा एवं पुलिस महानिदेशक झारखण्ड श्री अजय कुमार सिंह

के अलावा केन्द्रीय एजेंसियों, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों क्रमशः सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी एवं छत्तीसगढ़ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी तथा बालाघाट जोन, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य अंतर्गत बस्तर, राजनांदगांव, रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक शामिल हुए। इन पड़ोसी राज्यों से लगे छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती जिलों के पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस महानिरीक्षक रेंज बिलासपुर एवं सरगुजा, बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.